शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 180 | गुवाहाटी | रविवार, 22 जनवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

लापरवाही : कछार एसपी समेत 4 पुलिस अधिकारियों पर मामला पेज 3

गणतंत्र दिवस की परेड में नेवी और एयरफोर्स के दस्ते को लीड करेगी ... पेज 4

पालोद अध्यक्ष जयंत ने गन्ना मूल्य निर्धारित की मांग कर मुख्यमंत्री योगी को लिखा पत्र पेज 5

गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियां जोरों पर पेज 8

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
कार्य करने वाले के लिए उपाय सहायक होता है।
– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

नरवाल इलाके में 15 मिनट में 2 बम विस्फोट, कई लोग घायल

जम्मू कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के नरवाल इलाके में बम विस्फोट होने की खबर सामने आई है जिसमें कई लोगों के घायल होने की भी सूचना है। जम्मू में शनिवार सुबह 15 मिनट के अंतराल पर हुए दो विस्फोट में सात लोग घायल हो गए। सूत्रों ने यह जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (जम्मू क्षेत्र) ने दो विस्फोट में छह लोगों के घायल होने की पुष्टि की, लेकिन अस्पताल के सूत्रों ने कहा कि छर्रे लगने के कारण सात लोगों को भर्ती कराया गया है और सभी की हालत *स्थिर* है। संदिग्ध आतंकवादियों ने नरवाल के परिवहन यार्ड में विस्फोट ऐसे समय में किए, जब क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियां कांग्रेस की *भारत जोड़ो यात्रा* और आगामी –शेष पृष्ठ दो पर

नेताजी की बेटी ने की आरएसएस की आलोचना

कोलकाता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) 23 जनवरी को कोलकाता में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाने की योजना बना रहा है। इस, बीस नेताजी की बेटी अनीता बोस फाफ ने कहा कि यह उनके पिता की विरासत का दोहन करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आरएसएस की विचारधारा और विचार नेताजी से अलग हैं और मेल नहीं खाते हैं। अनीता बोस ने कहा कि जहां तक विचारधारा का सवाल है, देश की किसी भी –शेष पृष्ठ दो पर

ध्रुव तारे की तरह दिशा देती है संविधान की मूल संरचना : सीजेआई

मुंबई। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) धनंजय यशवंत चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि संविधान की आत्मा को अक्षुण्ण रखते हुए बदलते समय के साथ उसकी व्याख्या करने में एक न्यायाधीश का कौशल निहित है। उन्होंने कहा कि जब आगे का रास्ता कठिन हो तो भारतीय संविधान की मूल संरचना अपने व्याख्याताओं और कार्यान्वयन करने वालों का मार्गदर्शन करती है और उन्हें निश्चित दिशा देती है। नानी ए पालखीवाला मेमोरियल में अपने संबोधन उन्होंने कहा, भारत के कानूनी परिदृश्य में हाल के दशकों में कड़े नियमों को हटाने, उपभोक्ता कल्याण को बढ़ाने और वाणिज्यिक लेनदेन का समर्थन करने के पक्ष में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है। सीजेआई ने कहा, भारतीय संविधान की पहचान संविधान के साथ नागरिकों के संवाद के माध्यम से विकसित हुई है और न्यायिक व्याख्या के साथ हुई है। एक न्यायाधीश की शिल्पकारी संविधान की आत्मा को अक्षुण्ण रखते हुए बदलते समय के साथ संविधान के पाठ की व्याख्या करने में निहित है। उन्होंने आगे कहा, ध्रुव तारे की तरह हमारे संविधान की मूल संरचना व्याख्याताओं और कार्यान्वयन करने वालों को तब एक तय दिशा देती है, जब आगे का रास्ता पेचीदा होता है। हमारे संविधान का मूल ढांचा या दर्शन संविधान की सर्वोच्चता, कानून का शासन, शक्तियों का विकेंद्रीकरण, न्यायिक समीक्षा, धर्मनिरपेक्षता, संघवाद, स्वतंत्रता और व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता व अखंडता पर आधारित है। सीजेआई ने कहा कि उभरती हुई वैश्विक अर्थव्यवस्था ने राष्ट्रीय सीमाओं को मिटा दिया है और कंपनियां अब

सीमा पर नहीं रुकती हैं। उन्होंने कहा कि हाल के दशकों में भारत के कानूनी परिदृश्य में भी गला घोंटने वाले नियमों को हटाने, उपभोक्ता कल्याण को बढ़ाने और वाणिज्यिक लेनदेन का समर्थन करने के पक्ष में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। निष्पक्ष बाजार प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए प्रतिस्पर्धा कानून और दिवाला और दिवालिया संहिता जैसे कानून बनाए गए हैं। इसी तरह, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) ने भारत में वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति पर अप्रत्यक्ष कराधान को सुव्यवस्थित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अगर आप संविधान को देखें तो यह असहज आर्थिक उदारवाद के पक्ष में नहीं है। इसके बजाय, हमारा संविधान सही संतुलन खोजने की कोशिश करता –शेष पृष्ठ दो पर

वैवाहिक दुष्कर्म के अपराधीकरण का विरोध एनजीओ ने किया सुप्रीम कोर्ट का रुख

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वैवाहिक दुष्कर्म को अपराध के दायरे में लाने की याचिकाओं पर बड़ा कदम उठाया है। वैवाहिक दुष्कर्म को अपराध के दायरे में लाया जाए या नहीं, इस सवाल पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब दाखिल करने को कहा है। इस बीच एक गैर सरकारी संगठन ने वैवाहिक दुष्कर्म के अपराधीकरण का विरोध करते हुए उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। एनजीओ की तरफ से कहा गया है कि है ये कदम विवाह नाम की संस्था को अस्थिर कर देगा।एनजीओ पुरुष आयोग ट्रस्ट द्वारा अपनी अध्यक्ष बरखा त्रेहन के माध्यम से दायर याचिका

में मैरिटल दुष्कर्म के अपराधीकरण और भारतीय दंड संहिता प्रावधान से संबंधित याचिकाओं के एक बैच में अदालत के हस्तक्षेप की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धांत –शेष पृष्ठ दो पर

तीन मस्जिदों ने खोले महिलाओं के लिए दरवाजे

महिला अधिकारों को लेकर लंबे अर्से से लड़ रहीं यास्मीन

नई दिल्ली। पुणे से यह संघर्ष शुरू हुआ था और अब यहीं से पूरे देश के लिए सुधार-बदलाव की मिसाल भी पेश की गई है। शहर की तीन मस्जिदों में महिलाओं को नमाज के लिए मिली अनुमति ने कम से कम सामाजिक स्तर पर देशभर के लिए आधार तैयार करने का काम किया है। इस्लाम में महिलाओं और पुरुषों की बराबरी के इस संघर्ष के लिए पांच साल से जूझ रहीं यास्मीन पीरजादा के लिए इससे बेहतर दृश्य नहीं हो सकता कि उनके गांव मुहम्मदिया से लेकर पुणे शहर की दो मस्जिदों में नमाज कक्ष की दिशा बताने वाले ये बोर्ड लगे हैं जिन पर लिखा है, अहम एलान- ख्वातीन (महिलाएं) के लिए तहारत वजू और नमाज का माकूल इंतजाम है। महिलाओं को मस्जिदों में पांच वक्त की नमाज की अनुमति देने के संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की नौ सदस्यीय संविधान पीठ को विचार करना है, मगर उसके पहले पुणे की तीनों मस्जिदों मुहम्मदिया जामा, बागबान और कोंडोवा पारबेनगर मस्जिद

के ट्रस्ट ने यह अनुभूति कर ली कि इस तरह के प्रतिबंध मजहब समेत किसी भी आधार पर टिक नहीं सकते। यास्मीन पीरजादा की इस लड़ाई में हर कदम पर उनका साथ देने वाले जुबेर अहमद पीरजादा ने दैनिक जागरण को बताया कि हम खुश हैं और यही चाहते थे। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ का फैसला अगर हमारे पक्ष में आया तो फिर पूरे देश में –शेष पृष्ठ दो पर

देश में दम तोड़ रहा है कोरोना!

नई दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 37 सक्रिय मामले बढ़े हैं वहीं इससे संक्रमित एक व्यक्ति की मौत हो गयी। इस बीच देश में पिछले 24 घंटों में 2,07,67 लोगों का टीकाकरण किया गया है और अब तक कुल 220 करोड़ 24 लाख 21 हजार 113 टीकाकरण किया जा चुका है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शनिवार की सुबह जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 135 मरीज स्वस्थ हुए हैं तथा छह सक्रिय मामले कम हुए है। वहीं कर्नाटक में 14 , पंजाब में आठ, पुडुचेरी और गुजरात में पांच-पांच, दिल्ली –शेष पृष्ठ दो पर

असम में मदरसों की संख्या कम करना चाहती है प्रदेश सरकार

गुवाहाटी। असम की हिमंत विश्व शर्मा सरकार अब मदरसों की संख्या कम करना चाहती है। इसको लेकर बकायदा मुख्यमंत्री शर्मा ने शनिवार को बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि हम पहले चरण में मदरसों की संख्या कम करना चाहते हैं। हम मदरसों में सामान्य शिक्षा देना चाहते हैं और मदरसों में पंजीकरण की व्यवस्था शुरू करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर समुदाय विशेष के लोग के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और वो हमारी मदद कर रहे हैं। इससे पहले खबर सामने आई थी कि असम सरकार अब मदरसों के बाद उनके शिक्षकों पर सख्ती बरतने –शेष पृष्ठ दो पर

त्रिवेणी स्नान कर भारत लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी बस पलटी, 45 लोग घायल

ठूठीबारी। मौनी अमावस्या के अवसर पर नेपाल के त्रिवेणी धाम से स्नान कर वापस भारत अपने घर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी बस शनिवार की सुबह नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्र महेशपुर में अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। बस पलटने से उसमें सवार 45 लोग घायल हुए हैं। जिसमें 10 बच्चे हैं। घायलों को इलाज के लिए पृथ्वीचंद जिला अस्पताल नवलपरासी में भर्ती कराया गया है। गोरखपुर जिले के कैंपियरगंज, भौराबारी के अलावा महराजगंज जिले के लक्ष्मीपुर के श्रद्धालु दो दिन पूर्व ही मौनी अमावस्या पर्व को लेकर नौतनवा से एक बस बुक कर नेपाल राष्ट्र के त्रिवेणी धाम में स्नान करने गए थे। शनिवार की सुबह करीब 11 बजे स्नान के बाद 70 श्रद्धालुओं को लेकर बस भारत के लिए

रवाना हुई। अभी बस महेशपुर पहुंची ही थी कि अनियंत्रित होने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो –शेष पृष्ठ दो पर

विदेशी वैक्सीन की तारीफ, अपने टीके पर संदेह...

नई दिल्ली। स्विट्जरलैंड के दावोस में फाइजर के सीईओ अल्बर्ट बोर्ला को उनकी कंपनी के कोविड वैक्सीन को लेकर तीखे सवालों का सामना करना पड़ा। फाइजर और मॉडर्ना अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कोरोना की वैक्सीन बनाने वाली शुरुआती कंपनियों में शामिल रही। तब इन कंपनियों की तरफ से काफी बड़े-बड़े दावे किए जा रहे थे। खासकर फाइजर कोरोना वायरस के खिलाफ अपनी वैक्सीन की उच्च क्षमता का खूब प्रचार कर रही थी। फाइजर के सीईओ अल्बर्ट बोर्ला ने 1 अप्रैल, 2021 को ट्वीट किया था कि यह बताकर खुशी हो रही है कि बायोएनटेक के साथ तीसरे चरण के अध्ययन में भी पता चला है कि हमारी कोविड-19 वैक्सीन दक्षिण अफ्रीका में संक्रमण के मामले 100 प्रतिशत रोकने में कामयाब रही है। सौ प्रतिशत! ध्यान रहे कि स्पूतनिक नाम की कोरोना की पहली वैक्सीन

रूस में बनी। उसके बाद अमेरिकी कंपनियों फाइजर और मॉडर्ना की वैक्सीन आई। इन दोनों कंपनियों ने दुनियाभर में प्रचार किया कि उनकी वैक्सीन को सामने कोई नहीं। फाइजर कई देशों के साथ डील करने लगा। तब हर देश की सरकार अपने नागरिकों की जान बचाने के लिए कुछ भी करने को तैयार थी। तब फाइजर ने मौके का फायदा उठाया। फाइजर ने वैसी-वैसी शर्तें रखीं जो बिल्कुल एक मालिक और गुलाम के बीच होती है। भारत सरकार ने फाइजर की शर्तें मानने से इनकार कर दिया। तब केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा था कि फाइजर ने भारत सरकार के सामने ऐसी शर्त रख दी जिसे माना नहीं जा सकता था। फाइजर ने कहा कि वह वैक्सीन के दुष्प्रभावों और मौतों का जिम्मेदार नहीं होगी। उस पर भारतीय कानून के तहत मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। ऐसे में भारत सरकार के लिए यह इन मांगों को मानना बुद्धिमानी नहीं है। भारत सरकार ने तो कोविशील्ड बनाने वाली कंपनी सीरम इंस्टिट्यूट और कोवैक्सीन बनाने वाली कंपनी भारत बायोटेक को भी ऐसी छूट नहीं दी। इसीलिए, भारत में कोविशील्ड, कोवैक्सीन के अलावा रूसी –शेष पृष्ठ दो पर

लाल किले पर खालिस्तानी झंडा फहराने वाले को इनाम : एसएफजे

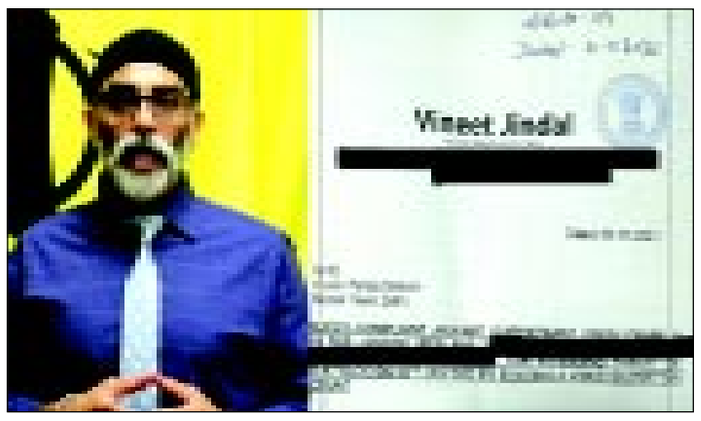

नई दिल्ली। भारत 26 जनवरी को अपना 73वां गणतंत्र दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है, वहीं सिख फॉर जस्टिस (एसजेएफ) के आतंकवादी गुरुपतवंत सिंह पन्नू ने आतंकवादी हमले को अंजाम देने का दावा करते हुए सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया। पोस्ट किए गए वीडियो में उसने 2023 में पंजाब को भारतीय कब्जे से मुक्त करने का दावा किया। दिल्ली हमारा लक्ष्य होगा और हम खालिस्तान का झंडा फहराएंगे। वीडियो में पन्नू ने कहा गया है कि जो खालिस्तान का झंडा लाल किले पर फहराएगा उसे 5 लाख डॉलर का इनाम दिया जाएगा।धमकियों के बाद वकील विनीत जिंदल ने एसजेएफ और पन्नू के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई। विनीत जिंदल ने एक बयान में कहा कि मैं यह देखकर हैरान रह गया कि ये खाते देश-विरोधी गतिविधियों में लिप्त हैं और सिख फॉर जस्टिस के –शेष पृष्ठ दो पर

मोदी सरकार के खिलाफ कांग्रेस ने जारी किया *आरोप पत्र*

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ *आरोप पत्र* जारी किया। विपक्षी पार्टी ने भाजपा को *भ्रष्ट जुमला पार्टी* करार दिया और आरोप लगाया कि इसका मंत्र *कुछ का साथ, खुद का विकास, सबके साथ विश्वासघात* है। पार्टी ने यह भी कहा कि भारत जोड़ो यात्रा का नेतृत्व कर रहे राहुल गांधी श्रीनगर के लाल चौक इलाके में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और इसके बाद शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में एक जनसभा को संबोधित –शेष पृष्ठ दो पर

फिल्म *पठान* के बारे में पूछने पर बोले सीएम हिमंत विश्व शर्मा

कौन हैं शाहरुख खान !

गुवाहाटी। कौन हैं शाहरुख खान ? मैं उनके या फिल्म *पठान* के बारे में कुछ नहीं जानता...यह असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा का शनिवार को गुवाहाटी में पत्रकारों के सवालों का बहुत संक्षिप्त जवाब था। मीडिया कर्मियों ने बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के हिंसक विरोध पर सवाल उठाया था. बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को शहर के नरेंगी में एक थिएटर में घुसकर फिल्म *पठान* के पोस्टर फाड़ दिए थे और उन्हें जला दिया था। इस थिएटर में *पठान* की स्क्रीनिंग की जानी है। शर्मा ने कहा कि खान ने मुझे फोन नहीं किया है। हालांकि बॉलीवुड के कई लोग समस्या के संबंध में ऐसा करते हैं। लेकिन अगर वे फोन करते हैं तो मैं इस मामले को देखूंगा। उन्होंने कहा कि अगर कानून और व्यवस्था का उल्लंघन किया गया है और मामला दर्ज किया गया है तो कार्रवाई की जाएगी। बॉलीवुड मेगास्टार शाहरुख खान की फिल्म *पठान* के गाने *बेशर्म रंग* में दीपिका पादुकोण को भगवा बिकनी में दिखाया गया है। इसको लेकर शाहरुख और उनकी फिल्म को कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। विश्व हिंदू परिषद सहित अन्य संगठनों के कई नेताओं ने फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। जब संवाददाताओं ने उन्हें बताया कि शाहरुख खान बॉलीवुड के सुपरस्टार हैं तो शर्मा ने कहा कि राज्य के लोगों को असमिया के बारे में चिंतित –शेष पृष्ठ दो पर

आज शाम आसमान में शुक्र से मिलता दिखेगा शनि

भोपाल (हिंस)। खगोल विज्ञान में रुचि रखने वालों के लिए रविवार, 22 जनवरी की शाम रोचक होने जा रही है। इस दिन आसमान में शाम के समय शनि और शुक्र का मिलन होने जा रहा है। इस खगोलीय घटना में सेटर्न (शनि) और वीनस (शुक्र) एक-दूसरे में मुलाकात करते से दिखेंगे। इस रोचक खगोलीय घटना की जानकारी देते हुए भोपाल की नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने शनिवार को बताया कि सूर्यास्त के बाद जब आप अपने आंगन से छत से दक्षिण पश्चिम में देखेंगे तो सबसे तेज चमकने वाला पृथ्वी का –शेष पृष्ठ दो पर

एलएसी पर गरजेंगे राफेल और सुखोई

पूर्वोत्तर में एक से पांच फरवरी तक चलेगा *प्रलय* युद्धाभ्यास

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर में तनाव के बीच भारतीय वायुसेना अगले महीने की शुरुआत में हवाई युद्ध अभ्यास करेगी। इसका नाम *प्रलय* दिया गया है। भारतीय वायु सेना ने वास्तविक नियंत्रण रेखा के पूर्वी क्षेत्र में स-400 एयर डिफेंस स्क्वाड्रन को तैनात करके सक्रिय कर दिया है। इसकी खासियत है कि यह किसी भी विमान या मिसाइल को 400 किमी तक की दूरी से भी रोक सकता है। 1 से 5 फरवरी तक हासीमारा, तेजपुर और छाबुआ हवाईअड्डों से फाइटर प्लेन शक्ति प्रदर्शन के लिए उड़ान भरेंगे। अरुणाचल प्रदेश, असम समेत अन्य राज्यों में ड्रोन, हेलीकॉप्टर और लड़ाकू विमान अपनी ताकत दिखाएंगे। इसमें राफेल और सुखोई-30, हरक्यूलिस, चिनूक हैवी लिफ्ट, अपाचे अटैक

हेलीकॉप्टर और ड्रोन शामिल रहेंगे। भारत और चीन सैनिकों के बीच अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर के यांग्त्से में 9 दिसंबर को हुई झड़प के बाद दो दिवसीय हवाई युद्धाभ्यास किया गया था। उसके बाद से यह दूसरा सबसे बड़ा कमांड लेवल अभ्यास है। सीमा पर चीन की –शेष पृष्ठ दो पर

किले की खुदाई में मिले ऐतिहासिक साक्ष्यों से रूबरू होंगे जी-20 देशों के प्रतिभागी

नई दिल्ली (हिंस)। दिल्ली में होने वाली जी-20 की बैठकों में भाग लेने वाले मेहमानों को ऐतिहासिक धरोहरों से भी रूबरू कराया जा जाएगा। जी-20 प्रेसीडेंसी के तहत सितंबर में होने वाली जी-20 बैठक में भाग लेने वाले मेहमानों को पुराने किले में हुई खुदाई में मिले ऐतिहासिक साक्ष्यों से रूबरू कराने की तैयार भी शुरू कर दी गई है। पांडवों की राजधानी इंद्रप्रस्थ की खोज के मद्देनजर पुराने किले में हाल ही में खुदाई शुरू की गई है। पुरातत्वविदों को उम्मीद है कि इस बार इस ऐतिहासिक शहर के कुछ साक्ष्य और मिलने की संभावना है जिससे यहां सबसे पहले रहने वाले लोगों के बारे में जानकारी मिल सकेगी। इसके साथ पुराने किले में मौजूद शेर मंडल, हमाम सहित के अन्य स्मारकों का भी जीर्णोद्धार किया जा रहा है। पुराना किले में पहले भी तीन बार खुदाई की जा चुकी है। पुरातत्वविद प्रोफेसर बीबी लाल के नेतृत्व में की गई खुदाई में चित्रित धूसर मृदभांड भी मिले थे जिससे इस स्थान के 1000 ईसा पूर्व से पहले का होने के संकेत मिलते हैं। हालांकि उसके बाद की गई खुदाई में यह साक्ष्य नहीं मिले हैं। पुराने किले में अबतक किए गए उत्खनन के कार्य में शुंग, शक-कुषाण, गुप्त काल, गुप्तोत्तर –शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD,
S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

मोदी के नेतृत्व में भारत को विश्व में अलग पहचान : भाजपा

गुवाहाटी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा लोकतांत्रिक व्यवस्था के साथ पार्टी के पूरे संगठन को गति में रखने पर ध्यान केंद्रित किया है। हमारी पार्टी अपनी स्थापना के समय से ही पन्नामुखों की नियुक्ति से बूथ समितियों के गठन से लेकर पार्टी की केंद्रीय समितियों तक हर चीज में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से जिम्मेदारियां सौंपने की परंपरा का पालन कर रही है। भाजपा की राष्ट्रीय कार्यसमिति की 16 और 17 जनवरी को नई दिल्ली में हुई बैठक इसी तरह की कवायद का हिस्सा है। पार्टी ने इस बैठक में कई अहम फैसले लिए हैं। उपरोक्त बातें शनिवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने कही। पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भवेश कलिता ने भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में लिए गए निर्णयों का स्वागत करते हुए कहा कि राष्ट्रवादी विचारधाराओं से प्रेरित भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र और राज्य सरकारों ने समाज का कल्याण किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत नेतृत्व के कारण ही भारत को पूरी दुनिया में निर्णायक भूमिका, दूरदर्शी निर्णय, मानव जाति के लिए हमेशा सजग, जागरूक और जागृत राष्ट्र के रूप में दुर्लभ दर्जा और अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल पाई है। इसलिए पार्टी की कार्यसमिति की बैठक में दुनिया के लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई दी गई। उन्होंने कहा कि विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, क्षेत्रीय और अन्य विविधताओं के बावजूद प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारी पार्टी की सरकार राष्ट्रवाद को मुख्य आधार के रूप में लेकर और सभी को एकजुट करके आस्था की मजबूत सामाजिक एकता बनाने में सफल रही है। इस एकता के मूल मंत्र के रूप में भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र और राज्य सरकारों के लिए प्रधानमंत्री की %सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास% की नीति के आधार पर कल्याणकारी योजनाओं को लागू करना संभव हो गया है। इस संबंध में कोरोना महामारी के दौरान अपनाई गई 1.70 लाख करोड़ रुपये की प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना, 20 लाख करोड़ रुपये की आत्मनिर्भर भारत योजना आदि का उल्लेख किया जा सकता है। इन योजनाओं में 80 करोड़ भारतीयों को शामिल किया गया है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार समाज की एकता सुनिश्चित करते हुए सभी लोगों की गरिमा और आत्मसम्मान की रक्षा के लिए अथक प्रयास कर रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भारत को जी-20 की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कूटनीतिक कौशल के कारण मिली है। जी-20 आर्थिक रूप से मजबूत दुनिया के 20 देशों से मिलकर बना है। इस प्लेटफॉर्म में दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद का 85 प्रतिशत, अंतरराष्ट्रीय व्यापार का 75 प्रतिशत और दुनिया की 60 प्रतिशत आबादी शामिल है। दुनिया के तमाम ताकतवर देशों का साझेदार इस मंच तक भारत की पहुंच को देश की आजादी के बाद के इतिहास में सबसे कूटनीतिक उपलब्धियों में से एक माना गया है। भारत ने अध्यक्ष के रूप में अपनी शक्तियों के आधार पर नौ अन्य देशों को भी जी-20 बैठक में अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है। कार्यसमिति की बैठक में सर्वसम्मति से पार्टी के मौजूदा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा का कार्यकाल जून 2024 तक बढ़ा दिया गया है। इसके लिए प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता ने एक बार फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि जेपी नड्डा के नेतृत्व में भाजपा हर आगामी चुनाव में उल्लेखनीय सफलता हासिल करेगी। कलिता ने कहा कि सेवा ही संगठन% भाजपा का मुख्य संगठनात्मक मंत्र है। संगठन की नींव में और सक्रियता लाने के लिए कार्यसमिति की बैठक में अगले साल अप्रैल तक पार्टी की गतिविधियों को अंजाम देने का फैसला किया गया है। पार्टी ने पुनर्गठन के माध्यम से बूथ समितियों को मजबूत बनाने का फैसला किया है। इसी तरह आने वाले दिनों में पार्टी के आईटी सेल, सोशल सेल को भी नवनीता प्रदान किया जाएगा। दूसरी ओर भवेश कलिता ने पन्ना प्रमुख नियुक्त करने के भाजपा के फैसले को ऐतिहासिक फैसला बताया।

सड़क दुर्घटना में सात विद्यार्थी घायल

धुबड़ी (हि.स.)। धुबड़ी जिला के तामरहाट के हाथीधुरा इलाके में हुई सड़क दुर्घटना में सात छात्र-छात्राएं घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि शनिवार को बाइक और ई-रिक्शा के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में 7 छात्र-छात्राएं घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने सभी घायलों को इलाज के लिए तामरहाट प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। घायलों की पहचान शेख हासी, अलमीन जारा, फातिमा खातून, रोनीफा अख्तर, हबीबा खातून, मरियम खातून और हबीब शेख से के रूप में की गई है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। राज्य में कोहरे के कारण इन दिन हादसों में काफी बढ़ोतरी हुई है।

भगवानी देवी मोर चैरिटेबल ट्रस्ट ने गुवाहाटी में नि:शुल्क एंबुलेंस सेवा का शुभारंभ किया

गुवाहाटी। फटाशील नारायण नगर राजहुआ नामघर प्रांगण में आवनी आटी सत्र के सत्राधिकारी थानेश्वर अधिकारी और भगवानी देवी मोर चैरीटेबल ट्रस्ट के नवरंग राय मोर, घनश्यामदास मोर ने धार्मिक परंपरा के अनुसार एंबुलेंस का शुभारंभ किया। इस अवसर पर नामघर के नामघरिया सनातन दास और बोनी राम भगत भी उपस्थित थे। गौरतलब है कि यह एंबुलेंस सेवा स्वर्गीय भगवानी देवी मोर के पोते और प्रमुख व्यवसायी, सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश मोर की पहल पर शुरू की गई है। सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश मोर ने गरीबों और जरूरतमंदों की मदद के लिए अपनी दादी की याद में धर्मार्थ ट्रस्ट की स्थापना की थी। इस अवसर पर नवरंगराय मोर ने बताया कि अस्पताल में स्थानांतरित किए जाने के दौरान मरीजों को आपातकालीन चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए एंबुलेंस जैसी महत्वपूर्ण सेवा आपातकालीन सुविधा के साथ हर वक्त उपलब्ध रहेगी। इस एंबुलेंस की सेवा निशुल्क प्रदान की जाएगी। श्री मोर ने आगे बताया कि भगवानी देवी मोर चैरिटेबल ट्रस्ट पिछले 4 वर्षों से चाबीपुल में हर दिन बेसहारा और गरीब लोगों को निशुल्क

भोजन प्रदान करने जैसी विभिन्न परोपकारी गतिविधियां संपन्न करता आ रहा है। इसके साथ ही फाटाशील चाराली में एक क्लीनिक चला कर निशुल्क चिकित्सा जांच और निशुल्क दवाएं उपलब्ध कराता आया है। इसके साथ ही पानी के फिल्टर की स्थापना आदि कर जरूरतमंदों की सेवा में अपना योगदान भी दे रहा है। इसके अलावा ट्रस्ट जल्द ही कुमारपाडा में सेवा आश्रम नाम से एक वृद्ध आश्रम स्थापित करने जा रहा है। जिसमें 20 वृद्ध लोगों के रहने लायक सुविधा उपलब्ध होगी।नामघर के नामघरीया सनातन दास ने एंबुलेंस सेवा के उद्घाटन पर खुशी प्रकट करते हुए दानदाता परिवार की सराहना की।

सड़क हादसे में बाइक चालक की मौत

धुबड़ी (हि.स.)। धुबड़ी जिलांतर्गत गौरीपुर के पर्वतझोरा इलाके में हुई एक सड़क दुर्घटना में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को बताया कि बीती रात गौरीपुर के पर्वतझोरा के एंगरकांटा में हुए सड़क हादसे में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के अनुसार एक अल्ट्रा बस (एएस-17सी-4129) की चपेट में आने से बाइक (एएस-17एम-3623) चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची बागरीबारी पुलिस की टीम ने मृत बाइक चालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

ग्वालपाड़ा : डिटेंशन कैंप की नियुक्ति प्रक्रिया में भ्रष्टाचार का आरोप, विरोध प्रदर्शन

ग्वालपाड़ा (हि.स.)। ग्वालपाड़ा जिला के मटिया स्थित एशिया के सबसे बड़े डिटेंशन कैंप में लोगों ने धरना दिया है। आरोप लगाया गया है कि डिटेंशन कैंप में बिना विज्ञापन के भर्ती प्रक्रिया के लिए धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार का सहारा लेकर कुछ युवाओं के इंटरव्यू लिए गए। इसी के विरोध में इंटरव्यू से वंचित युवा एवं स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय लोगों ने शनिवार को आरोप लगाया कि शुक्रवार को डिटेंशन कैंप में आयोजित इंटरव्यू के लिए संबंधित अधिकारियों के द्वारा किसी तरह का कोई विज्ञापन प्रकाशित नहीं किया गया था। अपने स्तर पर अधिकारियों ने 16 पदों के लिए 48 उम्मीदवारों का इंटरव्यू लिया। लोगों ने कहा कि अधिकारी पूरी तरह से भ्रष्टाचार करते हुए भर्ती प्रक्रिया में लिप्त हैं। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि साक्षात्कार रद्द किया जाना चाहिए और साक्षात्कार फिर से आयोजित किया जाना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने जिला उपायुक्त को इस संबंध में एक ज्ञापन भी प्रेषित किया है।

CANCELLATION NOTICE

In persuance of the recommendation of Bid Committee meeting held on 07/01/2023 the e-tender published vide tender 1D 2022_AHVD_27033__I dated 19/09/2022 and tender reference No, DD/E-117/2022-23/1775-77 dated 19-09-2022 for "Supply. Installation and Commissioning of Machinery and Equipment at Multibrand Milk Parlour at Khanapara under RIDI NXV·· is hereby cancelled. A fresh tender will be invited in due course of ume.

Director
Dairy Development. Assam
Khanapara. Guwahati - 22.

- Janasanyog /C/ 18833/22

पृष्ठ एक का शेष

तीन मस्जिदों ने खोले ...

अधिकारों की इस लड़ाई को नया मुकाम मिल जाएगा। पीठ को मस्जिदों में महिलाओं को नमाज की इजाजत से लेकर सबरीमाला मंदिर, पारसी और बोहरा समुदाय की महिलाओं के अधिकारों के सवालों के संदर्भ में अपना फैसला देना है। पीरजादा के अनुसार, पर्सनल ला बोर्ड ने जिस तरह यह पक्ष रखा कि महिलाओं के लिए मस्जिदों में नमाज वर्जित नहीं है, उसके बाद उन लोगों पर नैतिक दबाव बना है जो इसके विरोधी थे। पीरजादा कहते हैं कि अब सिलसिला शुरू हो गया है। हालात पूरी तरह बदलने में वक्त लगेगा। समाज के अंदर हलचल हो रही है। पर्सनल ला बोर्ड ने फरवरी 2020 में सुप्रीम कोर्ट में अपने हलफनामे में कहा था कि एक मुस्लिम महिला नमाज के लिए मस्जिद में जाने की अधिकारी है और यह उसकी इच्छा पर निर्भर करता है कि वह अपने इस अधिकार का कैसे इस्तेमाल करती है। इस्लाम के अनुसार, यह उसके लिए बाध्यकारी नहीं है कि उसे समूह में ही नमाज पढ़नी है। यास्मीन और जुबेर पीरजादा ने अक्टूबर 2018 में पत्र लिखकर पुणे के बोपोडी में मुहम्मदिया जामा मस्जिद में नमाज पढ़ने की इजाजत मांगी थी, जिसके जवाब में मस्जिद ने कहा कि पुणे और अन्य क्षेत्रों में महिलाओं के मस्जिद में प्रवेश का चलन नहीं है। बाद में दारुल उलूम देवबंद के हवाले से भी यही जानकारी दी गई। इसके बाद इस युगल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की।

ध्रुव तारे की तरह ...

है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि संविधान राज्य को सामाजिक मांगों को पूरा करने के लिए अपनी कानूनी और आर्थिक नीतियों को बदलने और विकसित करने की अनुमति देता है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने आगे कहा, जब व्यक्तियों को अपनी स्वतंत्रता का प्रयोग करने और उनके प्रयासों के लिए काफी पुरस्कृत होने का अवसर मिलता है, तो आर्थिक न्याय जीवन के कई अंतर-संबंधित आयामों में से एक बन जाता है। अंतत: हम इस हद तक समान भरोसा साझा करते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति का विकास पूरी दुनिया में सामाजिक न्याय को बढ़ावा देता है।

वैवाहिक दुष्कर्म के ...

संविधान की मूल संरचना का एक हिस्सा है। अधिवक्ता विवेक नारायण शर्मा के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि पिछले कुछ वर्षों में देश भर में ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं जहां पुरुषों ने महिलाओं द्वारा लगाए गए झूठे आरोपों के कारण आत्महत्या कर ली। याचिका में कहा गया है कि वैवाहिक दुष्कर्म के मामले से संबंधित किसी भी पर्याप्त सबूत के बिना विवाह समाप्त हो सकता है, रिश्ते खत्म हो सकते हैं। यदि जबरन संभोग का कोई सबूत है, तो पत्नी की गवाही के अलावा कोई अन्य प्राथमिक सबूत नहीं हो सकता है। ये आसानी से विवाह की संस्था को अस्थिर कर सकता है। याचिका में कहा गया है कि ऐसे बेशुमार मामले सामने आए हैं जिनमें विवाहित महिलाओं ने ऐसे प्रावधानों का दुरुपयोग किया है। ऐसे मामलों में यौन उत्पीड़न, 498ए और घरेलू हिंसा शामिल हैं।

देश में दम...

और तेलंगाना में दो-दो तथा राजस्थान में एक सक्रिय मामले बढ़े हैं। सक्रिय मामलों की संख्या अभी 1940 है। इसी अवधि में उत्तर प्रदेश में एक कोरोना मरीज की मौत हो गयी है। विस्तृत आंकड़ों के अनुसार देश में कोरोना संक्रमण के दर्ज मामलों का आंकड़ा चार करोड़ 46 लाख 81 हजार 781 और इस बीमारी को मात देने वालों की संख्या चार करोड़ 41 लाख 49 हजार 111 हो गयी है जबकि मृतकों की संख्या 5,30,730 हो गयी है।

असम में मदरसों की संख्या ...

जा रही है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा था कि मदरसों के लिए एक चेकलिस्ट तैयार की गई है, हालांकि अभी तक हितधारकों के साथ कोई समझौता नहीं किया गया है, लेकिन चीजें सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा था कि असम पुलिस मदरसा शिक्षा को *तर्कसंगत* बनाने के लिए राज्य में मुसलमानों के साथ काम कर रही है।

त्रिवेणी स्नान कर भारत ..

गई। पुलिया में टक्कर के बाद करीब 15 फीट नीचे गिरने की वजह से बस में सवार यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। अफरा-तफरी के बीच आनन-फानन घायल लोगों को निकाला गया। अभी भी कुछ लोगों के फंसे होने की बात कही जा रही है। इस हादसे में अभी तक घायलों में लक्ष्मीपुर निवासी रामगोपाल, विन्ध्यांचल, फागू और किशन तथा गोरखपुर कैंपियरगंज निवासी श्रीनिवास, सुनीता यादव और रामदास यादव सहित अन्य श्रद्धालुओं को पृथ्वीचंद जिला अस्पताल नवलपरासी में भर्ती कराया गया है। बचाव कार्य में लगे जिला प्रहरी कार्यालय के एसआइ जेके आचार्य ने बताया कि नेपाल सशस्त्र प्रहरी और नेपाल पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा बचाव कार्य किया जा रहा है। घायलों को अस्पताल भेजा गया है। अबतक बस से 45 लोगों को निकाला जा चुका है, जबकि कुछ और लोगों के फंसे होने की आशंका है।

विदेशी वैक्सीन की तारीफ...

वैक्सीन स्पूतनिक भी लगाई जा रही है, लेकिन फाइजर को आज तक मंजूरी नहीं मिली। हालांकि, फाइजर ने इसी तरह की शर्तें कई देशों से मनवा ली। कहा जाता है कि कई लैटीन अमेरिकी देशों में तो वहां की सरकारों से फंड रखवा लिए कि अगर वैक्सीन का कोई साइड इफेक्ट होगा या मौतें होंगी तो सरकार अपने खजाने से पीड़ितों को मुआवजा देगी। सरकारें मजबूर थीं, इसलिए उन्होंने गुप्त समझौते कर भी लिए। तब राज्यों को अधिकार देने की मांग जोर पकड़ गई कि वो जिस किसी कंपनी से चाहें, उससे वैक्सीन खरीद सकें। उधर, विपक्षी दलों में देश में बन रही वैक्सीन को लेकर संदेह पर संदेह और विदेशी वैक्सीन को सर्वोत्तम बताने की होड़ मच गई। कांग्रेस नेता गौरव पांधी ने यहां तक कह दिया कि कोवैक्सीन में नवजात बछड़े का सीरम मिलाया जा रहा है। उन्होंने उस वक्त ट्वीट पर ट्वीट किए और कोवैक्सीन पर सवाल उठाते रहे।

लाल किले पर खालिस्तानी ...

गुरुपवंत सिंह पन्नू ने 26 जनवरी 2023 को दिल्ली में आरडीएक्स हमले की धमकी दी थी। उन्होंने आगे लिखा हम सभी जानते हैं कि गुरपतवंत सिंह पन्नू भारत में घोषित आतंकवादी है और एसजेएफ एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन है जो देश विरोधी गतिविधियों में शामिल है। मैं आपसे दिल्ली के निवासियों को मारने की धमकी देने के लिए गुरपतवंत सिंह पन्नू और एसएफजे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध कर रहा हूं। पिछले साल, पंजाब पुलिस ने पन्नू को समुदायों के बीच नफरत और दुश्मनी फैलाने की कोशिश करने और देश, विशेष रूप से पंजाब में शांति भंग करने की साजिश रचने के लिए बुक किया था। इस बीच, दिल्ली पुलिस ने कहा था कि उसने गणतंत्र दिवस समारोह से पहले शहर में गश्त और आतंकवाद रोधी उपाय तेज कर दिए हैं। पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध के बारे में सूचित करने का भी आग्रह किया है।

मोदी सरकार के ...

करेंगे, जो कश्मीर से कन्याकुमार तक की पदयात्रा के समापन का प्रतीक होगा। यहां कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस को संबोधित करते हुए पार्टी के महासचिव जयराम रमेश और केसी वेणुगोपाल ने पार्टी के अगले अभियान *हाथ से हाथ जोड़ो अभियान* के लोगो का भी अनावरण किया। यह लोगो भारत जोड़ो यात्रा के लोगों के समान है, लेकिन अंतर केवल यही है कि इसमें कांग्रेस के चुनाव चिह्न *हाथ* को जोड़ा गया है जो दिखाता है कि यह अभियान 100 फीसदी राजनीतिक होगा। वेणुगोपाल ने कहा कि 26 जनवरी से शुरू हो रहे कांग्रेस के अभियान के तहत पार्टी *आरोपपत्र* और यात्रा के संदेश के साथ राहुल गांधी के पत्र को हर घर तक पहुंचाएगी। दोनों नेताओं द्वारा जारी *आरोपपत्र* में भाजपा को *भ्रष्ट जुमला पार्टी* करार दिया गया है और आरोप लगाया गया है कि इसका मंत्र *कुछ का साथ, खुद का विकास और सबके साथ विश्वासघात* है। कांग्रेस द्वारा साझा किए गए एक पन्ने के *आरोप पत्र* को तीन वर्गों में बांटा गया है- *कुछ का साथ, खुद का विकास* और *सबके साथ विश्वासघात*। *आरोपपत्र* के *कुछ का साथ* खंड के तहत पार्टी ने आरोप लगाया कि कुछ चुनिंदा कारोबारियों की कर्जमाफी, भारत की 64 प्रतिशत संपत्ति रखने वाले 10 फीसदी धनी और बंदरगाह एवं हवाई अड्डे प्रधानमंत्री के *करीबी मित्रों* को *उपहार* में दिए गए। *खुद का विकास* खंड में कांग्रेस ने भाजपा पर दुष्प्रचार पर करोड़ों रुपए खर्च करने और भाई-भतीजावाद में शामिल होने का आरोप लगाया। तीसरे खंड में पार्टी ने बेरोजगारी, खाद्य सुरक्षा, महिला सुरक्षा, किसानों की दुर्दशा, नफरत फैलाने वाले भाषण, निर्वाचित सरकारों को गिराने और विभिन्न क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय सूचकांकों में भारत की रैंकिंग जैसे कई मुद्दे उठाए। वेणुगोपाल ने कहा कि इस *आरोपपत्र* के साथ ही पार्टी की संबंधित राज्य इकाइयां राज्य सरकारों के खिलाफ भी *आरोप पत्र* तैयार करेंगी। उन्होंने कहा कि यह 100 फीसदी राजनीतिक अभियान है। यात्रा के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता। यह यात्रा का दूसरा चरण भी है। हम 10 लाख मतदान केंद्रों, छह लाख गांवों और 2.5 लाख ग्राम पंचायतों तक पहुंचने का प्रयास करेंगे। यह पूछे जाने पर कि राहुल गांधी लाल चौक पर तिरंगा क्यों नहीं फहरा रहे हैं, रमेश ने कहा कि इसकी सही रिपोर्ट नहीं की जा रही है क्योंकि प्रदेश कांग्रेस कार्यालय लाल चौक में है और यह स्वाभाविक है कि पार्टी के पूर्व प्रमुख और भारत जोड़ो यात्रा के प्रमुख नेता राहुल गांधी पार्टी कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं। वेणुगोपाल ने कहा कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक *स्थायी संरचना* बनाने पर विचार किया जा रहा है। इसलिए कांग्रेस की अपनी संपत्ति को चुना गया। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा अपने अंतिम चरण में है और यह 27, 28 और 29 जनवरी को कश्मीर घाटी में होगी। उन्होंने कहा कि यात्रा 29 जनवरी को खत्म होगी। 30 जनवरी को सुबह 10 बजे राहुल गांधी प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। सुबह 11 बजे श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में एक जनसभा होगी। वेणुगोपाल ने कहा कि बैठक के लिए कई विपक्षी नेताओं को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि जिस समय राहुल गांधी राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे, उस समय सभी जिला कांग्रेस प्रमुख भी अपने-अपने कार्यालयों में तिरंगा फहराएंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आदिवासियों के दस्तावेजों का डिजिटलीकरण करने वाला पहला भारतीय जिला बनने पर शनिवार को केरल के वायनाड को बधाई दी। लोकसभा में वायनाड का प्रतिनिधित्व करने वाले राहुल गांधी ने ट्विटर पर लिखा, एक सशक्त आदिवासी समुदाय एक मजबूत भारत की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि गर्व है कि वायनाड सभी आदिवासियों के लिए बुनियादी दस्तावेजों को प्रदान करने और डिजिटाइज करने वाला भारत का पहला जिला है। उन्होंने इस पहल के लिए जिला प्रशासन, स्थानीय निकायों और जन प्रतिनिधियों के सामूहिक प्रयासों की सराहना की।

कौन हैं शाहरुख...

होना चाहिए न कि हिंदी फिल्मों के बारे में। उन्होंने कहा कि दिवंगत निपोन गोस्वामी के निर्देशन में बनी असमिया फिल्म *डॉ. बेजबरुवा-पार्ट 2* जल्द ही रिलीज होगी। लोगों को इसे देखना चाहिए।

किले की खुदाई में मिले ...

काल, राजपूत काल तथा उत्तरवर्ती सल्तनत एवं मुगल काल के ऐतिहासिक साक्ष्य मिले हैं। संस्कृति मंत्रालय इस खुदाई स्थल पर एक अस्थाई संग्रहालय भी बनाने की तैयारी कर रहा है जिसमें लोग तमाम काल के परतों को देख सकेंगे। इस संग्रहालय में अबतक की खुदाई में मिली चीजों को भी प्रदर्शित किया जाएगा। इस संग्रहालय को सितंबर तक तैयार किए जाने की योजना है। इसके साथ ही शेर मंडल तक जाने के लिए नया रास्ता बनाया जा रहा है। शेर मंडल की सीढ़ियों से गिरकर 1556 में हुमायूं की मौत हो गई थी। इसके साथ शेर मंडल के पास हमाम का संरक्षण कार्य कराया गया है। यह खंडहर के रूप में तब्दील हो गया था, मगर एएसआइ ने इसकी सुध ली है और इसका संरक्षण कार्य कराया है। पुराना किला का निर्माण सूरवंश के संस्थापक शेरशाह सूरी ने हुमायूं को हराने के बाद करवाया था। 1540 में चौसा के युद्ध में हुमायूं को हराने के बाद हुमायूं के बसाये दीन पनाह नगर को नष्ट करके उसकी जगह शेरगढ़ नाम का शहर बसाया। इसके लिए उसने पुराने किले का निर्माण करवाया। जिसे 1545 में पूरी तरह बना लिया गया था। लेकिन सन 1545 में ही हुमायूं ने शेरशाह सूरी को युद्ध में हराने के बाद फिर से दिल्ली पर कब्जा कर लिया था। सन 1556 में हुमायूं की शेर मंडल से गिरकर मौत हो गई।

पूर्वोत्तर में एक से पांच ...

लगातार बढ़ रही गतिविधियों को देखते हुए चीन को इस युद्धाभ्यास से जवाब दिया जाएगा। पिछले तीन सालों में पूर्वी लद्दाख में भारत के साथ सटी सीमा पर चीन 50 हजार सैनिकों को तैनात किया है, जिनके पास बड़ी मात्रा में हथियार में भी हैं। 3, 488 किलोमीटर लंबी एलएसी पर चीन अपनी गतिविधियां बढ़ा रहा है। डोकलाम के भूटानी क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास को भी आगे बढ़ाया है। चीन ने अपने प्रमुख एयरबेस होतान, काशगर, गरगुनसा और शिगात्से को विस्तार देकर अपग्रेड किया है। वहीं, शिलांग में भारतीय वायुसेना उत्तर-पूर्वी हवाई अड्डों से चीन की सीमा पर निगरानी रख रही है, ताकि जब कभी चीन की सेना एलएसी के करीब उड़ान भरने या वहां के भारतीय स्थानों की ओर कदम बढ़ाने की कोशिश करे तो उसे खदेड़ा जा सके।

आज शाम आसमान...

पड़ोसी ग्रह शुक्र और सौरमंडल का छठवां ग्रह शनि के बीच 0 डिग्री 21 मिनट का अंतर रह जाएगा। यह घटना सेटर्न और वीनस का कंजक्शन कहलाती है। सारिका ने बताया कि शाम लगभग 06 के बाद मिलते दिखते इन ग्रहों में से वीनस पृथ्वी से तो 23 करोड़ किमी दूर होगा, वहीं सेटर्न हमसे लगभग 160 करोड़ किमी दूर होगा। दूरी का इतना अंतर होते हुए भी इनका कोण इस प्रकार का होगा कि ये आसमान में मिलते हुए से नजर आएंगे। इसमें वीनस माइनस 3.9 के मैग्नीट्यूड से तो सेटर्न 0.7 मैग्नीट्यूड से चमक रहा होगा। मिलन की यह घटना कम समय के लिए होगी। इसलिए इस नजारे को देखने का आनंद सूर्यास्त के कुछ देर बाद ही उठा सकेंगे, क्योंकि 07 बजे बाद ये मिलते ग्रह भी अस्त होने की तैयारी कर रहे होंगे। सारिका ने बताया कि हाइड्रोजन और हीलियम से बने शनि का एक दिन लगभग 10.7 घंटे का होता है। उन्होंने बताया कि पृथ्वी का जुड़वा माने जाने वाला शुक्र आकार और घनत्व में तो पृथ्वी के समान है लेकिन पृथ्वी की तुलना में विपरीत घूमता है। शुक्र में सूर्योदय पश्चिम में होता है और पूर्व में अस्त होता है। इसका एक दिन पृथ्वी के 243 दिन के बराबर होता है और एक साल 225 दिन का होता है। इस कारण यहां दिन अपने साल से लंबा हो जाता है।

नेताजी की बेटी...

अन्य पार्टी की तुलना में नेताजी की कांग्रेस के साथ बहुत अधिक समानता है। संघ प्रमुख मोहन भागवत नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाने के लिए शहर के शहीद मीनार मैदान में एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा और आरएसएस सभी धर्मों का सम्मान करने के विचार को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं, जैसा कि नेता जी ने विचार दिया था। वह एक धर्मनिष्ठ हिंदू थे, लेकिन अन्य धर्मों का सम्मान करने में भरोसा करते थे। अनीता बोस ने कहा कि वह (नेताजी) विभिन्न धर्मों के लोगों के बीच सहयोग बढ़ाने के पक्ष में थे। उन्होंने कहा कि जरूरी नहीं कि आरएसएस और भाजपा इस रवैए को प्रतिबिंबित करें। आप दक्षिणपंथी का लेबल लगाना चाहते हैं और नेताजी वामपंथी थे। जर्मनी में रह रहीं अनीता बोस ने फोन पर बातचीत में कहा कि मैंने आरएसएस की विचारधारा के बारे में जो सुना है, उससे मैं सहमत हूं कि यह और नेताजी की विचारधारा अलग-अलग ध्रुव पर हैं। दो मूल्य प्रणालियां (वैल्यू सिस्टम) मेल नहीं खाती हैं। अगर आरएसएस नेताजी के आदर्शों और विचारों को अपनाना चाहता है तो यह अच्छा है। अलग-अलग समूह नेताजी का जन्मदिन अलग-अलग तरीकों से मनाना चाहते हैं और उनमें से कई उनके विचारों से सहमत हैं। अनीता ने इस बात पर भी सहमति जताई कि उनके पिता की जयंती मनाने की धूम उनकी विरासत का फायदा उठाने के लिए है। यह पूछे जाने पर कि क्या उनके पिता आरएसएस के आलोचक थे, उन्होंने कहा, मैं (नेताजी का) कोई उद्धरण नहीं जानती जो मैं आपको दे सकूं। हो सकता है कि उन्होंने आरएसएस के सदस्यों के बारे में आलोचनात्मक बयान दिए हों। हालांकि, उन्होंने नेताजी की जयंती को धूमधाम से मनाने के केंद्र सरकार के फैसले की सराहना की है।

नरवाल इलाके में 15...

गणतंत्र दिवस समारोह के मद्देनजर हाई अलर्ट पर हैं। एक अधिकारी ने बताया कि पहला विस्फोट पूर्वाह्न 10.45 बजे हुआ, जिसके लगभग 15 मिनट बाद एक और विस्फोट हुआ। उन्होंने कहा कि पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और तलाश अभियान जारी है। एक चश्मदीद जसविंदर सिंह ने बताया कि पहला विस्फोट एक वाहन में हुआ, जिसे मरम्मत के लिए कार्यशाला भेजा गया था। मोटर स्पेयर पार्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सिंह के मुताबिक, 15 मिनट बाद पास में एक और विस्फोट हुआ, जिससे क्षेत्र में मोटर वाहन के क्षतिग्रस्त हिस्सों और कचरे का मलबा बिखर गया। उन्होंने बताया कि पहले विस्फोट में पांच लोग, जबकि दूसरे विस्फोट में दो लोग घायल हुए।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **सप्तम अध्याय**

(विरह)

शक्ति सिद्धि इच्छा करे, सो तो विरही ताहिं।
यह तो पामर जीव जग, माया भूलि समाहिं ॥ 21॥

शब्दार्थ : (शक्ति) बल (सिद्धि) अष्टसिद्धि (पामर) अधम, नीच।

भाष्य : प्राकृतिक सिद्धियों के बल की इच्छा करने वाला विरही नहीं है। यह तो संसारी अज्ञनी जीव है, जो अपनी आत्मिक शक्ति को न जानकर भूल करके माया की सिद्धि में लगा हुआ है।

विरह अगिन भरपूर में, जलते विरही देख।
प्रभुजन आपन जानिया, वत्स धेनु इव पेख ॥ 22॥

शब्दार्थ : (प्रभु) स्वामी (विरही) वियोगी (वस्त) बछड़ा (धेनु) गाय (पेख) देखना।

भाष्य : विरही की जलती हुई अग्नि में विरही को प्रभु इस प्रकार अपना जानकर देखते हैं, जिस प्रकार गाय अपने अपने बछड़े को देखती है।

लापरवाही : कछार एसपी समेत 4 पुलिस अधिकारियों पर मामला

कछार (हि.स.)। कछार जिला पुलिस अधीक्षक सहित चार पुलिस अधिकारियों के खिलाफ सिलचर में न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में मामला दर्ज किया गया है। पीड़ित दुलन दास ने वकील अंसारुल हक के माध्यम से शनिवार को सिलचर की एक न्यायिक अदालत में मामला दर्ज कराया, जिसमें पिछले साल 10 अक्टूबर को कछार जिला के अंतर्गत धलाई पुलिस स्टेशन से सटे धलाई ब्लॉक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने हुई सड़क दुर्घटना के मद्देनजर ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में पुलिस अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। वकील ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि 10 अक्टूबर 2022 को धलाई थाना क्षेत्र पनिवारा निवासी बप्पा दास धलाई प्रखंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने हादसे का शिकार हुए थे। दुर्घटना के एक दिन बाद 11 अक्टूबर को बप्पा दास के भाई दुलन दास ने धलाई थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। लेकिन बयान दर्ज करने के बाद धलाई पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। उसके बाद 26 अक्टूबर (2022) को दुलन ने वकील एवं सहायक सरकारी वकील रमाकांत पाल के साथ जांच रिपोर्ट के लिए कोर्ट में आवेदन दिया। बाद में सात नवंबर (2022) को धलाई थाने के इंस्पेक्टर ओसी मनोज बरूवा को कोर्ट के आदेशानुसार रिपोर्ट पेश करने को कहा गया। धलाई ओसी मनोज बरुवा ने 7 नवंबर को एक रिपोर्ट दी। 14 नवंबर को एक अन्य याचिका में दुलन दास ने सीजर लिस्ट और फॉर्म 54 के लिए आवेदन किया था। लेकिन दुलन दास को फॉर्म नंबर 54 नहीं मिला। इस बीच हाईकोर्ट के आदेशानुसार 14, 15 व 16 नवंबर, 2022 को सुनवाई हुई। इसके बाद बप्पा दास के भाई दुलन दास ने फॉर्म 54 देने की मांग को लेकर 26 नवंबर को धलाई थाने में आवेदन दिया। लेकिन उसका भी कोई फायदा नहीं हुआ। 14 दिसंबर को पीड़ितों ने मामला कछार के पुलिस अधीक्षक नोमल महतो के संज्ञान में लाया। कोई समाधान न होने पर भी वरिष्ठ अधिवक्ता अंसारुल हक के माध्यम से कछार के पुलिस अधीक्षक नोमल महतो, धलाई थाने के इंस्पेक्टर ओसी मनोज बरुवा, एसआई बेनजिंगलाल सरई, पलोंगघाट पुलिस चौकी प्रभारी धनेश्वर दास के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 166/109/34 के तहत सीआर 11/2023 के तहत बप्पा दास के भाई ने मुकदमा दर्ज कराया। हालांकि, वकील एवं सहायक लोक अभियोजक रमाकांत पाल का बयान दर्ज हो चुका है, लेकिन वादी अंसारुल हक की देखरेख में दुलन दास के मामले में कोई जवाब नहीं दे पा रहा है। इस बीच पुलिस सूत्रों के मुताबिक बप्पा दास को घायल करने वाली कार का नंबर ऑल्टो कार ही नहीं था। नंबर एक दोपहिया स्कूटर का था।

ट्रेन में तलाशी के दौरान हेरोइन समेत दो गिरफ्तार

कछार (हि.स.)। बीएसएफ और रेलवे पुलिस के संयुक्त अभियान में कछार जिला के बदरपुर रेलवे स्टेशन से मादक पदार्थ बरामद किया गया है। यहां अगरतला-बेंगलुरु हमसफर एक्सप्रेस (12504) की शनिवार की सुबह तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान दो यात्रियों के पास से हेरोइन बरामद हुई। बीएसएफ के जासूसों को सुबह से ही खबर मिल रही थी कि बेंगलुरु हमसफर एक्सप्रेस से विदेशों में ड्रग्स की तस्करी की जाएगी। जब हमसफर एक्सप्रेस सुबह 10 बजे अगरतला से बदरपुर स्टेशन पर पहुंची तो बीएसएफ के जवानों ने रेलवे पुलिस की मदद से तलाशी अभियान शुरू किया। तलाशी के दौरान बदरपुर मालुआकांडी क्षेत्र के निवासी मिजानुर रहमान (25) और हैलाकांदी घरमुरा क्षेत्र के दीपक दास (28) के पास से 115 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। रेलवे पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि जब्त मादक पदार्थ की बाजार में कीमत करीब 50 लाख रुपये है।

वन विभाग ने शिकारियों के चंगुल से छुड़ाया जंगली जानवर

उदालगुड़ी (हि.स.)। उदालगुड़ी जिला में माजबाट क्षेत्रीय वन विभाग की एक टीम ने अवैध शिकारियों के चंगुल से जंगली जानवरों को बरामद किया है। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की सुबह उदालगुड़ी के डीएफओ राजू कुमार ब्रह्म के निर्देश पर माजबाट क्षेत्रीय वन विभाग के बीट अधिकारी मिंटू बोडो और उदालगुड़ी के वन विभाग के बीट अधिकारी बिनेश दैमारी ने दरंग-उदालगुड़ी जिला के सीमावर्ती क्षेत्र में कबीर अली मार्केट के पास नदी के किनारे अवैध रूप स्थापित बाजार से जंगली जानवरों को बरामद किया गया। वन विभाग को देख अवैध शिकारियों का समूह जंगली जानवरों को नदी के किनारे छोड़कर फरार हो गया। माजबाट क्षेत्रीय वन विभाग के बीट अधिकारी मिंटू बोडो ने मीडिया को बताया कि शिकारियों के गिरोह द्वारा छोड़े गए जानवरों में लोमड़ी, दो सांप, दो दोहामल शामिल हैं। वन विभाग ने जांच के बाद सभी वन्य जीवों को नदी के किनारे जंगल में छोड़ दिया। वन विभाग इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

नगरबेड़ा में धारा 144 लागू

रंगिया (निसं)। कामरूप जिले के जिला दंडाधिकारी ने आज एक आदेश जारी कर नगरबेड़ा में जलजली नदी पुल से 500 मीटर के दायरे में आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत पांच से अधिक व्यक्तियों के अनावश्यक जमावड़े पर प्रतिबंध लगा दिया है। नगरबेड़ा में जलजली नदी पुल पर यात्रा को लेकर कुछ लोगों या समूहों के बीच विवाद के बाद आज से तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया गया, जिससे समाज में शांतिपूर्ण माहौल बाधित होने की आशंका थी। उक्त काठ की जराजीर्ण पुल वर्तमान यातायात के लिए सुचल नहीं होने के लिए लोक निर्माण विभाग के दक्षिण कामरूप क्षेत्रीय समंडल के कार्यवाहक अभियंता के प्रतिवेदन दाखिल करने के अलावा यह विषय वर्तमान में गुवाहाटी उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है।

बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के पलटन बाजार पुलिस ने एक बांग्लादेशी नागरिक अब्दुल अमीन लतार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपित ने पुलिस को बताया कि वह बांग्लादेश के सुमनगंज जिला का रहने वाला है। भारत में प्रवेश करने के बाद बेसामारी गांव के ठिकाना से नकली आधार कार्ड बनवाया था। नकली आधार कार्ड के जरिए और दिल्ली और कश्मीर में भी काम कर चुका है। बांग्लादेशी नागरिक को कौन फर्जी आधार कार्ड बना कर दिया है पुलिस इसकी जांच कर रही है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार बांग्लादेशी नागरिक से सघन पूछताछ कर रही है।

नर कंकाल बरामद

चिरांग (हि.स.)। चिरांग जिलांतर्गत बिजनी की दहलपाड़ा इलाके से एक नर कंकाल बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने बताया कि शनिवार को दहलपाड़ा दुनाली नदी के किनारे जंगल में झाड़ियों के बीच बेर के पेड़ के नीचे एक नर कंकाल देखा गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। नर कंकाल के पास एक गमछा पाया गया है, जिससे उसकी पहचान बिजली के आमगुरी निवासी कलवा हरिजन (60) के रूप में की गई है। मृतक इस वर्ष दुर्गा पूजा के नवमी के दिन से ही लापता था। दैनिक मजदूरी करने वाले व्यक्ति की मौत कैसे हुई इसकी जानकारी नहीं लग पाई है। इसकी जानकारी जंगल के पास खेल रहे बच्चों को सबसे पहले मिली। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

ट्रक से भारी मात्रा में गांजे समेत दो गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के जोराबाट इलाके में पुलिस की टीम ने नाका चेकिंग के दौरान एक ट्रक से भारी मात्रा में गांजा जब्त किया है। जोराबाट पुलिस चौकी के प्रभारी कपिल पाठक ने शनिवार को बताया कि हमें मंगलवार को गुवाहाटी के ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर पार्थसारथी महंत द्वारा गुप्त सूचना दी गई थी कि एक ट्रक के जरिए गांजा की तस्करी की जा रही है। जिसके बाद पुलिस ने नाका चेकिंग तेज कर दी। शनिवार तड़के सुबह ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर की मौजूदगी में ट्रक (एचपी-62बी-5088) को जब्त किया गया। ट्रक के भीतर एक गुप्त चेंबर बनाकर गांजा की तस्करी की जा रही थी। ट्रक से 101 किग्रा गांजा जब्त किया गया। गांजा को उत्तर भारत के अन्य राज्यों में भेजा जाना था। गांजा को त्रिपुरा से लाया गया था। इस मामले में ट्रक चालक समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान प्रणब कुमार जमातिया (31) और वुध साधन जामातिया (35) के रूप में की गई है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार दोनों तस्करों से पूछताछ कर रही है।

सड़क हादसे में बाइक चालक की मौत

धुबड़ी (हि.स.)। धुबड़ी जिलांतर्गत गौरीपुर के पर्वतझोरा इलाके में हुई एक सड़क दुर्घटना में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को बताया कि बीती रात गौरीपुर के पर्वतझोरा के एंगरकांटा में हुए सड़क हादसे में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के अनुसार एक अल्ट्रा बस (एएस-17सी-4129) की चपेट में आने से बाइक (एएस-17एम-3623) चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची बागरीबारी पुलिस की टीम ने मृत बाइक चालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

गुवाहाटीवासी यारी की धुनों पर झूमने लगे

गुवाहाटी। गुवाहाटी में नए साल को जीवंत बनाते हुए मैकडॉवल्स, नं-1 सोडा मशहूर गायक और संगीतकार पापोन और मधुर संगीतकार ताबा चाके को नं-1 यारी जेम के लिए गुवाहाटी लेकर आया। सरुसाजई में इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में आयोजित इस भव्य रात्रि को गुवाहाटीवासियों ने इन दोनों के साथ यारी की धुनों पर जमकर नृत्य किया। मैकडॉवल्स नं-1 सोडा यारी की भावुक कहानियों का पर्याय है। देश के युवाओं के बीच यह अपनी दिलचस्प और आकर्षक कहानी कहने द्वारा दोस्ती और एकजुटता को बढ़ाता है। यारों के बीच रिश्तों को मजबूत करने के अपने सिद्धांत के अनुरूप,नं-1 यारी जेम वीथ पापोन एंड ताबा चाके ने सच्ची दोस्ती के जश्न को जीवंत कर दिया। पापोन की क्लासिक हिट्स और ताबा चाके के नए ट्रैक्स के साथ इस लाईव संगीत समारोह ने गुवाहाटीवासियों का मन मोह लिया। दोनों कलाकारों ने अपने आकर्षण और संगीत के जादू से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पापोन के प्रशंसक ने अपने यारों के साथ उनके लोकप्रिय ट्रैक्स,बुलेया,जियें क्यूं तथा टाबा चाके के मधुर गीतों जैसे शायद,आओ चलें और वॉक विद मी को सुनते हुए साथ में बिताए समय को याद किया। इस अवसर पर पापोन ने कहा कि लंबे विराम के बाद गुवाहाटी में आकर बहुत अच्छा लगा! दर्शकों के उत्साह ने संगीत समारोह को जीवंत कर दिया और हमें जोश से भर दिया। मेरे संगीत में हमेशा दोस्ती की एक अहम भूमिका रही है। मुझे हमेशा अद्वितीय यारों के बारे में गीत अच्छे लगे,और मुझे खुशी है कि नं-1 यारी जेम ने मुझे अपने यारों के साथ मिलने वाली खुशी अपने संगीत के माध्यम से फैलाने का अवसर दिया।'' नं-1 यारी के बारे में ताबा चाके द्र ने कहा कि गुवाहाटीवासियों के लिए निष्पादन करने के लिए मैं हमेशा तैयार रहता हूं क्योंकि यहां पर मुझे बहुत प्यार व स्नेह मिलता है। पापोन के साथ निष्पादन करने का अनुभव अद्भुत था,जिसने मुझे नं-1 यारी जेम के लिए ऊर्जा व उत्साह से भर दिया। यारी का मतलब प्यार,हंसी,और दोस्तों के साथ जिंदगी है। मेरे दोस्तों ने मुझे सुरक्षित और सपोर्टेड महसूस कराया,जिसने मेरे संगीत और इस उद्योग में मेरे सफर को प्रेरित किया। मैं नं-1 यारी जेम का हिस्सा बनकर गौरवान्वित हूं,और आगामी यारी जाम्स में निष्पादन करने के लिए उत्सुक हूं।

होजाई में 11 फरवरी को लोक आदालत

होजाई। असम राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण (एएसएलएसए) द्वारा होजई जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण (एएसएलएसए) की पहल के तहत होजई जिले के शंकरदेव नगर में 11 फरवरी को राष्ट्रीय लोक आदालत का आयोजन किया। उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से न्यायिक न्यायालय के लिए सुलभ विभिन्न मामले जैसे-आपराधिक मामले, नागरिक मामले, पारिवारिक मामले, मोटर दुर्घटना के दावे, चेक बाउंस मामले, आदि। बैंक लेनदेन, ऋण के निपटान की व्यवस्था की जाती है। संबंधित मुद्दे, टेलीफोन बिल, बिल, अदालत संबंधी विवाद। राज्यवासियों की सुविधा के लिए उक्त समूह की आगामी सुनवाई की व्यवस्था की जा रही है। इसलिए, राष्ट्रीय लोक अदालत ने शनिवार, 11 फरवरी, 2023 को जिला कानूनी सेवाओं के प्रावधान में लोगों की सहयोग कि कामना की मांगी।

सीएनडी प्ले को बहुभाषी लघु फिल्म सॉरी के आधिकारिक स्ट्रीमिंग अधिकार हासिल

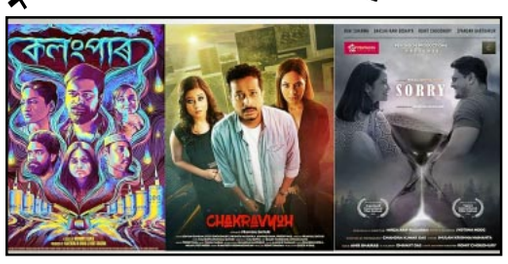

गुवाहाटी। अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता बहुभाषी लघु फिल्म सॉरी अब सीएनडी प्ले ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। मिर्जा आरिफ हजारिका द्वारा निर्देशित और पहली लेखिका ज्योत्सना निओग द्वारा लिखित रवि शर्मा और बरशा रानी बिषया अभिनीत सॉरी ने कुछ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं और फिल्म अब सीएनडी प्ले पर एक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है, जब प्लेटफॉर्म ने इसके आधिकारिक अधिकार हड़प लिए हैं। फिल्म स्ट्रीमिंग के लिए। सीएनडी प्ले में वर्तमान में कलंगपार, क्रिटिकल कूपल, अलविदा एंथनी लघु फिल्म चक्रव्यूह, निमिला अंक 2, रिप मेंगो जैसी शृंखलाएं हैं और आने वाले दिनों में कई और फिल्में हैं। सीएनडी प्ले एक डिजिटल थिएटर है जहां मूवी प्रेमियों को पूरे प्लेटफॉर्म के लिए सब्सक्रिप्शन शुल्क का भुगतान नहीं करना पड़ता है, लेकिन वे उस विशेष फिल्म के लिए भुगतान करके अपनी पसंद की फिल्म देख सकते हैं। मंच के संस्थापक रोहित शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि हम सॉरी के आधिकारिक स्ट्रीमिंग अधिकार प्राप्त करके बहुत खुश हैं। लघु फिल्म की कहानी बहुत यथार्थवादी है और हर कोई अपने दैनिक जीवन से जुड़ सकता है, मुझे पूरा यकीन है कि लोग इसे हमारे मंच पर देखना पसंद करेंगे। सीएनडी प्ले को स्थानीय प्रतिभाओं को बढ़ावा देने और उन्हें अपनी रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए एक मंच देने के मकसद से पेश किया गया था। हम सभी फिल्म निर्माताओं को हमारे साथ जुड़ने और मंच को एक अलग स्तर पर ले जाने के लिए सहयोग करने के लिए आमंत्रित करते हैं। इस अवसर पर रोहित शर्मा ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ-साथ निशांत शर्मा, प्रतीक मंगल, राजेश नशा, अतुल जोशी और सभी शुभचिंतकों को मंच के निर्माण की पूरी यात्रा के दौरान उनका समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया। सीएनडी प्ले एक फीचर फिल्म ब्लैक एन व्हाइट भी लेकर आ रहा है जो 24 फरवरी 2023 को सिनेमाघरों में आएगी। ब्लैक एन व्हाइट ने पहले ही फिल्म के 3 गाने आधिकारिक तौर पर लॉन्च कर दिए हैं और आधिकारिक ट्रेलर जल्द ही लॉन्च किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी को टिकट खरीदने/एक्टिवेट करने में कोई कठिनाई आती है तो सीएनडी प्ले के पास उचित सपोर्ट सिस्टम (इन-ऐप) है, ताकि हर कोई उस सामग्री का आनंद ले सके जिसे उन्होंने खरीदा है।

मोमेंटम नॉर्थईस्ट 2023 के दूसरे दिन पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास पर जोर

गुवाहाटी। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) और डाक विभाग के सहयोग से पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) द्वारा आयोजित पीएचडीसीसीआई मोमेंटम नॉर्थईस्ट के दूसरे दिन उपस्थित उद्यमियों, एफपीओ, एग्रीप्रेन्योर्स के लिए एक कार्यशाला और एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया। दो तकनीकी सत्रों में पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए आत्मनिर्भर एफपीओ और आजीविका उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप-गन्ना और बांस-पूर्वोत्तर क्षेत्र पर विशेष ध्यान शामिल थे। डॉ. रंजीत सिंह राजपूत, उप निदेशक, लघु कृषक कृषि व्यवसाय कंसोर्टियम (एसएफएसी), एक दिलचस्प सत्र आयोजित किया जहां उन्होंने इस बात पर विचार-विमर्श किया कि उद्यमी और किसान अपनी उपज का अधिकतम उपयोग कैसे कर सकते हैं और अद्वितीय वस्तुओं को बनाने के लिए उप-उत्पादों का भी उपयोग कर सकते हैं और एक अच्छी आय भी कमा सकते हैं। उन्होंने स्थानीय रूप से उगाई गई उपज के उपयोग और इसके उपयोग को अधिकतम करने पर जोर दिया जैसे कि फाइल और फोल्डर बनाने के लिए केले के फाइबर का उपयोग, हाथ से बने कागज के लिए केले के गूदे का उपयोग करना, हल्दी का उपयोग करना, न केवल एक मसाला बल्कि हल्दी तेल का निर्माण करना जो बाजार में अच्छी कीमत पाता है। डॉ. अनिर्बान चौधरी, नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन केंद्र, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने अपनी प्रस्तुति में मुख्य रूप से दो केंद्रीय सरकार की योजनाओं के बारे में बात की, अर्थात् प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना (पीएमएफएमई, पीएमएफएमई) और कृषि-क्लीनिक और कृषि-व्यवसाय केंद्र। पीएमएफएमई व्यक्तियों के व्यवसायों को औपचारिक बनाने में मदद करने के लिए एमओएफपीआई के तहत एक योजना है और इसे पूरे भारत में लागू किया जा रहा है। इस योजना के तहत, लोग प्रसंस्कृत और पैकेज्ड भोजन के लिए ऋण पर 35प्रतिशत या 10 लाख रुपये की सब्सिडी (जो भी कम हो) का लाभ उठा सकते हैं। एबी एंड एबीसी एक ऐसी योजना है जहां 20 लाख रुपये तक के ऋण को 44प्रतिशत सब्सिडी के साथ प्रदान किया जाता है। विज्ञान स्नातक इस योजना का लाभ उठाने के लिए पात्र हैं। एम. मोहम्मद अशरफ कमाल, व्यवसाय विकास प्रबंधक, कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा), एपीडा उद्यमियों और कृषि उद्यमियों को सही बाजार को पहचानने और अपने उत्पादों के लिए खरीदार कैसे प्राप्त करने में मदद कर सकता है, इस पर बात की। संगठन बुनियादी ढांचे के विकास, गुणवत्ता विकास और बाजार विकास में सहायता करता है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के ईएसआईसी के सदस्य पंकज कुमार पाठक ने कहा कि स्वतंत्रता काल के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र एक विकसित क्षेत्र था, लेकिन पिछले कई वर्षों से पिछड़ रहा है। उन्होंने पूर्वोत्तर में विशेष रूप से कृषक समुदाय की ओर विकास और परिवर्तन लाने के लिए पीएम नरेंद्र सिंह मोदी के प्रयासों पर जोर दिया। कार्यशाला में उपस्थित डाक विभाग के एक प्रतिनिधि ने प्रतिभागियों को उत्पादों के निर्यात को सुविधाजनक बनाने के लिए डाक विभाग की सेवाओं के बारे में जानकारी दी। तकनीकी सत्रों के दूसरे सेट का नेतृत्व गुवाहाटी बायोटेक पार्क के वरिष्ठ वैज्ञानिक बी. बुला चौधरी ने किया; राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम आउटरीच सेंटर, गुवाहाटी के सहायक विकास अभियंता अविनाश कुमार और पूर्वोत्तर गन्ना और बांस विकास परिषद के पुलक कुमार मंडल। तकनीकी सत्रों के दूसरे सेट का नेतृत्व गुवाहाटी बायोटेक पार्क के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. बुला चौधरी ने किया; राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम आउटरीच सेंटर, गुवाहाटी के सहायक विकास अभियंता अविनाश कुमार और पूर्वोत्तर गन्ना और बांस विकास परिषद के पुलक कुमार मंडल। यह कार्यक्रम माधवदेव इंटरनेशनल ऑडिटोरियम, कलाक्षेत्र में आयोजित किया जा रहा है और 22 जनवरी 2023 को समाप्त होगा। कई प्रदर्शकों ने अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए स्टाल लगाए हैं। इस आयोजन को संगठनों द्वारा समर्थित किया जा रहा है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई); डाक विभाग; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय; आयुष मंत्रालय; आउटरीच और संचार ब्यूरो; इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड (आईजीजीएल); जल शक्ति मंत्रालय का प्रतिनिधित्व केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) और पूर्वोत्तर क्षेत्रीय जल और भूमि प्रबंधन संस्थान (नेरीवाल्म) द्वारा किया जाता है; खान मंत्रालय; वस्त्र मंत्रालय; विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग का प्रतिनिधित्व नॉर्थ ईस्ट सेंटर फॉर टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन एंड रीच (एनईसीटीएआर) द्वारा किया जाता है; भारतीय भू-चुंबकत्व संस्थान और भारतीय सर्वेक्षण संस्थान; पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय का प्रतिनिधित्व पूर्वोत्तर गन्ना और बांस विकास केंद्र (एनईसीबीडीसी), असम सरकार का प्रतिनिधित्व असम औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड (एआईडीसी) और भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) द्वारा किया जाता है। एसएफएसी ने क्षमता निर्माण कार्यशालाओं और सेमिनारों में भाग लेने के लिए पूरे पूर्वोत्तर के किसानों को जुटाकर योगदान दिया।

सुनंद कुमार, डीआईजी सीआरपीएफ ने किया 152 बटा. का दौरा

ग्वालपाड़ा (निसं)। 20 व 21 जनवरी, 2023 को 152 वाहिनी सीआरपीएफ, ग्वालपाड़ा में सुनंद कुमार, डीआईजी सीआरपीएफ, (परिचालन रेंज) लॉअर असम ने दो दिवसीय दौरे के तहत ई/152 एवं वाहिनी मुख्यालय का निरीक्षण किया। सुनंद कुमार का स्वागत देव शंकर मिश्र, कमांडेंट 152 बटा द्वारा किया गया। सर्वप्रथम सुनंद कुमार, डीआईजी को क्वार्टर गार्ड पर सलामी दी गई और सम्पूर्ण मुख्यालय का निरीक्षण किया गया, तत्पश्चात सुनंद कुमार की अध्यक्षता में वाहिनी मुख्यालय में सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें जवानों को अपने कर्तव्य निर्वहन एवं स्वास्थ्य के बारे में सतर्कता हेतु अवगत कराया गया। सुनंद कुमार के दो दिवसीय दौरे के दौरान देव शंकर मिश्र, कमांडेंट 152 बटा, डॉ चुन चुन कुमार मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसजी), वी नारायणन उप कमां, अधिनस्थ अधिकारी एवं जवान उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस की परेड में नेवी और एयरफोर्स के दस्ते को लीड करेगी महिला अधिकारी

-नेवी के दस्ते को लेफ्टिनेंट कमांडर दिशा लीड करेंगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस बार गणतंत्र दिवस की परेड में भारतीय नेवी की झांकी में महिला शक्ति की झलक दिखेगी। साथ ही परेड में नेवी मार्चिंग दस्ते का नेतृत्व भी महिला अधिकारी करेंगी। इस दस्ते में कुल 144 नौसैनिक शामिल रहने वाले हैं। इतना ही नहीं एयरफोर्स के दस्ते को भी एयरफोर्स की महिला अधिकारी ही लीड करेंगी। सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दस्ते का खिताब हासिल करने के लिए ये दोनों भी मैदान में होंगी। पिछले गणतंत्र दिवस पर नेवी के दस्ते को सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दस्ते का खिताब मिला था। नेवी के दस्ते को लेफ्टिनेंट कमांडर दिशा अमृत लीड करेंगी। लेफ्टिनेंट कमांडर दिशा ने कहा कि उन्हें यकीन है कि उनका दस्ता सबसे अच्छा होगा। इसके लिए वहां और उनकी टीम कड़ी मेहनत भी कर रहे हैं। दिशा डॉर्नियर एयरक्राफ्ट की नेवल एयर ऑपरेशंस ऑफिसर हैं। डॉर्नियर शॉर्ट रेंज का एयरक्राफ्ट है यह निगरानी के लिए ही इस्तेमाल होता है। पिछले साल 3 अगस्त को इंडियन नेवी की महिला ऑफिसर्स ने नया इतिहास रचा था इस नेवी की झांकी में दिखाया जाएगा। तब नेवी के एयर स्क्वॉड्रन-314 की 5 महिला ऑफिसर ने अरब सागर के ऊपर उड़ान भरी और इतिहास बनाया। पहली बार इस तरह के सर्विलांस मिशन पर ऑल वुमन क्रू गया था। लेफ्टिनेंट कमांडर आंचल शर्मा मिशन कमांडर थीं। जो इस मिशन की ऑब्जर्वर थीं। इस मिशन में पायलट लेफ्टिनेंट शिवांगी और लेफ्टिनेंट अपूर्वा गीते टेक्टिकल और सेंसर ऑफिसर लेफ्टिनेंट पूजा पांडा और सब लेफ्टिनेंट पूजा शेखावत शामिल रहीं। इंडियन नेवी एयर स्कवॉड्रन 314 फ्रंट लाइन पर तैनात नेवल एयर स्क्वॉड्रन है। यह स्क्वॉड्रन डॉर्नियर 228 एयरक्राफ्ट को समंदर पर निगरानी रखने के लिए इस्तेमाल करता है। नेवी की झांकी के पहले हिस्से में डॉर्नियर एयरक्राफ्ट के ऑल वुमेन क्रू को दिखाया गया है। दूसरे हिस्से में आत्मनिर्भर भारत के तहत कलवरी क्लास सबमरीन और नीलगिरी क्लास जंगी जहाज के मॉडल हैं। जंगी जहाज में ध्रुव हेलिकॉप्टर की तैनाती दिखाई गई है। कलवरी क्लास की 5वीं सबमरीन वागीर 23 जनवरी को मुंबई में नेवी में कमिशन हो रही है। झांकी के आखिरी हिस्से में ऑटोनोमस अनमैंड सिस्टम को रखा गया है।

कोरोना काल में उपकरण और औषधि खरीद में 100 करोड़ रुपये का हुआ घोटाला : किरीट सोमैया

मुंबई, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश उपाध्यक्ष किरीट सोमैया ने राज्य में कोरोना काल में वैद्यकीय उपकरण खरीद, कोरोना उपचार केंद्र आबंटित करने और औषधि खरीदी में 100 करोड़ रुपये का घोटाला होने का आरोप लगाया है। किरीट सोमैया ने कहा कि इस मामले की जांच करने वाली दो सदस्यीय समिति भी इस घोटाले में शामिल है। इसलिए राज्य सरकार को इस घोटाले के साथ ही जांच करने वाली समिति की भी जांच करनी चाहिए। किरीट सोमैया ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर जांच करने की मांग की है। किरीट सोमैया ने शनिवार को मुंबई में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कोरोना कालखंड में पिछली उद्धव ठाकरे सरकार के कार्यकाल में यह घोटाला हुआ है। उस समय उन्होंने मामले की जांच की थी। इस जांच के लिए दो सदस्यीय समिति गठित की गई थी। समिति ने घोटाला होने की बात अपने रिपोर्ट में कही लेकिन दोषियों पर कार्रवाई की सिफारिश नहीं की। इस मामले में संजय राउत के करीबी सुजीत पाटकर का नाम आया है। इसलिए राज्य सरकार को तत्काल सुजीत पाटकर को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। किरीट सोमैया ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के कार्यकाल में हजारों कोरोना मरीजों के जीवन के साथ खिलवाड़ किया गया है। इस मामले की गहन छानबीन के बाद बहुत से तथ्य सामने आने वाले हैं।

कांग्रेस ने 'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान का किया लोगो लॉन्च

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस लगातार अपने अभियान को धार देने में जुटी है। कांग्रेस पार्टी ने 'भारत जोड़ो यात्रा' समाप्त होने से पहले 'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान की घोषणा कर दी। शनिवार को पार्टी ने कहा कि अभियान की 26 जनवरी से पूरे देश में शुरू किया जाएगा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश और पार्टी के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में 'हाथ से हाथ जोडो' अभियान का लोगो लॉन्च किया। इस दौरान जयराम रमेश ने कहा कि यह भारत जोड़ो अभियान का दूसरा चरण है। इस अभियान के तहत कांग्रेस पार्टी मोदी सरकार की विफलताओं से जन-जन को अवगत कराएगी। आगे उन्होंने कहा कि कांग्रेस के विजन और मिशन से देश की जनता को अवगत कराया जाएगा। कांग्रेस ने मोदी सरकार के खिलाफ चार्जशीट जारी की है। उससे जनता को अवगत कराया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जयराम रमेश ने 13 जनवरी के प्रेसवार्ता में कहा था कि भारत जोड़ो यात्रा 30 जनवरी को श्रीनगर में पूरी हो रही है। यात्रा पूरी करने से पहले ही कांग्रेस 26 जनवरी से 'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान का आगाज करेगी। इस अभियान के माध्यम से कांग्रेस देश के हर घर तक राहुल गांधी के संदेश और भारतीय जनता पार्ट की कमियों को बताएगी। उन्होंने कहा था कि इस अभियान के माध्यम से पार्टी कार्यकर्ता राहुल गांधी के संदेश का एक खत और भाजपा कुशासन का एक पुलिंदा सीधे जनता को सौंपेंगे। अभियान के माध्यम से कांग्रेस कार्यकर्ता देश के लगभग छह लाख गांवों, 10 लाख मतदान केन्द्रों तक जाएंगे। यह अभियान ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर चलाया जाएगा। देश के हर राज्य की राजधानी में एक महिला पदयात्रा भी निकाली जाएगी।

मिस्र के राष्ट्रपति 24 को आएंगे भारत, गणतंत्र दिवस समारोह के होंगे मुख्य अतिथि

अजय कुमार

नई दिल्ली। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर 24-26 जनवरी तक भारत की राजकीय यात्रा करेंगे। अपने दूसरे राजकीय दौरे पर आ रहे राष्ट्रपति सीसी 74वें गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि भी होंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार राष्ट्रपति सीसी के साथ पांच मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों सहित एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आएगा। उनका 24 जनवरी को नई दिल्ली आने का कार्यक्रम है। गणतंत्र दिवस परेड में मिस्र की सेना का एक सैन्य दल भी भाग लेगा। राष्ट्रपति सीसी का 25 जनवरी को राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उसी शाम उनके सम्मान में एक राजकीय भोज की मेजबानी करेंगी। राष्ट्रपति सीसी की आपसी हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर प्रधानमंत्री मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता होगी। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर राष्ट्रपति सीसी से मुलाकात करेंगे। राष्ट्रपति एक व्यावसायिक कार्यक्रम में भारतीय व्यापार समुदाय के साथ बातचीत भी करेंगे। उल्लेखनीय है कि भारत और मिस्र इस वर्ष राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष मना रहे हैं। यह पहली बार है कि मिस्र के राष्ट्रपति को हमारे गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। 2022-23 में भारत की जी-20 की अध्यक्षता के दौरान मिस्र को भी अतिथि देश के रूप में आमंत्रित किया गया है।

देवेंद्र फडणवीस ने धनंजय मुंडे से की मुलाकात, बंद कमरे में हुई बातचीत

मुंबई, (हि.स.)। उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार सुबह पूर्व मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता धनंजय मुंडे से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। दोनों नेताओं के बीच तकरीबन आधे घंटे तक बंद कमरे में चर्चा भी हुई। हालांकि, दोनों ने बातचीत के विषय पर मीडिया को कोई बयान नहीं दिया है। दरअसल, धनंजय मुंडे तीन जनवरी की रात परली में सड़क हादसे में घायल हो गए थे। हादसे में धनंजय मुंडे की कार क्षतिग्रस्त हो गई थी। उनके सीने और सिर पर चोट लगी थी। इसके बाद उन्हें एयर एंबुलेंस से मुंबई लाया गया था और ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद वे मुंबई स्थित आवास पर आराम कर रहे हैं। सड़क हादसे में घायल होने के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेताओं ने धनंजय मुंडे से मुलाकात की थी। यहां तक कि धनंजय मुंडे की धुर विरोधी पूर्व मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता पंकजा गोपीनाथ मुंडे भी धनंजय मुंडे से मिलीं थीं।

दिल्ली की हवा जहरीली, न्यूनतम तापमान सामान्य से कम

अजय त्यागी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शनिवार सुबह हवा जहरीली रही। साथ ही लोगों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ा। न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 6.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस अधिकारी के मुताबिक दिन में कहीं-कहीं बादल छाए रहेंगे। आमतौर पर आसमान साफ रहने का अनुमान है। अधिकतम तापमान करीब 22 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, दिल्ली में सुबह नौ बजे समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 221 दर्ज किया गया। यह सूचकांक खराब श्रेणी में आता है। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच एक्यूआई गंभीर माना जाता है।

प्रधानमंत्री ने मणिपुर, त्रिपुरा और मेघालय को दी राज्य स्थापना दिवस की बधाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को पूर्वोत्तर के तीन राज्यों मणिपुर, त्रिपुरा और मेघालय वासियों को उनके राज्य स्थापना दिवस पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, मणिपुर वासियों को राज्य स्थापना दिवस पर बधाई। विगत कई वर्षों के दौरान राज्य अनेक क्षेत्रों में प्रगति कर रहा है। मैं प्रार्थना करता हूं कि राज्य के लोगों की आकांक्षायें पूर्ण हों और मणिपुर, भारत के विकास-पथ को मजबूत बनाता रहे। एक अन्य ट्वीट में प्रधानमंत्री ने कहा, त्रिपुरा के स्थापना दिवस पर राज्य के लोगों को शुभकामनाएं। पिछले 5 साल त्रिपुरा के विकास पथ के लिए उल्लेखनीय रहे हैं। कृषि से लेकर उद्योग, शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य तक, राज्य ने महान परिवर्तन देखा है। आने वाले समय में यह प्रवृत्ति जारी रहे। प्रधानमंत्री ने ट्वीट संदेश में कहा, मेघालय के लोगों को उनके स्थापना दिवस पर बधाई। यह राज्य अपनी जीवंत संस्कृति, विशेष रूप से संगीत, कला और खेल के प्रति जुनून के लिए जाना जाता है। मेघालय के लोगों ने विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। मैं आने वाले वर्षों में मेघालय की निरंतर प्रगति के लिए प्रार्थना करता हूं।

हिमाचल पर्यटन निगम के होटलों में पर्यटकों को मार्च तक भारी छूट

-पर्यटकों को रिझाने के लिए कमरों की बुकिंग पर मिलेगी 30 से 40 फीसदी छूट

शिमला, (हि.स.)। सर्दियों के सीजन में हिमाचल प्रदेश के पर्वतीय इलाकों की वादियां बर्फ से लकदक हैं। इसे निहारने के लिए सैलानी देवभूमि का रुख कर रहे हैं। शिमला, मनाली और चायल समेत अन्य पर्यटक स्थलों में ताजा बर्फबारी से पर्यटकों की संख्या में इजाफा हो रहा है। खास बात यह है कि बर्फबारी में सैलानियों का हिमाचल घूमना सस्ता हो गया है। दरअसल हिमाचल पर्यटन विकास निगम ने विंटर सीजन में सैलानियों को लुभाने के लिए ऑफर दिया है। निगम के होटलों में ठहरने वाले पर्यटकों को सीधी 30 से 40 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। यह छूट आगामी 31 मार्च 2023 तक जारी रहेगी। पहले यह छूट 20 फीसदी थी, लेकिन बर्फबारी के कारण अब इसे बढ़ा कर 40 फीसदी तक कर दिया गया है। यह विशेष छूट सिर्फ कमरा बुक कराने पर दिया जाएगा। खाने और अन्य सुविधा प्रयोग में लाए जाने पर सैलानियों को यह सुविधा नहीं मिलेगी। हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के निदेशक अमित कश्यप ने बताया कि 31 मार्च तक निगम के होटलों में कमरों की बुकिंग करवाने पर 30 से 40 फीसदी छूट रहेगी। निगम के कुछ होटलों में 30 फीसदी तो कुछ में 40 फीसदी छूट दी जाएगी। उनका कहना है कि देश और प्रदेश के सैलानियों को रिझाने के लिए निगम ने यह फैसला लिया है। बहुत से सैलानी जनवरी और फरवरी में बर्फबारी की चाह में घूमने निकलते हैं। ऐसे लोगों को निगम के होटलों में ठहरने के लिए आकर्षित करने के लिए विशेष छूट दी गई है।

इससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि टूरिस्ट बुकिंग के लिए निगम के दूरभाष नंबर 0177-2652561 और [illegible] पर ईमेल के माध्यम से होटल संबंधी किसी भी तरह की जानकारी की जा सकती है। सैलानियों को पर्यटन निगम की वेबसाइट पर भी सभी होटलों की रेट लिस्ट के साथ जानकारी उपलब्ध है और सैलानी घर बैठे ऑनलाइन बुकिंग करवा सकते हैं। इसके अलावा प्रदेश पर्यटन विकास निगम के मोबाइल ऐप एचपी-टीडीसी पर भी होटलों में कमरों की उपलब्धता व अन्य विवरण उपलब्ध है।

हिमाचल में पर्यटन निगम के 50 से ज्यादा होटल - प्रदेश में पर्यटन विकास निगम के 50 से अधिक होटल हैं। शिमला, मनाली, धर्मशाला, डलहौजी, कसौली और चंबा इत्यादि विख्यात पर्यटन स्थलों में लग्जरी होटल भी शामिल हैं। शिमला के मशहूर पीटरहॉफ और हॉलीडे होम होटल में सैलानियों को कमरों की बुकिंग में 30 फीसदी छूट दी जा रही है। अन्य कुछ होटलों में यह छूट 40 फीसदी है। सैलानी उन होटलों का रुख कर रहे हैं, जिन क्षेत्रों में बर्फबारी हो रही है।

23 से 26 जनवरी तक भारी बर्फबारी की आशंका - स्थानीय मौसम विज्ञान केंद्र ने 23 से 26 जनवरी तक शिमला सहित राज्य के पर्वतीय इलाकों में भारी बर्फ गिरने की आशंका जताई है। बीते 24 घण्टों के दौरान शिमला, कुल्लू, चम्बा, किन्नौर और लाहौल-स्पीति में हिमपात हुआ है।

कनॉट प्लेस के सनसिटी होटल में लगी आग, कोई हताहत नहीं

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। कनॉट प्लेस स्थित सनसिटी होटल में शनिवार सुबह आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। हालांकि सूचना मिलते ही मौके पर दमकल की गाड़ियां पहुंच गई और आग पर काबू पा लिया। हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। दमकल विभाग की ओर से मिली जानकारी के अनुसार उन्हें आज सुबह 8:52 बजे पर कनॉट प्लेस स्थित सनसिटी होटल में आग लगने की सूचना मिली थी। जिसके बाद मौके पर दमकल की आठ गाड़ियों को भेजा गया और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है। इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है।

मुंबई में पीएम मोदी की सुरक्षा भेदने का प्रयास करने वाला फर्जी एनएसजी कर्मी गिरफ्तार

मुंबई, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मुंबई दौरे के दौरान सुरक्षा में सेंध लगाने की कोशिश करने वाले फर्जी एनएसजी कर्मी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बांद्रा मैजिस्ट्रेट कोर्ट ने आरोपित रामेश्वर मिश्रा (35 वर्ष) को 24 जनवरी तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 19 जनवरी को मुंबई दौरे पर थे और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) मैदान में उनकी सभा हुई थी। पीएम मोदी की सुरक्षा को भेदते हुए आरोपित सभास्थल पर पहुंचा था। उस समय वहां तैनात सुरक्षाकर्मियों ने रामेश्वर मिश्रा के पहचान पत्र की जांच की तो पता चला कि उसे एनएसजी का परिचय पत्र 13 जनवरी को जारी किया गया था। लेकिन मिश्रा के परिचय पत्र अन्य एनएसजी कर्मियों के पहचान पत्र से मैच नहीं हो रहा था। आरोपित रामेश्वर मिश्रा सुरक्षाकर्मियों को परिचय पत्र दिखाकर सभा स्थल की ओर चला गया, लेकिन शक होने पर वहां तैनात सुरक्षाकर्मी उसका पीछा करते रहे। तकरीबन 30 मिनट बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया और उसके परिचय पत्र की गहन छानबीन की गई। इसके बाद जब कंफर्म हो गया कि उसका परिचय पत्र फर्जी है, पुलिस ने उस पर मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद उसे बांद्रा कोर्ट में पेश किया गया और कोर्ट ने आरोपित को 24 जनवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

मौजूदा सरकार ने संसद को बना दिया है : थरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल (जेएलएफ) में आरोप लगाया कि केंद्र में सत्तासीन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार संसद को एक नोटिस बोर्ड और रबर स्टैम्प में बदलने में कामयाब हो गई है। यहां सतत लोकतंत्र : लोकतंत्र का पोषण विषय पर आयोजित सत्र में थरूर ने दावा किया कि पहले से ही कठोर कानून गैरकानूनी गतिविधि (निवारण) अधिनियमह्व (यूपीए) इस तरीके से और सख्त बना दिया गया है कि सिद्दिक कप्पन जैसे लोगों को बिना जमानत के दो वर्षों तक जेल में रखा जाता है। उन्होंने कहा कि यह मौजूदा सरकार के उन बहुत से उपायों में से एक है जिनसे वह संविधान की लोकतांत्रिक भावना को नेस्तनाबूद करने में सफल हो गई है। तिरुअनंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने इसके साथ ही आरोप लगाया कि सरकार ने आपातकाल की घोषणा किए बिना ही बहुत से तानाशाहीपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि आप इसे अघोषित आपातकाल कह सकते हैं। उन्होंने (सरकार) कानून और संविधान की आड़ लेकर ये सब किया है। यूएपीए को जिस तरह कड़े कानून में बदल दिया गया है जिसका नतीजा यह हुआ है कि कुछ मामलों में लोगों को बिना आरोपों और बिना जमानत के दो-दो साल तक जेलों में ठूंसा जा रहा है सिद्दिक कप्पन का मामला ही देख लीजिए। थरूर ने साथ ही कहा कि इस प्रकार की घटनाएं इस बारे में सवाल उठाती हैं कि क्या अलोकतांत्रिक तरीके से हमारे संविधान को इतनी आसानी से विकृत किया जा सकता है। केरल के पत्रकार सिद्दिक कप्पन को अक्टूबर 2020 में उत्तर प्रदेश के हाथरस की ओर जाते हुए गिरफ्तार कर लिया गया था जहां दलित महिला की कथित सामूहिक बलात्कार के बाद मौत हो गई थी। उन पर और तीन अन्य पर तब प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से संबंध रखने का आरोप लगाया गया था। उच्चतम न्यायालय ने पिछले साल सितंबर में उन्हें उस मामले में जमानत दे दी थी लेकिन प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर धन की हेराफेरी मामले में वह जेल में ही रहे।

स्वाति मालीवाल का स्टिंग दिल्ली को बदनाम करने की साजिश?

-भाजपा का दावा है आरोपी आप सदस्य

नयी दिल्ली। भाजपा ने दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) प्रमुख स्वाति मालीवाल से छेड़छाड़ के दावों पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि जिस व्यक्ति पर उन्होंने आरोप लगाया है वह आप सदस्य है और उनका नाटक एक साजिश का हिस्सा था जो अब पदार्फाश हो गया है। आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा नियुक्त मालीवाल पर भाजपा के कई नेताओं ने निशाना साधा। इस मुद्दे पर आप की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई है। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष मालीवाल ने आरोप लगाया था कि रात में निरीक्षण के दौरान एक नशे में धुत व्यक्ति ने उनके साथ कथित छेड़छाड़ की और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के बाहर उनकी कार द्वारा 10-15 मीटर तक घसीटा। मालीवाल का दावा है कि गाड़ी की खिड़की में उनका हाथ फंस गया था तभी वाहन चालक ने कार आगे बढ़ा दी। इस घटना के बाद दक्षिण दिल्ली के संगम विहार निवासी 47 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था। भाजपा नेता शाजिया इल्मी ने ट्वीट किया कि मालीवाल के नाटक का पदार्फाश हो गया है। उन्होंने सवाल किया कि आम आदमी पार्टी ने दिल्ली पुलिस को बदनाम करने के लिए नाटक किया और उसकी विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े हुए। दिल्ली भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष विरेंद्र सचदेव ने कहा कि हरीश चंद्र जो मालीवाल से कथित छेड़छाड़ का आरोपी है वास्तव में संगम विहार इलाके में आप का प्रमुख कार्यकर्ता है। उन्होंने एक तस्वीर भी जारी की जिसमें आरोपी आप विधायक प्रकाश जरवाल के लिए प्रचार करता दिख रहा है।

वंदे भारत पर फिर पथराव, खिड़की के कांच टूटे

कोलकाता, (हि.स.)। पहली स्वदेश निर्मित सेमी हाई स्पीड ट्रेन "वंदे भारत" पश्चिम बंगाल और बिहार के सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार पथराव का शिकार हो रही है। शनिवार सुबह एक बार फिर इस पर पथराव हुआ है जिसकी वजह से ट्रेन की खिड़की के कांच टूट गए हैं। रेलवे सूत्रों ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार को न्यू जलपाईगुड़ी से हावड़ा के लिए रवाना हुई वंदे भारत ट्रेन पर पथराव हुआ है। कोच संख्या 6-सी की दाहिनी ओर की खिड़की का शीशा टूट गया है। हमले में ट्रेन के अंदर बैठे लोग बाल-बाल बच गए हैं। घटना की सूचना तुरंत एस्कॉर्ट टीम को दी गई थी जिसके बाद रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेल पुलिस (जीआरपी) की टीम ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। पता चला है कि ट्रेन जब कटिहार के दालखोला से गुजर रही थी, उसी समय पथराव हुआ है। घटना शुक्रवार शाम 5:51 बजे के करीब की है। कटिहार के तेतला और दालखोला स्टेशनों के बीच पथराव हुआ। घटनास्थल कटिहार जिले के बलरामपुर थाना क्षेत्र में पड़ता है। जीआरपी की ओर से पूरी जानकारी स्थानीय थाने और कटिहार के एसपी जितेंद्र कुमार को दी गई है। सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर हमलावरों की तलाश तेज कर दी गई है। कटिहार रेल मंडल के आरपीएफ के बरिया सुरक्षा आयुक्त कमल सिंह ने बताया कि ट्रेन के हावड़ा पहुंचने के बाद उसके रेक पर लगे सीसीटीवी कैमरे के जरिए हमलावरों की शिनाख्त कर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि यह चौथी बार है जब वंदे भारत को निशाना बनाया गया है। 30 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्वी भारत की पहली बहुप्रतीक्षित वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। इसके बाद एक जनवरी से ट्रेन का सफर शुरू हुआ था और दूसरे ही दिन दो जनवरी को बिहार से सटी सीमा के पास से जब ट्रेन गुजर रही थी तब पहली बार पथराव हुए थे।

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक का उद्घाटन करेंगे योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 10 बजे से शुरू होगी। कार्यसमिति में प्रदेशभर के सभी जिलों के पार्टी पदाधिकारी समेत 700 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। प्रदेश कार्यसमिति का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चैधरी ने शनिवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस-ावार्ता में बताया कि कार्यसमिति में पार्टी के आगामी कार्ययोजना तथा राजनीतिक प्रस्तावों पर चर्चा होगी। कार्यसमिति में हिस्सा लेने वाले प्रतिनिधि भाजपा की विचारधारा तथा कार्ययोजना पहुँचाने का माध्यम बनेंगे। कार्यसमिति से पूर्व आज शाम को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक के संबंध में प्रदेश अध्यक्ष पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे।

प्रदेश कार्यसमिति के बाद होगी जिला व मण्डल कार्यसमिति - भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चैधरी ने बताया कि प्रदेश कार्यसमिति की बैठक संपन्न होने के बाद जिला व मण्डल कार्यसमिति की बैठकें होंगी। उन्होंने बताया कि केन्द्रीय 05 फरवरी तक सभी जिलों में कार्यसमिति की बैठकें होंगी और इस-ाके बाद 12 फरवरी तक मण्डल कार्यसमिति की बैठक होगी।

रालोद अध्यक्ष जयंत ने गन्ना मूल्य निर्धारित की मांग कर मुख्यमंत्री योगी को लिखा पत्र

लखनऊ, (हि.स.)। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के अध्यक्ष व सांसद जयंत चौधरी ने उप्र में गन्ने के नये मूल्य निर्धारित करने की मांग की है। उन्होंने किसानों को राहत देने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है। रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर कहा कि गन्ने का वर्तमान पेराई सत्र आधे से अधिक बीत चुका है किन्तु सरकार ने अभी तक गन्ना के नये मूल्य की घोषणा नहीं की है। स्थिति यह है कि गन्ना किसान बिना यह जाने कि उसके उत्पाद की क्या कीमत मिलेगी, मिलों को लगातार गन्ने की आपूर्ति करने को विवश है। कोई भी उत्पाद ऐसा नहीं होगा जिसका मूल्य जाने बिना उत्पादक निरंतर उसकी आपूर्ति करता रहे। जब उत्तर प्रदेश में विधान सभा चुनाव आसन्न थे तब आपके नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने गन्ना पेराई सत्र के लिए 26 दिसम्बर 2021 को गन्ने का मूल्य घोषित कर दिया था। उस समय अदालत के आदेश के साथ ही भाजपा सरकार ने भी गन्ना मूल्य का भुगतान 14 दिन में करने तथा विलम्ब होने पर ब्याज के साथ भुगतान करने की घोषणा की थी। लेकिन, किसान के इस मूल्य अधिकार के प्रति प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता कमजोर सी प्रतीत हो रही है। जयंत ने कहा कि सत्र 2022-23 के लिए गन्ना के नये मूल्य घोषित न किये जाने की वजह से गन्ना किसान बहुत दुखी है। राष्ट्रीय लोकदल के आह्वान पर किसान संदेश अभियान के माध्यम से प्रदेश के कई क्षेत्रों के किसानों ने लाभकारी मूल्य की उचित मांग आपके समक्ष रखी है। कहा कि मेरा विनम्र अनुरोध है कि वर्तमान सत्र के लिए गन्ने का लाभकारी मूल्य अतिशीघ्र घोषित करें। यह जानकारी रालोद के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष मनजीत सिंह ने आज राजधानी लखनऊ में दी है।

ई-बसों में अब सफर करना होगा आसान, स्मार्ट कार्ड से करें भुगतान

कानपुर, (हि.स.)। स्मार्ट सिटी कानपुर में संचालित हो रहीं ई-बसें यात्रियों की पहली पसंद बनती जा रही हैं। यही नहीं, प्रबंधन समय-समय पर यात्रियों से फीडबैक भी लेता रहता है। फीडबैक के जरिये प्रबंधन को जानकारी हुई कि टिकट को आनलाइन किया जाये। इसको लेकर अब प्रबंधन फरवरी माह से स्मार्ट प्रीपेड कार्ड जारी करने जा रहा है जिससे यात्री कैशलेस टिकट का भुगतान कर सकेंगे। कानपुर में इलेक्ट्रिक बस से यात्रा करने वालों के लिए ई-बस प्रबंधन फरवरी से स्मार्ट कार्ड की सुविधा देगा। इसे लेकर भारतीय स्टेट बैंक के साथ ई-बस सेवा प्रबंधन ने करार किया है। इस कार्ड को इस तरह से तैयार कराया जा रहा है कि न सिर्फ ई-बसों का टिकट बल्कि मेट्रो का टिकट भी खर-ीदा जा सके। स्मार्ट प्रीपेड कार्ड में कूपन की व्यवस्था होगी। यात्री एक बार कूपन लेकर कार्ड को रीचार्ज कर सकेंगे। इसके बाद कैशलेस टिकट का भुगतान कर सकेंगे। कंडक्टर के पास कार्ड को टच कराकर गेटवे से किराया वसूलने वाली मशीन होगी। ई-बस के प्रबंधक परिचालन डीवी सिंह ने शनिवार को बताया कि यात्रियों के पास अक्सर किराया भुगतान करने के लिए छुट्टे रुपये नहीं होते हैं। उनकी शिकायत होती है कि कंडक्टर ज्यादा किराया ले लेते हैं। इसे लेकर स्मार्ट प्रीपेड कार्ड की व्यवस्था की जा रही है और यह फरवरी में शुरू हो जाएगी। एसबीआई और सॉफ्टवेयर कंपनी से बातचीत कर उसका डिजाइन तैयार कराया जा रहा है।

गणतंत्र दिवसःरिहर्सल और परेड को लेकर बदली रहेगी यातायात व्यवस्था

लखनऊ, (हि.स.)। गणतंत्र दिवस को लेकर होने वाली रिहर्सल और मुख्य परेड को लेकर यातायात डायवर्जन किया है। पुलिस उपायुक्त के मुताबिक, गणतंत्र दिवस की परेड को लेकर 22 जनवरी को प्रथम पूर्वभ्यास किया जाएगा। 24 को फूल ड्रेस के साथ दोबारा रिहर्सल होगा। 26 जनवरी को मुख्य परेड होगी। इस-ाको देखते हुए यातायात में परिवर्तन किया गया है। अमौसी एयरपोर्ट एवं चारबाग रेलवे स्टेशन, रोडवेज बस स्टेशन को आने-जाने वाले यात्री उपरांकित डायवर्जन मार्ग का संज्ञान लेते हुए चारबाग, विधान सभा, हजरतगंज, केडी सिंह स्टेडियम मार्ग के अतिरिक्त वैकल्पिक सुगम मार्ग का अनुसरण करें।

चारबाग, केकेसी से विधानसभा, हजरतगंज से केडी सिंह स्टेडियम के मध्य सामान्य यातायात के लिए प्रदान डायवर्जन मार्ग के अतिरिक्त यदि किसी जन समान्य की चिकीत्सकीय अपरिहार्यता की स्थिति में वैकल्पिक मार्ग के आभाव में प्रतिबन्धित मार्ग पर भी एम्बुलेन्स, फायर सर्विस, स्कूली वाहन, शव वाहन इत्यादि को ट्रैफिक पुलिस द्वारा परेड के दौरान अनुमन्य किया जा सकेगा। इसके लिए ट्रैफिक कन्ट्रोल नम्बर 9454405155 पर सम्पर्क किया जा सकता है। 25 जनवरी शाम चार बजे से 26 जनवरी को परेड कार्यक्रम समाप्ति तक रॉयल होटल (बापू भवन) चौराहे से विधानसभा के सामने, कैपिटल तिराहा से हजरतगंज चौराहे के मध्य (बैठने के स्थान व बैरिकेटिंग आदि) के लिए यातायात पूर्ण रूप से बंद रहेगा।

जी-20 रन में काशी ने उत्साह से की भागीदारी, मुख्यमंत्री ने लखनऊ से वर्चुअली दिखाई हरी झंडी

वाराणसी, (हि.स.)। भारत की अध्यक्षता में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन के प्रति जागरुकता के लिए शनिवार को आयोजित जी-20 रन (वॉकथान) में बनारस ने पूरे उत्साह के साथ भागीदारी की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुबह 09 बजे लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास से वर्चुअली हरी झंडी दिख-ाकर एक साथ चार शहरों लखनऊ, वाराणसी, आगरा और गौतमबुद्ध नगर में जी-20 रन का शुभारंभ किया।

इन चार शहरों में जी-20 की बैठकें होने वाली हैं। वाराणसी के सिगरा स्थित रुद्राक्ष कंवेंशन सेंटर से शुरू वॉकथान साजन तिराहा, फातमान, मलदहिया पटेल प्रतिमा से होकर महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में गांधी प्रतिमा पर जाकर समाप्त हुआ। राज्यमंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु', कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव, कमिश्नर कौशलराज शर्मा और जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने इस वॉकाथन की शुरूआत की। इसमें खिलाड़ी, पीआरडी जवान, स्कॉउट गाइड, व्यापार मंडल, उद्योग, होटल, स्कूली बच्चों के साथ सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। खेल विभाग की ओर से आयोजित रैली के पूर्व मानव श्रृंखला के जरिए सिगरा स्टेडियम में जी-20 के लोगो का अनावरण किया गया। सिगरा रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में युवतियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इसके बाद वॉकथान की शुरूआत हुई। पूरे रास्ते में पीएसी बैंड पर देशभक्ति धुन बजाई गई। उल्लेखनीय है कि जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए काशी में होने वाले आयोजनों को भव्य रूप देने की तैयारी चल रही है।

नगर निगम की ओर से नौ मार्गों के 18 तिराहे और चौराहों की डिजाइन फाइनल कर दी गई है। यहां पर जी-20 थीम पर सजावट के कार्य कराए जाएंगे। पूरी डिजाइन जी-20 थीम पर है। इसमें 20 देशों के झंडे भी लगाए जाएंगे। कहीं पर हरियाली तो कहीं पर आकर्षक लाइटिंग लगेगा। इसमें स्वयंसेवी संस्थाओं की भी मदद ली जाएगी।

आरकेडी कंस्ट्रक्शन कंपनी के वाहनों में अपराधियों ने लगायी आग

रांची, (हि.स.)। इटकी थाना इलाके में गड़गांव पुल के पास अपराधियों ने शुक्रवार देर रात जमकर उत्पात मचाया है। अपराधियों ने सड़क निर्माण में लगे आरकेडी कंस्ट्रक्शन कंपनी के वाहनों में पेट्रोल डालकर आग लगा दी। अपराधियों ने दो वाहनों में आग लगाने की कोशिश की, हालांकि सिर्फ एक रोलर ही जल पाया। अपराधियों ने आग लगाने से पहले वहां मौजूद सुरक्षा गार्ड के साथ मारपीट की और मोबाइल फोन भी छीन लिए। जानकारी के अनुसार इटकी थाना इलाके के गड़गांव पुल के पास आरकेडी कंस्ट्रक्शन कंपनी रांची गुमला मुख्य मार्ग (एनएच 23) के चौड़ीकरण निर्माण का कार्य कर रही है। सड़क चौड़ीकरण का काम पलमा से लेकर गुमला जिला मुख्यालय तक किया जा रहा है। सड़क निर्माण कार्य को लेकर ईटकी थाना के गड़गांव नदी में पुल निर्माण कार्य में लगे रोलर, पोकलेन सहित कई वाहन विवेकानंद स्कूल के पास खड़े थे। सुरक्षा में तैनात गार्ड का कहना है कि दो अपराधी शुक्रवार देर रात उनके पास आए और हथियार के दम पर उनके मोबाइल फोन छीन लिए। इसके अलावा उन्होंने उनके साथ मारपीट भी की। डीएसपी रजत मणिक बाखला ने बताया कि अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गढ़वा में आदमखोर तेंदुआ को पकड़ने के लिए अब संजय-डुबरी टाइगर रिजर्व से मदद लेगा वन विभाग

रांची, (हि.स.)। गढ़वा जिले में आदमखोर तेंदुआ को मारने का आधिकारिक आदेश तो मिल गया है लेकिन उसकी वैधता 31 जनवरी ही है। समय बीतता देख वन विभाग ने आदमखोर तेंदुआ को पकड़ने के लिए मध्य प्रदेश के संजय-डुबरी टाइगर रिजर्व से मदद मांगी है। पलामू वन रीजन के क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक (आरसीसीएफ) कुमार आशुतोष ने बताया कि 31 जनवरी तक तेंदुआ पकड़ा या मारा नहीं जाता है तो एक बार फिर उसको मारने के लिए पीसीएफ वाइल्ड लाइफ से अनुमति मांगी जायेगी। फिलहाल, विभाग ने संजय टाइगर रिजर्व से एक्सपर्ट की टीम को बुलाया है। उन्होंने बताया कि नवाब शफत अली खान की टीम तेंदुआ को पकड़ने के लिए तीन जनवरी से कैम्प कर रही है। वन विभाग के अधिकारी के अनुसार तेंदुआ का लोकेशन लगातार रमकंडा और भंडरिया के सीमा पर कुशवार के इलाके में मिल रही है। जनवरी के पहले सप्ताह तक तेंदुआ गढ़वा के रंका रमकंडा और भंडरिया के सीमावर्ती इलाकों के 10 किलोमीटर के दायरे में विचरण कर रहा था। अब इसका दायरा घट कर चार किलोमीटर तक रह गया है। तेंदुआ को पकड़ने के लिए 50 ट्रैकिंग कैमरे लगाए गए हैं। फिर भी उसकी तस्वीर उसमें अभी तक कैद नहीं हो पायी है। छह केज भी लगाए गए हैं लेकिन अब तक वह नहीं फंसा है। हालांकि, केज के अगल-बगल में उसके पंजे के निशान मिले हैं। उल्लेखनीय है कि आदमखोर तेंदुआ बीते 37 दिनों से गढ़वा दक्षिणी प्रमंडल के भंडरिया, रंका एवं रमकंडा प्रखंड और पलामू टाइगर रिजर्व के छीपादोहर में सक्रिय है। तेंदुआ ने अब तक चार बच्चों को मार डाला है इसमें गढ़वा में तीन और लातेहार में एक बच्चे की मौत हुई है। सभी की उम्र छह से 12 साल के बीच थी।

झारखंड के साहिबगंज पहुंचा गंगा विलास क्रूज, सैलानियों का हुआ जोरदार स्वागत

साहिबगंज, (हि.स.)। झारखंड के साहिबगंज में शुक्रवार की शाम सबसे लंबा जलमार्ग तय करने वाला गंगा विलास क्रूज विदेशी सैलानियों को लेकर अपने निर्धारित तारीख से एक दिन पहले ही पहुंच गया। पहले इस क्रूज के 21 जनवरी को साहिबगंज आने की संभावना जताई गयी थी। रात में यह क्रूज गंगा नदी के समदा घाट पर रूका है। विदेशी सैलानियों से भरे इस क्रूज की सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने चाक चौबंद व्यवस्था की है। बनारस से डिब्रूगढ़ की सबसे लंबी नदी यात्रा पर निकला गंगा विलास क्रूज शिप तय समय से पहले शुक्रवार की शाम को मनिहारी के रास्ते झा-रखंड की सीमा में प्रवेश करते हुए साहिबगंज के समदा गंगा घाट पहुंचा। गंगा विलास क्रूज गंगा नदी में ही लंगर डालकर रात्रि हॉल्ट किया। वहीं, ड-ीसी रामनिवास यादव के नेतृत्व में जिला प्रशासन की पूरी टीम ने समदा घाट पर गंगा विलास क्रूज में सवार विदेशी मेहमानों का स्वागत किया। जैप और जिला बल के जवानों को मोटर बोट और यात्री जहाज एवं मालवाहक जहाज में लेकर सुरक्षा व्यवस्था में तैनात किया गया है। डीसी रामनिवास यादव ने बताया कि शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे गंगा विलास से आए मेहमानों का भव्य स्वागत किया जाएगा और कार्यक्रम आयोजित किए जाएगा। जानकारी के अनुसार शनिवार की सुबह विदेशी मेहमान मल्टी मॉडल बंदरगाह घूमेंगे, वहीं लोगों से मिलेंगे। वहीं, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। गंगा और घाट को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। मौके पर एसपी अनुरंजन किसकोट्टा, डीएफओ मनीष तिवारी, आईडब्ल्यूएआई निदेशक संजीव कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी संतोष गर्ग, जिला खनन पदाधिकारी विभूति कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सविता सिंह, एनडीसी मिथलेश झा, एसडीओ राहुल जी आनंद जी, एसडीपीओ सहित अन्य थे। उल्लेखनीय है कि गंगा विलास क्रूज 51 दिनों के सफर पर है। डिब्रूगढ़ उसका अंतिम पड़ाव होगा। एमवी गंगा विलास शिप 62 मीटर लंबी और 12 मीटर चौड़ी है। इसमें तीन डेक है और 36 पर्यटकों की क्षमता वाले 18 सुइट्स है। क्रूज में स्विट्जरलैंड के 32 पर्यटक वाराणसी से डिब्रूगढ़ की यात्रा का आनंद उठाएंगे। वाराणसी से चलकर क्रूज आठवें दिन झारखंड के साहिबगंज पहुंची है।

डीसी और एसएसपी ने गणतंत्र दिवस परेड रिहर्सल का किया निरीक्षण

रांची, (हि.स.)। रांची के डीसी राहुल कुमार सिन्हा और एसएसपी किशोर कौशल ने शनिवार को गणतंत्र दिवस परेड के रिहर्सल का निरीक्षण किया। इस दौरान डीसी ने मार्च पास्ट की सलामी भी ली। एसएससी ने परेड में शामिल टुकड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि परेड में शामिल सभी लोगों की जिम्मेदारी है कि वो सर्वोत्तम दें। उन्होंने इस बात की जानकारी भी दी कि परेड के दौरान किन-किन बातों पर ध्यान देना है। डीसी और एसएसपी ने तैयारियों को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को दिशा-निर्देश भी दिये। इस दौरान उप विकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक नगर नौशाद आलम एवं अन्य संबंधित पुलिस-प्रशासनिक पदाधिकारी उपस्थित थे।

तीन से पांच डिसमिल जमीन देकर बसाया जाएगा भूमिहीनों-गरीबों को : आलोक मेहता

भागलपुर, (हि.स.)। बिहार सरकार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री आलोक मेहता ने शनिवार को भागलपुर में कहा है कि इस वर्ष के अंत तक तमाम भूमिहीनों और ारीबों को तीन से पांच डिसमल जमीन उपलब्ध कराते हुए उनको तमाम सुविधाओं के साथ बसाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिजली, पानी और सड़क सुविधा के साथ मल्टी स्टोरी भवन बनाकर बसाने की तैयारी बिहार सरकार ने की है। भागलपुर के सर्किट हाउस में जिले के तमाम सर्किल ऑफिसर, रेवेन्यू ऑफिसर और जिले के जिम्मेदार अधिकारी के साथ समीक्षा बैठक करते हुए राजस्व और भूमि सुधार मंत्री आलोक मेहता ने कहा कि जो अधिकारी अच्छा काम करेंगे उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा और जो अपने परफॉर्मेंस में पिछड़े रहेंगे उन्हें दंडित भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जनता दरबार में तीन माह पहले 70 प्रतिशत मामले जमीन विवाद के थे। अब 45 प्रतिशत हुआ है। सरकार ने मुख्यालय स्तर पर मॉनिटरिंग सिस्टम तैयार किया है। वहां से ही दाखिल खारिज की मॉनिटरिंग की जा रही है। भूमि सुधार को लेकर कई एक्ट में परिवर्तन भी किया गया है। आलोक मेहता ने कहा कि रजिस्ट्रेशन एक्ट में बदलाव किया गया है। जबकि राजस्व की बढ़ोतरी के लिए डीसीएलआर को बीएलडीआर एक्ट के पावर भी दिए गए हैं। मठ, मंदिर और धार्मिक न्यास बोर्ड के कई मामले सामने आते हैं। अगर सही शिकायत मिलेगी तो सरकार उसका भी समाधान संबंधित अधिकारी से कराएगी।

अभाविप के बेगूसराय जिला सम्मेलन की तैयारी तेज, शामिल होंगे राष्ट्रीय महामंत्री

बेगूसराय, (हि.स.)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) का बेगूसराय जिला सम्मेलन 24 जनवरी को सिंघौल स्थित हर्ष गार्डन परिसर में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की जोरदार तैयारी की जा रही है, कार्यकर्ता दीवार लेखन, सोशल मीडिया एवं दीवार लेखन आदि के माध्यम से कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। शनिवार को भी नगर इकाई द्वारा सभी कॉलेजों एवं लॉज में जाकर छात्रों के बीच जनसंपर्क अभियान चलाया। मौके पर पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अजीत चौधरी ने कहा 24 जनवरी को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का जिला सम्मेलन हर्ष गार्डन में होने जा रहा है। जिसमें अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री सहित प्रांत के प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि जिला सम्मेलन में बेगूसराय में विश्वविद्यालय खोलने एवं सभी कॉलेजों में पीजी की पढ़ाई कराने के मुद्दे पर विशेष रूप से चर्चा किया जाएगा। विभाग संयोजक सोनू सरकार ने कहा कि जिला सम्मेलन में बेगूसराय की गिरती हुई शिक्षा व्यवस्था एवं कानून व्यवस्था पर विशेष रूप से चर्चा किया जाएगा, छात्र विरोधी बिहार सरकार के खिलाफ आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी। जिला संयोजक पुरुषोत्तम कुमार ने कहा पूरे जिले से हजारों की संख्या में छात्र-छात्रा जिला सम्मेलन में भाग लेंगे। बेगूसराय के सभी कॉलेजों एवं हाई स्कूलों में बदहाल शिक्षा व्यवस्था को लेकर आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी। प्रांत छात्रा प्रमुख श्वेत निशा ने कहा कि जिला सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में छात्रा भाग लेगी। बिहार सरकार ने केजी से पीजी तक छात्राओं के निःशुल्क पढ़ाई की घोषणा किया था। लेकिन वह सिर्फ घोषणा बनकर रह गया, बेगूसराय में छात्राओं के लिए एकमात्र कॉलेज महिला कॉलेज में पीजी की पढ़ाई नहीं हो रही है, यह सभी मुद्दा जिला सम्मेलन में उठाया जाएगा। नगर मंत्री दिव्यम कुमार ने कहा कि जिला सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने के लिए सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता लगे हुए हैं। प्रचार-प्रसार, दीवार लेखन, नुक्कड़ सभा, पर्चा वितरण आदि कार्यक्रम चलाया जा रहा है। मौके पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य आदित्य कुमार एवं कमल कश्यप ने कहा जिला सम्मेलन में भाग लेने आ रहे राष्ट्रीय महामंत्री का जोरदार स्वागत करने के लिए सैकड़ों की संख्या में मोटरसाइकिल सहित अन्य वाहन आदि की व्यवस्था की गई है। जिला सम्मेलन को सफल बनाने के लिए विभिन्न तरह की समितियां बनाई गई हैं।

लाचार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपमानित करवा रहे हैं सनातन धर्म को : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि बिहार के लाचार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अनर्गल बयान देने वाले मंत्रियों और महागठबंधन के नेताओं पर कार्रवाई करें। अगर अपमान नहीं रुका तो सनातन धर्मावलंबियों का आक्रोश रोकना बिहार सरकार के लिए मुश्किल हो जाएगा। शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र बेगूसराय में आयोजित प्रेसवार्ता में गिरिराज सिंह ने कहा कि महागठबंधन के नेता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के संरक्षण में हिंदुओं को, हिंदुओं के महान ग्रंथ को अपमानित कर रहे हैं और मुख्यमंत्री लाचार की तरह चुपचाप बैठे हुए हैं। वह अपने पद पर बने रहने के लिए लिए धृतराष्ट्र की भूमिका में बिहार को बदनाम और बर्बाद कर रहे हैं, धार्मिक उन्माद फैला रहे हैं। कल महागठबंधन के एक नेता ने कहा है कि बिहार को हम कर्बला बना देंगे, यह वक्तव्य बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। भारत का दुर्भाग्य रहा कि आबादी के समय जब बंटवारा किया गया तो उसी समय मुस्लिमों की पूरी आबादी को ट्रांसफर नहीं किया गया। अगर उसी समय सभी मुसलमान को पाकिस्तान भेज दिया जाता और हिंदुओं को हिंदुस्तान में ले आया जाता तो आज बिहार और भारत में कोई कर्बला का मैदान बनाने, सर तन से जुदा करने की बात नहीं करता। जो लोग कर्बला बनाने की बात करते हैं, उन्हें याद रहे कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लाचार हो सकते हैं। लेकिन बिहार का बहुसंख्यक सनातनी अपने आस्था पर चोट को बर्दाश्त नहीं करेगा। हमारी आस्था को लाचारी समझ रहे हैं तो यह उनकी भूल है। सरकार इसका खंडन करे, ऐसे बोलने वालों पर रोक नहीं लगा तो बहुसंख्यक बहुमत समाज का आक्रोश नहीं दबा सकेगी। अब तो हालत यह हो गया है कि मधेपुरा में इंजीनियरिंग कॉलेज में सरस्वती की प्रतिमा स्थापित करने पर रोक लगा दिया गया है। क्या बिहार पाकिस्तान, बांग्लादेश, ईरान या इस्लामिक देश हो गया है कि सिर्फ फोटो लगाकर पूजा करें। मुख्यमंत्री वोट के सौदागर बन रहे हैं। उन्हें याद रहे कि सरस्वती विद्या की देवी है, राज्य और देश भर में उनका पूजन होता है, फिर यहां क्यों नहीं करने देंगे। यह लोग बिहार को पाकिस्तान बना देना चाहते हैं, लेकिन इस हरकत पर किसी की जुबान नहीं खुलती है। जदयू के नेता हनुमान मंदिर में जाकर दिखावा के लिए रामचरितमानस का पाठ करते हैं और हालत यह है कि मुख्यमंत्री की बात मंत्री भी नहीं सुनता है। रोज नया बयान आ रहा है, हिम्मत है तो हिंदुओं के महान ग्रंथ रामायण पर किए गए टिप्पणी की तरह मुसलमानों के ग्रंथ कुरान पर टिप्पणी करके देख लें। वोट के सौदागरों की सरकार अति की सीमा पार नहीं करे, सामाजिक सौहार्द को नहीं बिगाड़े। विकास पर तो ध्यान नहीं है। उन्होंने कहा कि बेगूसराय में सात सौ करोड़ की लागत से आईटी क्लस्टर बनना था। लेकिन सरकार एवं प्रशासन की उदासीनता से मार्च में वह लौट जाएगा। इसके लिए हमने पत्र लिखा तो कोई जवाब नहीं दिया गया। भारत सरकार के आईटी सचिव ने पहल की, उस पर भी कोई जवाब नहीं दिया गया। बेगूसराय में हवाई अड्डा के पुनर्निर्माण और हवाई सेवा शुरू करने के लिए कोई पहल नहीं कर रही है। हमारी कोशिश पर भारत सरकार यहां से हवाई सेवा शुरू करने के लिए तैयार हैं। डीएम से ब्यौरा मांगा गया है, लेकिन राज्य सरकार और जिला प्रशासन सहयोग नहीं कर रही है। गिरिराज सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार की हठधर्मिता के कारण शराब नीति विफल हो गया है। जैसे भगवान दिखते कहीं नहीं और हैं सब जगह, उसी तरह बिहार में हर जगह शराब मिल रहा है, लेकिन मुख्यमंत्री को दिखता नहीं है, जहरीली शराब से लोग मर रहे हैं। शराब के अलावे बिहार पंजाब के बाद ड्रग का बड़ा हब बन गया है। हर जिला में ड्रग माफिया का जाल फैल गया है, मुख्यमंत्री कदम नहीं उठाएंगे तो पंजाब की तरह ही बिहार हो जाएगा, यहां नेपाल के रास्ते ड्रग्स आ रहा है। गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी को समझ नहीं है कि वे पूर्वज किसको मानते हैं, पिताजी के दादाजी के अंश को मानते हैं या नेहरू के अंश को। कश्मीर में राहुल गांधी के स्वागत की तैयारी कांग्रेस के साथ-साथ महबूबा मुफ्ती ने किया है। जिसने कहा था जम्मू कश्मीर से धारा-370 हटाने के बाद यहां तिरंगा उठाने वाला नहीं बचेगा। राहुल गांधी की पूरी यात्रा टुकड़े-टुकड़े गैंग को जोड़ने वाला रहा और समापन भी आतंकवादियों के समर्थक महबूबा मुफ्ती के साथ मिलकर हो रहा है। बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री पर अंधविश्वास फैलाने का आरोप लगाए जाने पर गिरिराज सिंह ने कहा कि भारत के सनातन परंपरा में कई महापुरुष हुए हैं, जिन्हें ऐसी चीजों को करने का सामर्थ्य रहा है। किसी के समर्थकों को विज्ञान के तथ्य पर देखे बिना अंधविश्वास कहना उचित नहीं होगा। इससे पहले गिरिराज सिंह ने टाउनशिप गेस्ट हाउस में आमजन और कार्यकताओं के साथ संवाद किया। इस दौरान उनकी समस्याओं को सुनकर समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

संपादकीय

बेटी बचाओ, कुश्ती बचाओ

विनेश फोगाट अपने भार-वर्ग में विश्व चैम्पियन पहलवान हैं। उन्होंने एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल मुकाबलों में भी स्वर्ण पदक जीते हैं। साक्षी मलिक रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता कुश्तीबाज हैं। बजरंग पूनिया विश्व के सर्वश्रेष्ठ पहलवान रहे हैं और टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदकवीर हैं। विश्व चैम्पियनशिप में कई पदक जीत चुके हैं। रवि दहिया भी टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता पहलवान हैं। दीपक पूनिया और अंशु मलिक सरीखे युवा भी पदकवीर हैं। यह सूची और भी लंबी हो सकती है। इन खिलाडियों ने वैश्विक खेल मंचों पर भारत का 'तिरंगा' लहराया है और राष्ट्रगान 'जन, गण, मन' की गूंज पर देश को गौरवान्वित किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इन पदकवीर पहलवानों को देश की आन, बान, शान माना और उनका अभिनंदन भी किया। एक मुलाकात के दौरान विनेश फोगाट ने प्रधानमंत्री को कुछ 'ब्रीफ' किया था। शायद उन्हें याद होगा! ये खिलाड़ी खेल रत्न, अर्जुन अवार्ड और अन्य सम्मानों से अलंकृत किए गए हैं। वे देश के आम आदमी नहीं हैं। ऐसे कई पहलवानों को राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना देना पड़ा, तो यह शर्मनाक कलंक की बात है। कुछ बेटी पहलवानों ने कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष एवं छह बार के निर्वाचित भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह समेत कोच, स्टाफ पर यौन शोषण के संगीन, गंभीर आरोप लगाए हैं। ऐसे आरोप सिर्फ बेटी पहलवानों ने ही नहीं, बल्कि नाविक, हैंडबॉल, साइकिल और अन्य खेलों के खिलाडियों ने भी लगाए थे। उनमें से कुछ ने आत्महत्या तक कर ली। ज्यादातर ने खेल ही छोड़ दिया। ये सभी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी थे, जिन्हें 'यौन समझौतों' के लिए विवश किया जाता रहा। भारत कोई खेल-सम्पन्न देश नहीं है। ओलंपिक में लंबे समय तक हम खाली हाथ ही लौटते रहे। अब बैडमिंटन, भारोत्तोलन, मुक्केबाजी, निशानेबाजी और कुश्ती में कुछ होनहार बेटियों ने देश के लिए पदक और सम्मान अर्जित किए हैं, तो बंद कमरों के यौन उत्पीडन सार्वजनिक हो रहे हैं। ऐसे आरोप हवा-हवाई नहीं होते। यदि पदकवीर पहलवान आज सडक़ पर धरना-प्रदर्शन को विवश हुए हैं, तो कमोबेश सरकार के स्तर पर तुरंत हस्तक्षेप किया जाना चाहिए था। महज आश्वासन देने के ये राजनेता आदी रहे हैं, लेकिन सरेआम एक खेल और पदकवीर खिलाडियों को बर्बाद होते नहीं देखा जा सकता। प्रधानमंत्री इन खिलाडियों की एक-एक गतिविधि, जीत-हार, उपलब्धि पर फोन करके उनकी पीठ थपथपाते रहे हैं। अपने आवास पर आमंत्रित कर प्रोत्साहित और सम्मानित करते रहे हैं। आज जब हम यह आलेख लिख रहे हैं, तो धरने का तीसरा दिन है, लेकिन प्रधानमंत्री ने एक फोन करके खिलाडियों की पीड़ा और उनके दर्द को समझने की कोशिश नहीं की है। लगातार खामोश रहे हैं, क्योंकि कीचड़ भाजपा सांसद पर गिरा है। अलबत्ता खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से संवाद होता रहा है, लेकिन निष्कर्ष कितनी दूर है? बहरहाल यदि पहलवान एक दिन भी अभ्यास, प्रशिक्षण आदि को छोड़ दे, तो वह औसतन 9 दिन पिछड़ जाता है। जाहिर है कि इतने में ही पदक के फिसलने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। धरने पर बैठे कुश्तीबाजों ने तब तक नहीं खेलने की चुनौती दी है, जब तक 'यौन अपराध' के आरोपित अध्यक्ष को बर्खास्त नहीं किया जाता और कुश्ती महासंघ को भंग नहीं किया जाता। इसमें तुरंत फैसला करने में दिक्कत क्या है? जांच हो जाने दो, नेताजी फिर कुर्सी पर विराजमान हो सकते हैं। भारतीय घटनाक्रम पर वैश्विक कुश्ती महासंघ की भी निगाहें टिकी हैं। महान धाविका पीटी उषा की अध्यक्षता वाले राष्ट्रीय ओलंपिक संघ को भी तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए। ध्यान यह भी रखना चाहिए कि भारत ने अभी तक ओलंपिक में कुल 35 पदक जीते हैं, जिनमें से 7 पदक पहलवानों के हुनर ने हासिल किए हैं। राष्ट्रमंडल खेलों में हमने 564 पदक जीते हैं, उनमें से 115 पदक कुश्ती के हिस्से के हैं। अब यह मामला हरियाणा बनाम उप्र का नहीं है। यह शोषण की पराकाष्ठा है कि विनेश को कहना पड़ा कि हिंदुस्तान में कोई बेटी ही पैदा न हो।

भारत कोई खेल-सम्पन्न देश नहीं है। ओलंपिक में लंबे समय तक हम खाली हाथ ही लौटते रहे। अब बैडमिंटन, भारोत्तोलन, मुक्केबाजी, निशानेबाजी और कुश्ती में कुछ होनहार बेटियों ने देश के लिए पदक और सम्मान अर्जित किए हैं, तो बंद कमरों के यौन उत्पीडन सार्वजनिक हो रहे हैं। ऐसे आरोप हवा-हवाई नहीं होते। यदि पदकवीर पहलवान आज सडक़ पर धरना-प्रदर्शन को विवश हुए हैं, तो कमोबेश सरकार के स्तर पर तुरंत हस्तक्षेप किया जाना चाहिए था। महज आश्वासन देने के ये राजनेता आदी रहे हैं, लेकिन सरेआम एक खेल और पदकवीर खिलाडियों को बर्बाद होते नहीं देखा जा सकता। प्रधानमंत्री इन खिलाडियों की एक-एक गतिविधि, जीत-हार, उपलब्धि पर फोन करके उनकी पीठ थपथपाते रहे हैं।

कुछ अलग

भाजपा की बारी, दक्षिण की सवारी

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह बीते दिनों कर्नाटक दौरे पर थे। राज्य के आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उनका यह दौरा बेहद महत्वपूर्ण रहा। इस दौरान उन्होंने ऐलान किया कि यहां भारतीय जनता पार्टी मैदान में अकेले उतरेगी और उनका इरादा दो तिहाई बहुमत हासिल करना है। गौरतलब है कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर कयास लगाए जा रहे थे कि यहां भारतीय जनता पार्टी, जनता दल (सेक्युलर) और कांग्रेस के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होगा। हालांकि यह माना जा रहा था जनता दल (सेक्युलर से भाजपा का गठजोड़ हो सकता है। मगर अब साफ है कि भाजपा अपने बूते जनता की अदालत में जाएगी। अमित शाह ने भाजपा के लिए कर्नाटक को दक्षिण भारत का प्रवेश द्वार घोषित किया है। उनके इस कथन के बाद दक्षिण भारत में भाजपा के दायरे को लेकर एक बार फिर से नया विमर्श शुरू हो गया है। कई मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश जैसे दक्षिणी राज्यों में अपना पैर जमाने के लिए कई अनुभवी कार्यकर्ताओं को तैनात करने का फैसला किया है। इन राज्यों में लोकसभा सीटों की संख्या 50 से भी अधिक है। इस कड़ी में बीते दिनों हैदराबाद में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था। यह एक ऐसी योजना है, जिससे भाजपा को विधानसभा के अलावा 2024 के लोकसभा चुनाव में सीधा फायदा मिलेगा और यदि पार्टी वास्तव में इस चुनाव में एक नया कीर्तिमान स्थापित करना चाहती है तो उसे दक्षिण भारतीय राज्यों में उम्मीदों के अनुरूप प्रदर्शन करना होगा। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमित शाह यह भली भांति समझते हैं कि यदि उन्हें दक्षिण भारतीय दिलों में अपनी एक चिर स्थायी जगह बनानी है, तो उत्तर भारत से सांस्कृतिक और भाषायी रूप से जोड़ना ही होगा। एक दौर ऐसा था, जब दक्षिण भारत खुद को कटा हुआ महसूस करता था। लेकिन बीते 8 वर्ष में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने अथक प्रयासों से पूरे राष्ट्र को एकसूत्र में पिरोया है और आज लोगों के दिलों में उप-राष्ट्रवाद के स्थान पर राष्ट्रवाद ने अपना घर बना लिया है। इसके हमने कई उदाहरण देखे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने दक्षिण भारतीय राज्यों में अपने दायरे को एक नया आयाम देने के लिए 'ट्रिपल सी' की रणनीति अपनाई है, जिसकी व्यापक परिभाषा - सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रतीकों को पुनर्जीवित करना, विभिन्न क्षेत्रों के लोकप्रिय हस्तियों को पार्टी में शामिल कर जनमानस के बीच अपनी विश्वसनीयता स्थापित करना और जमीनी स्तर पर अपनी सांगठनिक क्षमता को सुदृढ़ करना है। आंकड़े बताते हैं कि आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना और केंद्र शासित प्रदेश पुद्दुचेरी जैसे दक्षिण भारतीय राज्यों में कुल 130 लोकसभा सीटें हैं। यहां भाजपा ने 2014 के लोकसभा चुनाव में 21 सीटों पर, जबकि बीते लोकसभा चुनाव में 29 सीटों पर जीत हासिल की थी। इससे साफ है कि इस क्षेत्र में भाजपा की स्वीकार्यता दिनों-दिन बढ़ रही है और पार्टी यह धारणा भी तोड़ने में सफल हो रही है, भाजपा एक उत्तर भारतीय पार्टी है। वास्तव में, दक्षिण भारतीय राज्यों में भाजपा के सामने एक खुला मैदान है। उसके सामने संभावनाओं की कोई कमी नहीं है। पार्टी मोदी-योगी मॉडल के सहारे इन राज्यों में एक नई ऊंचाई हासिल कर सकती है और अपनी जन-कल्याणकारी नीतियों से कांग्रेस और वाम दलों का अंत कर सकती है। इसके फलस्वरूप देश में परिवारवाद, जातिवाद और ध्रुवीकरण की राजनीति का भी अंत होगा। हालांकि, भाजपा के लिए यह एक अग्निपथ है। लेकिन हम जानते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह के कुशल नेतृत्व में कुछ भी असंभव नहीं।

बढ़ती खाई को लेकर पूरी दुनिया में एक नई बहस छिड़ी

चिंताजनक स्तर तक बढ़ती अमीरी-गरीबी की खाई

योगेश कुमार गोयल

भारत के 21 सबसे अमीर अरबपतियों के पास इस समय देश के 70 करोड़ लोगों से भी ज्यादा धन-दौलत है और वर्ष 2021 में भारत की कुल संपत्ति में से 62 फीसदी हिस्से पर देश के केवल 5 प्रतिशत लोगों का ही कब्जा था जबकि भारत की निचले तबके की बहुत बड़ी आबादी का देश की केवल तीन फीसदी सम्पत्ति पर ही कब्जा रहा। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 2020 में अरबपतियों की संख्या 102 थी, जो 2022 में 166 पर पहुंच गई पिछले साल नवम्बर तक भारतीय अरबपतियों की सम्पत्ति में 121 फीसदी तक बढ़ोतरी देखी गई। एक ओर जहां आम आदमी कोरोना महामारी के दौर में पेट भरने का जुगाड़ करने के लिए संसाधन जुटाने को तरसता रहा, नौकरी संबंधी समस्याओं का सामना करता रहा, वहीं उस दौर में भी भारत के अरबपतियों की दौलत में प्रतिदिन 3608 करोड़ रुपये प्रतिदिन बढ़े।

दुनियाभर में अमीरी और गरीबी के बीच खाई निरन्तर बढ़ती जा रही है, जो कोरोना काल के बीच और तेजी से बढ़ी है। इसी बढ़ती खाई को लेकर पूरी दुनिया में एक नई बहस छिड़ी है। गरीबी उन्मूलन के लिए कार्यरत संस्था ऑक्सफैम इंटरनेशनल की वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक से ठीक पहले आई रिपोर्ट 'सर्वाइवल ऑफ द रिचेस्टः द इंडिया स्टोरी' में इसे लेकर कई चौंका देने वाले खुलासे किए गए हैं। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत के 21 सबसे अमीर अरबपतियों के पास इस समय देश के 70 करोड़ लोगों से भी ज्यादा धन-दौलत है और वर्ष 2021 में भारत की कुल संपत्ति में से 62 फीसदी हिस्से पर देश के केवल 5 प्रतिशत लोगों का ही कब्जा था जबकि भारत की निचले तबके की बहुत बड़ी आबादी का देश की केवल तीन फीसदी सम्पत्ति पर ही कब्जा रहा। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 2020 में अरबपतियों की संख्या 102 थी, जो 2022 में 166 पर पहुंच गई पिछले साल नवम्बर तक भारतीय अरबपतियों की सम्पत्ति में 121 फीसदी तक बढ़ोतरी देखी गई। एक ओर जहां आम आदमी कोरोना महामारी के दौर में पेट भरने का जुगाड़ करने के लिए संसाधन जुटाने को तरसता रहा, नौकरी संबंधी समस्याओं का सामना करता रहा, वहीं उस दौर में भी भारत के अरबपतियों की दौलत में प्रतिदिन 3608 करोड़ रुपये प्रतिदिन बढ़े। ऑक्सफैम की इस रिपोर्ट में पिछले दस वर्षों में देश में पैदा हुई सम्पत्ति के गैर-बराबर बंटवारे के मुद्दे को भी उठाते हुए कहा गया है कि 2012 से 2021 के बीच भारत में जितनी भी संपत्ति अस्तित्व में आई, उसका 40 प्रतिशत हिस्सा देश के सबसे अमीर एक फीसदी लोगों के हाथ में गया जबकि 50 फीसदी जनता के हाथ में केवल तीन फीसदी सम्पत्ति ही आई। रिपोर्ट के अनुसार भारत के 100 सबसे अमीर लोगों की सम्पत्ति 54.12 लाख करोड़ रुपये के पार जा चुकी है, जिससे 18 महीनों तक देश का पूरा बजट चलाया जा सकता है। यही कारण है कि सरकार को सलाह दी जाती रही है कि यदि भारतीय अरबपतियों की कुल सम्पत्ति पर महज दो फीसदी टैक्स ही लगा दिया जाए तो उसी से आगामी तीन वर्षों तक कुपोषण के शिकार बच्चों की सभी जरूरतों को बहुत आसानी से पूरा किया जा सकता है। 1980 के दशक की शुरूआत में एक फीसदी

धनाढ़यों का देश की कुल आय के छह फीसदी हिस्से पर ही कब्जा था लेकिन बीते वर्षों में यह लगातार बढ़ता गया है और तेजी से बढ़ी आर्थिक असमानता के कारण स्थिति बिगड़ती गई है। वैसे तो पिछले कुछ वर्षों से लगातार यह तथ्य सामने आ रहे हैं कि देश की आधी सम्पत्ति देश के चंद अमीरों की तिजोरियों में बंद है और अमीर-गरीब के बीच खाई निरन्तर गहरी हो गई है लेकिन बढ़ती आर्थिक असमानता को लेकर स्थिति अब और भी बदतर होती जा रही है और यह केवल भारत की ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया की समस्या है। कटु सत्य यही है कि महामारी के दौर में तो अमीर जहां और ज्यादा अमीर हुए, वहीं गरीबों तथा मध्यम वर्ग का हाल और बुरा हुआ है तथा आर्थिक विषमता चिंताजनक स्थिति तक बढ़ गई है। ऑक्सफैम की रिपोर्ट में पहले भी कहा जा चुका है कि अमीर लोग महामारी के समय में आरामदायक जिंदगी का आनंद ले रहे थे जबकि स्वास्थ्य कर्मचारी, दुकानों में काम करने वाले और विक्रेता जरूरी भुगतान करने में असमर्थ थे और इस परिस्थिति से निकलने में वर्षों लग सकते हैं। ऑक्सफैम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ बेहर के मुताबिक रिपोर्ट से स्पष्ट है कि अन्यायपूर्ण आर्थिक व्यवस्था से किस तरह सबसे बड़े आर्थिक संकट के दौरान सबसे धनी लोगों ने बहुत अधिक सम्पत्ति अर्जित की जबकि करोड़ों लोग बेहद मुश्किल से गुजर-बसर कर रहे हैं। ऑक्सफैम की पिछले साल की रिपोर्ट में भी कहा गया था कि यदि कोरोना के कुबेरों से वसूली होती तो देश में आर्थिक असमानता को लेकर स्थिति इतनी खराब नहीं होती। इससे पूर्व 'रिफ्यूजी इंटरनेशनल' की एक रिपोर्ट में भी खुलासा हुआ था कि कोरोना महामारी ने दुनियाभर में 16 करोड़ से भी ज्यादा ऐसे लोगों के रहने का ठिकाना छीन लिया, जो भुखमरी, बेरोजगारी तथा आतंकवाद के कारण अपने घर या देश छोड़कर दूसरी जगहों पर बस गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक कोरोना महामारी सामाजिक असमानताओं को और उभार रही है। संयुक्त राष्ट्र और डेनवर विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में भी कहा जा चुका है कि महामारी के दीर्घकालिक परिणामों के चलते वर्ष 2030 तक 20.7 करोड़ और लोग बेहद गरीबी की ओर जा सकते हैं और यदि ऐसा हुआ तो दुनियाभर में बेहद गरीब लोगों की संख्या एक अरब को पार कर जाएगी। विश्व खाद्य कार्यक्रम के एक आकलन के अनुसार दुनियाभर में 82 करोड़ से भी ज्यादा लोग हर रात भूखे सोते हैं और बहुत जल्द 13 करोड़ और लोग भुखमरी तक पहुंच सकते हैं। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) की 'स्टेट ऑफ इंडियाज एनवायरनमेंट इन फिगर्स 2020' रिपोर्ट में कहा गया था कि कोरोना से वैश्विक गरीबी दर में 22 वर्षों में पहली बार बढ़ोतरी होगी और भारत की गरीब आबादी में 1.2 करोड़ लोग और जुड़ जाएंगे, जो दुनिया में सर्वाधिक हैं। विश्व के कई अन्य देशों के साथ भारत में भी बढ़ती आर्थिक असमानता बेहद चिंताजनक है क्योंकि बढ़ती विषमता का दुष्प्रभाव देश के विकास और समाज पर दिखाई देता है और इससे कई तरह की सामाजिक और राजनीतिक विसंगतियां भी पैदा होती हैं। करीब दो वर्ष पहले भी यह तथ्य सामने आया था कि भारत के केवल एक फीसदी सर्वाधिक अमीर लोगों के पास ही देश की कम आय वाली 70 फीसदी आबादी की तुलना में चार गुना से ज्यादा और देश के अरबपतियों के पास देश के कुल बजट से भी ज्यादा सम्पत्ति है। विश्व आर्थिक पत्रिका 'फोर्ब्स' की अरबपतियों की सूची में सौ से भी ज्यादा भारतीय हैं जबकि तीन दशक पहले तक इस सूची में एक भी भारतीय नाम नहीं होता था। हालांकि देश में अरबपतियों की संख्या बढ़ना हर भारतीय के लिए गर्व की बात होनी चाहिए लेकिन गर्व भी तभी हो सकता है, जब इसी अनुपात में गरीबों की आर्थिक सेहत में भी सुधार हो। ऑक्सफैम की हालिया रिपोर्ट में मांग की गई है कि धनी लोगों पर उच्च सम्पत्ति कर लगाते हुए श्रमिकों के लिए मजबूत संरक्षण का प्रबंध किया जाए।

आबादी के खतरों को अनदेखा कर रहे दल

भारत इस साल चीन को पीछे छोड़ते हुए विश्व में सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन जाएगा। चीन की 1.426 अरब की तुलना में भारत की जनसंख्या 2022 में 1.412 अरब है। अनुमान लगाया जा रहा है कि 2050 में भारत की जनसंख्या 1.668 अरब हो जाएगी जो चीन की उस समय की वर्तमान जनसंख्या से 1.317 अरब ज्यादा होगा। आबादी बढ़ने की देश को भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। सुरसा के मुंह की तरह बढ़ रही जनसंख्या के कारण देश गंभीर रूप से बेकारी और गरीबी जैसी समस्याओं से लंबे अर्से से त्रस्त है। देश के प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ती आबादी का जबरदस्त दबाव पड़ रहा है। 130 करोड़ की आबादी के लिए गुणवत्ता युक्त सुविधाएं तो दूर बुनियादी सुविधाएं जुटाने के लिए ही सरकारों के पसीने छूट रहे हैं। सीमित आर्थिक संसाधनों से केंद्र और राज्य सरकारें जन कल्याणकारी योजनाओं के लिए बजट में इंतजाम करने के लिए हर बार जूझती हैं। विश्व की कुल जनसंख्या का 17.5 प्रतिशत जनसंख्या भारत में निवास करती है, किन्तु भारत के पास पृथ्वी के धरातल का मात्र 2.4 प्रतिशत भू भाग ही है।

देश के राजनीतिक दल वोट बैंक की राजनीति के नुकसान-फायदे के लिए आबादी की सुनामी के खतरों को अनदेखा कर रहे हैं। विश्व में अभी तक चीन जनसंख्या वृद्धि के मामले में सर्वोपरि था। चीन ने कठोर नीति से जनसंख्या को नियंत्रित करते हुए वृद्धि दर में लगाम लगा दी। चीन ने 1980 में वन चाइल्ड पॉलिसी को लॉन्च किया था। चीन में पिछले साल 2022 के अंत में 1.41 अरब लोग थे जो 2021 के अंत की तुलना में 850000 कम थे। इसके विपरीत भारत में जनसंख्या वृद्धि बेलगाम है। भारत इस साल चीन को पीछे छोड़ते हुए विश्व में सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन जाएगा। चीन की 1.426 अरब की तुलना में भारत की जनसंख्या 2022 में 1.412 अरब है। अनुमान लगाया जा रहा है कि 2050 में भारत की जनसंख्या 1.668 अरब हो जाएगी जो चीन की उस समय की वर्तमान जनसंख्या से 1.317 अरब ज्यादा होगा। आबादी बढने की देश को भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। सुरसा के मुंह की तरह बढ़ रही जनसंख्या के कारण देश गंभीर रूप से बेकारी और गरीबी जैसी समस्याओं से लंबे अर्से से त्रस्त है। देश के प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ती आबादी का जबरदस्त दबाव पड़ रहा है। 130 करोड़ की आबादी के लिए गुणवत्ता युक्त सुविधाएं तो दूर बुनियादी सुविधाएं जुटाने के लिए ही सरकारों के पसीने छूट रहे हैं। सीमित आर्थिक संसाधनों से केंद्र और राज्य सरकारें

जन कल्याणकारी योजनाओं के लिए बजट में इंतजाम करने के लिए हर बार जूझती हैं। विश्व की कुल जनसंख्या का 17.5 प्रतिशत जनसंख्या भारत में निवास करती है, किन्तु भारत के पास पृथ्वी के धरातल का मात्र 2.4 प्रतिशत भू भाग ही है। जनसंख्या वृद्धि की वज़ह से गरीबी, भूख और कुपोषण की समस्या को प्रभावी ढंग से दूर करने और बेहतर स्वास्थ्य एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में बाधा आ रही है। स्थिर जनसंख्या वृद्धि के लक्ष्य के मामले में बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश, झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्य पिछड़े हुए हैं। देश में लैंगिक अनुपात में गिरावट और लड़कियों के प्रति भेदभाव काफी अधिक है। देश में करोड़ों लोगों के पास आज भी रहने का स्थायी ठिकाना नहीं है। दुनिया की सबसे अधिक मलिन बस्तियां भारत में ही हैं। दिन प्रतिदिन पैट्रोलियम पदार्थों, रसोई गैस, भोजन सामग्री या अन्य वस्तुओं के मूल्य बढ़ते जा रहे हैं। सभी का मूल कारण जनसंख्या का दबाव है। भारत में जनसंख्या नियंत्रण के लिए परिवार नियोजन योजना कारगर साबित नहीं हो सकी। विगत दिनों जनसंख्या नियंत्रण के लिए प्रभावी कानून लाए जाने की मांग वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए खारिज कर दी कि यह कोर्ट का काम नहीं है। ये नीतिगत मसला है। अगर सरकार को जरूरत लगेगी तो सरकार फैसला करेगी। केंद्र में रही सरकारों ने जनसंख्या नियंत्रण के लिए सिर्फ चिंता करने के अलावा कभी गंभीर प्रयास नहीं किए। वोट बैंक की राजनीति इस मुद्दे पर भी हावी रही है। यही वजह है कि राजनीतिक दल इस मुद्दे पर कठोर उपाय करने से बचते रहे हैं। जनसंख्या के बढने से जैविक ईंधनों की खपत बढ़ गई है। अब स्थिति यहां तक आ गई है कि न तो प्राकृतिक रूप से शुद्ध वायु उपलब्ध है और न ही जल और भोजन इत्यादि। पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए भूमि पर कम से कम 33 प्रतिशत भूभाग पर वनों का विस्तार होना अति आवश्यक है। भारत में 15वीं भारत वन स्थिति रिपोर्ट के अनुसार कुल वनावरण एवं वृक्षावरण 802088 वर्ग किलोमीटर है। देश में कुल वनावरण 708273 वर्ग किलोमीटर है जो कि कुल भौगोलिक क्षेत्र का मात्र 21.54 प्रतिशत है। इसी तरह से जल संसाधन (धरातलीय, भूमिगत), वायु संसाधन, मृदा संसाधन, खनिज संसाधन इत्यादि का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है। धरातल के अंदर दबे खनिज पदार्थों का दोहन करके पृथ्वी को खोखला करने, प्राकृतिक नदियों पर विनाशकारी बांध का निर्माण करने, पर्वतों की चट्टानों को तोड़-तोड़ कर गगनचुम्बी इमारतों, उद्योगों, संचार के साधनों का निर्माण करने, वनों का विनाश करके मानव बस्तियां बसाई गयी हैं। कृषि योग्य भूमि का विकास किया गया है जिससे धरातल पर असंतुलन उत्पन्न हो गया है। इन सभी कारणों से प्राकृतिक आपदाएं (भूकंप, बाढ़, सूखा, अतिवृष्टि, चक्रवात, वैश्विक तापन, सुनामी, ज्वालामुखी इत्यादि) की बारम्बारता का प्रतिशत बढ़ गया है। उत्तराखंड के जोशीमठ में आई प्राकृतिक आपदा के पीछे भी ऐसे ही मानव जनित कारण रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की द वल्र्ड पॉपुलेशन प्रोस्पेक्ट्स 2019 की रिपोर्ट के एक अनुमान के अनुसार भारत में युवाओं की बड़ी संख्या मौजूद होगी, लेकिन आवश्यक प्राकृतिक संसाधनों के अभाव में इतनी बड़ी आबादी की आधारभूत आवश्यकताओं जैसे भोजन, आश्रय, चिकित्सा और शिक्षा को पूरा करना भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी। उच्च प्रजनन दर, बुजुर्गों की बढ़ती संख्या और बढ़ते प्रवासन को जनसंख्या वृद्धि के कुछ प्रमुख कारणों के रूप में बताया गया है। यूएन की एक तंज़ीम वल्र्ड फूड प्रोग्राम के मुताबिक एक तरफ जहां दुनिया की आबादी 8 अरब का आंकड़ा पार कर चुकी है, तो वहीं दूसरी तरफ रोजाना करीब 83 करोड़ लोग खाली पेट सोने को मजबूर हैं। यही नहीं, साल 2019 में जहां करीब 13.5 करोड़ लोग गंभीर अनाज संकट का सामना कर रहे थे, अर्थात भुखमरी जैसे हालात का सामना कर रहे थे। तीन साल के अंदर यह आंकड़ा बढ़ कर करीब साढ़े 34 करोड़ तक पहुंच गया है। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में जितने लोग इसका सामना कर रहे हैं, उसमें करीब दो तिहाई यानी 66 फीसदी लोग अफ्रीका से हैं, और कोरोना के बाद इसमें और इजाफा हुआ है। संयुक्त राष्ट्र के 2019 के वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार इस समय पूरी दुनिया में कुल 1.3 अरब गरीब हैं जिसमें से भारत में 64 करोड़ से घटकर 37 करोड़ रह गए हैं। नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस की रिपोर्ट में यह कहा गया है कि भारत में बेरोजगारी दर 2017-18 में 45 साल के उच्च स्तर यानी 6.1 पर पहुंच गई है। मतलब रोजगार के लिए तैयार हरेक 100 व्यक्ति में से 6.1 व्यक्ति बेरोजगार हैं। देश में जनसंख्या वृद्धि विस्फोटक स्थिति में पहुंच चुकी है। सवाल यही है कि आखिर सरकारों की तंद्रा भंग कब होगी। बेहतर होगा कि राजनीतिक दल इस मुद्दे पर राजनीति करने के बजाय आपसी समन्वय से ऐसी राष्ट्रीय नीति बनाएं जिससे आबादी के बढ़ते संकट को रोका जा सके। अन्यथा भारत को चीन और पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों से जूझने के अलावा और कई तरह की घरेलू मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा। गरीबी, बेरोजगारी, भुखमरी, कुपोषण तथा कई अन्य समस्याएं भारत झेल रहा है।

देश दुनीया से

ओपीएस बहाली से वित्तीय प्रबंधन की चुनौती

प्रदेश में बनी नई सरकार ने अपने चुनावी घोषणा पत्र के अनुरूप ओपीएस फिर से शुरू करने के बारे नीतिगत निर्णय ले लिया है। यह एक ओर समाज में बड़े दबाव समूह को खुश कर गया है, वहीं दूसरी ओर सबको इस चिंता में भी डाल रहा है कि पेंशनों से बढ़ती देनदारियों को प्रदेश का सीमित राजस्व कैसे संभाले। ओपीएस को फिर से लागू करने वाले राज्यों की भांति बड़ा सवाल है कि पूर्व में जमा हुई योगदान अंश राशि को वापस करने बारे कुछ हल निकलेगा कि नहीं। हालांकि इस संदर्भ में वित्त राज्य मंत्री द्वारा लोकसभा में दिए उत्तर से फिलहाल कोई प्रगति नहीं दिखती क्योंकि पीएफआरडीए ने अंशदान के रूप में जमा राशि को लौटाने के किसी भी प्रावधान से इंकार किया है। जब तक यह विषय सुलझता नहीं, तब तक राज्यों को अपने राजस्व/ऋण पर ही निर्भर रहना होगा। फिलहाल लाभान्वित पेंशनरों और आम जनता को सरकार के इस बड़े दायित्व के प्रति संवेदनशील रहना होगा। अगर कुछ प्रयास राजस्व बढ़ाने की दिशा में हों या फिर कुछ मदों में खर्चों की कटौती के संदर्भ में। राज्य/देश की शासन/प्रशासन/सार्वजनिक व्यवस्था के अति महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील कार्यकलापों को ईमानदारी से आजीवन करने और वो भी बिना किसी अन्य व्यावसायिक गतिविधि में शामिल हो, पेंशन की सुनिश्चितता को आवश्यक बनाती रही हैं। बाज़ार की अनिश्चितता के हवाले लोकतंत्र की समूची कार्यपालिका की मशीनरी को नहीं किया जा सकता और यह तर्क कार्यकुशलता एवं भ्रष्टाचार के सन्दर्भ में और भी महत्वपूर्ण है। इस सदी के प्रारम्भ में जब देश में सरकारी क्षेत्र के बढ़ते बजट घाटे के बारे चिंता हुई तो वेतन, पेंशन और ऋण की देनदारियों को कम करने हेतु कठोर उपाय करने को सुझाया गया ताकि वित्तीय संकट से दूर रहा जाए। अनेक राज्यों की वित्तीय स्थिति काफी बिगड़ चुकी थी जहां हर बजट का बढ़ता राजकोषीय घाटा, राज्यों के कुल ऋणों को राज्य की आय (सकल राज्य घरेलु उत्पाद) के अनुपात में चिंताजनक स्तर तक ले जा रहा था। इसी कारण वर्ष 2000 में अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार देश में वित्तीय अनुशासन बनाने हेतु एक एक्ट लाई जो एफआरबीएम एक्ट 2003 के रूप में पारित हुआ। इस एक्ट के प्रभाव में ही कॉन्ट्रैक्ट भर्तियां और अंशदान आधारित राष्ट्रीय पेंशन योजना आरम्भ हुई। क्योंकि पहले की नियुक्तियां पुराने भर्ती एवं सेवा नियमों के तहत हुई थीं और उनकी पेंशन को निरस्त करना गैर कानूनी था, इसलिए वर्ष 1 जनवरी 2004 के बाद केंद्र ने और राज्य सरकारों ने भर्ती एवं पदोन्नति सेवा शर्तों को बदल सेना को छोड़ बाकी सभी कर्मचारियों व अधिकारियों को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के अधीन लाया। पश्चिम बंगाल को छोड़ सभी राज्यों ने इसे लागू कर लिया था। बाजार की अनिश्चितता के कारण और फंड के अकुशल प्रबंधन के कारण जब एक बहुत कम मात्रा के रूप में पेंशन मिलने लगी तो देश भर में एनपीएस के खिलाफ आवाज़ उठने लगी जिसे हिमाचल से पहले झारखंड, छत्तीसगढ़, राजस्थान और पंजाब में चुनाव दौरान महसूस किया और वहां इसके खात्मे और पुरानी पेंशन बहाली के वायदे ने सत्ता का रास्ता आसान किया। एफआरबीएम एक्ट 2003 अडॉप्ट करने में हिमाचल प्रदेश शुरुआती राज्यों में रहा जिसने एचपी एफआरबीएम एक्ट 2005 के रूप में पारित किया। इस एक्ट के अंतर्गत वित्तीय अनुशासन की ख़ातिर राज्यों को अपने बजट के राजकोषीय घाटे (ऋण) को राज्य के सकल घरेलु उत्पाद (राज्य की आय) के 3 फीसदी हिस्से तक ही सीमित रखने का लक्ष्य है। इसी तरह राजस्व घाटे तो शून्य तक ले जाने का लक्ष्य है। एफआरबीएम समीक्षा समिति की सिफारिश के मुताबिक राज्यों को अपने कुल ऋण राज्य के सकल घरेलु उत्पाद के 20 फीसदी स्तर के अंदर ही रखने चाहिए, अगर ऋण के चक्रव्यूह से बचना है तो। इसी संदर्भ में कैग और आरबीआई भी बार-बार आगाह करता आया है। इसी कड़ी में बढ़ती देनदारियों को ऋण लेने की वार्षिक सीमा भी एक बड़ी बाधा है।

ओपीएस को फिर से लागू करने वाले राज्यों की भांति बड़ा सवाल है कि पूर्व में जमा हुई योगदान अंश राशि को वापस करने बारे कुछ हल निकलेगा कि नहीं। हालांकि इस संदर्भ में वित्त राज्य मंत्री द्वारा लोकसभा में दिए उत्तर से फिलहाल कोई प्रगति नहीं दिखती क्योंकि पीएफआरडीए ने अंशदान के रूप में जमा राशि को लौटाने के किसी भी प्रावधान से इंकार किया है। जब तक यह विषय सुलझता नहीं, तब तक राज्यों को अपने राजस्व/ऋण पर ही निर्भर रहना होगा। फिलहाल लाभान्वित पेंशनरों और आम जनता को सरकार के इस बड़े दायित्व के प्रति संवेदनशील रहना होगा।

नागरिक बोध

आपदा जोखिम की जड़ें कहीं? अंकुर कहीं

प्राकृतिक आपदाएँ एक प्रमुख कारण हैं जो किसी राष्ट्र के जीवन और संपत्ति पर भारी बोझ का कारण बनते हैं। इसलिए आपदा के प्रभाव, उसके शमन और आपदा के प्रभावों को कम करने के लिए आवश्यक अन्य गतिविधियों के अध्ययन पर तत्काल ध्यान देना अनिवार्य है। आपदाएं मानव निर्मित और प्राकृतिक जन्म दोनों हो सकती हैं। मानव निर्मित आपदाओं में दंगे, युद्ध, परमाणु खतरे, खतरनाक अपशिष्ट आदि शामिल हैं। प्राकृतिक आपदाएं बाढ़, भूकंप, सुनामी, भूस्खलन, बादल फटने और आदि जैसे जलवायु कारकों और रोग, महामारी आदि जैसे जैविक कारकों के कारण हो सकती हैं। कुछ आपदाएँ सीधे प्रभावित करती हैं। और तत्काल प्रभाव पड़ता है और अन्य का दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है। किसी भी प्रकार की आपदा से हमेशा मानव जीवन और राज्य संपत्ति का भारी नुकसान होता है। जबकि कई आपदाओं में संपत्ति के विनाश को टालना संभव नहीं है लेकिन किसी भी आपदा में मानव जीवन को बचाया जा सकता है। आपदा घटनाओं की एक श्रृंखला है जो बड़े पैमाने पर जीवन, आजीविका और संपत्ति का विनाश करती है। जब आपदाएं अपरिहार्य हो जाती हैं, तो उनके जोखिम को कम करने की तैयारी के बारे में सोचना अनिवार्य हो जाता है। जैसा कि आम कहावत है, ‟रोकथाम इलाज से बेहतर है‟, यह न केवल जरूरी है बल्कि लचीलापन बनाने के लिए लाभदायक भी है, क्योंकि यह कम विनाश लाता है और यह आपदा के बाद राहत और पुनर्वास की तुलना में सस्ता है। आपदाएं मानव जाति के लिए एक विचार नहीं है। उन्होंने बाढ़, भूकंप, सुनामी, चक्रवात, कुछ नामों के लिए हर संभव रूप में अपनी नींव स्थापित की है। चाहे वह चीनी बाढ़ हो या फ्लोरिडा के चक्रवात, आपदा के निशान सीमाओं के पार हैं। इस संदर्भ में, मानव जाति के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वह प्रतिक्रिया से रोकथाम की ओर परिवर्तन करे। पहले, तकनीकी बाधाओं के कारण तैयारी स्थानीय समुदायों के पारंपरिक ज्ञान तक सीमित थी जिसे अब वर्तमान पीढ़ी के नवाचार और अनुसंधान के साथ ठीक से एकीकृत करने की आवश्यकता है। आपदा तैयारी के इस तंत्र को विश्व स्तर पर लिया गया है।

प्रदर्शनकारियों से निपटने के चक्कर में ऐतिहासिक बिल्डिंग जलाई : पेरू में वर्ल्ड हेरिटेज साइट के पास मौजूद इमारत का केवल मलबा बचा

लीमा।

दक्षिण अमेरिकी देश पेरू में राष्ट्रपति डीना बुलेर्तो के खिलाफ जारी प्रदर्शनों के बीच वहां की एक ऐतिहासिक इमारत का बड़ा हिस्सा जल कर खाक हो गया। ये इमारत 500 स्केवयर मीटर में फैली हुई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक नेशनल स्ट्राइक के दौरान राजधानी लीमा में हजारों लोग वर्ल्ड हेरिटेज साइट प्लाजा सैन मार्टिन के पास इकट्ठा होने लगे। ये प्रदर्शनकारी पुलिस के साथ झड़प कर रहे थे इसी दौरान ऐतिहासिक इमारत में आग लग गई।

पुलिस ने छोड़े आंसू गैस के गोले छोड़े तो आग लगी – लीमा में प्लाजा सैन मार्टिन के पास रहने वाले लोगों के मुताबिक ये आग पुलिस की ओर से छोड़े गए आंसू गैस के गोलों से लगी है। आग लगने के दौरान वहां मौजूद एक लड़के ने बताया कि जब पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले छोड़े तो उनमें से एक इस इमारत में भी जा गिरा जिसके बाद आग लगनी शुरू हो गई। पेरू में पूर्व राष्ट्रपति पेड्रो कास्तिला के समर्थकों और सिक्योरिटी फोर्सेज के बीच कई महीनों से हिंसक झड़प जारी है। अब तक 50 लोगों के मारे जाने की खबर है। दर्जनों लोग घायल बताए गए हैं। इनमें कई महिलाएं भी शामिल हैं।

हिंसक झड़प की वजह क्या – पेरू में करीब तीन साल से सियासी तनातनी चल रही है। ताजा मामला दिसंबर में शुरू हुआ। पूर्व राष्ट्रपति पेड्रो कास्तिला पर करप्शन और जबरदस्ती फैसले थोपने के आरोप लगे। कांग्रेस में उनका विरोध शुरू हुआ और इस्तीफे की मांग होने लगी। पेड्रो किसी कीमत पर इस्तीफे के लिए तैयार नहीं थे। विपक्ष ने उन्हें पद से हटाने के लिए महाभियोग लाने की तैयारी शुरू की। पेड्रो पहले भी इस तरह की कोशिशों को नाकाम कर चुके थे और उन्हें यकीन था कि इस बार भी अपोजिशन उन्हें कुर्सी से नहीं हटा पाएगी। संसद में 130 सदस्य थे और पेड्रो को कुर्सी बचाने के लिए आधे यानी 65 वोट्स की जरूरत थी। कांग्रेस में भले ही बड़े दल एकजुट थे, लेकिन कुछ छोटी पार्टियां पेड्रो के साथ थीं। बहरहाल, इस बार पेड्रो की सियासी चाल कामयाब नहीं हुई और संसद में उनके खिलाफ 101 वोट पड़े। पेड्रो को कुर्सी छोड़नी पड़ी। इसके बाद से उनके समर्थक नाराज हैं। कुर्सी छोड़ने के बाद डीना बुलेर्तो को नया राष्ट्रपति बनाया गया। हिंसा की धमकी देने वाले पेड्रो को गिरफ्तार कर लिया गया और यहीं से हिंसा शुरू हो गई। पेड्रो चाहते थे कि वो छोटे दलों के समर्थन से कांग्रेस यानी संसद को ही भंग कर दें, ताकि डीना राष्ट्रपति न बन सकें और देश में नए चुनाव हों। उनकी यह चाल भी नाकाम रही।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका ने वैगनर पीएमसी को आपराधिक संगठन करार दिया, अगले हफ्ते होंगी पाबंदियों की घोषणा

वाशिंगटन । अमेरिका ने शुक्रवार को वैगनर पीएमसी के खिलाफ बड़ा कदम उठाते हुए इसे पारंपरिक आपराधिक संगठन करार दिया है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने ब्रीफिंग में कहा कि येवगेनी प्रिगोझिन की सैन्य कंपनी के खिलाफ अतिरिक्त प्रतिबंध लगाए जाएंगे, जिसकी घोषणा अगले सप्ताह की जाएगी। व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिकी ट्रेजरी विभाग रूसी भाड़े के संगठन वैगनर ग्रुप को अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठन के रूप में नामित करेगा और समूह और इसके समर्थन नेटवर्क के खिलाफ अगले सप्ताह अतिरिक्त प्रतिबंध लगाएगा। सामरिक संचार के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के समन्वयक जॉन किर्बी ने ट्रेजरी विभाग की घोषणा से पहले शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा कि ये कार्रवाइयां वैगनर द्वारा पैदा की गई अंतरमहाद्वीपीय खतरे के मद्देनजर की गई हैं, जिसमें गंभीर आपराधिक गतिविधि के पैटर्न भी शामिल हैं। नए प्रतिबंधों के साथ अमेरिका ने नवंबर में दोबारा रूस से उत्तर कोरिया की यात्रा करने वाले रूसी रेलकार की नई तस्वीरें जारी की हैं, जिसमें अमेरिका का मानना है कि यूक्रेन में भाड़े के संगठन वैगनर ग्रुप द्वारा उपयोग के लिए पैदल सेना के रॉकेट और मिसाइलों की शुरुआती डिलीवरी थी। किर्बी ने कहा कि हालांकि अमेरिका को विश्वास नहीं है कि सैन्य उपकरणों ने यूक्रेन में युद्धक्षेत्र के हालात को बदल दिया है, अमेरिका को आशंका है कि उत्तर कोरिया से रूस को इस प्रकार की हथियार प्रणालियों की डिलीवरी जारी रहेगी। रूस भी ईरान से ड्रोन सहित उपकरण प्राप्त कर रहा है, क्योंकि युद्ध के दौरान उसकी सैन्य आपूर्ति कम हो गई है। किर्बी ने कहा कि उत्तर कोरिया से हथियारों का हस्तांतरण संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव का सीधा उल्लंघन है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, एक वरिष्ठ पश्चिमी खुफिया अधिकारी ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा कि पश्चिम निश्चित रूप से चिंतित है कि उत्तर कोरिया अधिक सैन्य उपकरणों का विस्तार करने और वितरित करने या डिलीवरी को बनाए रखने की योजना बना सकता है।

कंगाल पाकिस्तान पर एक और संकट, जहाजों के एजेंटों ने सभी निर्यात कार्गो को रोकने की दी चेतावनी

इस्लामाबाद । आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान पर एक और संकट गहरा गया है। दरअसल, जहाजों के एजेंटों ने पाकिस्तानी सरकार को आगाह किया है कि सभी निर्यात कार्गो रुक सकते हैं क्योंकि विदेशी शिपिंग लाइनें देश के लिए अपनी सेवाओं को रोकने पर विचार कर रही हैं। एजेंटों ने कहा है कि बैंकों ने डॉलर की उपलब्धता की कमी के कारण उन्हें माल ढुलाई शुल्क देना बंद कर दिया है इसलिए यह समस्या उत्पन्न हो रही है। पाकिस्तान शिप एजेंट्स एसोसिएशन (पीएसएए) के अध्यक्ष अब्दुल रऊफ ने वित्त मंत्री इशाक डार को एक पत्र के जरिए चेतावनी दी है कि सीमावर्ती देशों के अलावा, पाकिस्तान से लगभग सभी अंतरराष्ट्रीय रसद समुद्र द्वारा संचालित की जाती हैं और कोई भी व्यवधान देश के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए गंभीर समस्याएं पैदा कर सकता है। एसोसिएशन ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर अंतरराष्ट्रीय व्यापार बंद कर दिया जाता है तो आर्थिक स्थिति और खराब हो जाएगी। पीएसएए के अध्यक्ष ने स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) के गवर्नर जमील अहमद, वाणिज्य मंत्री सैयद नवीद नमार और समुद्री मामलों के मंत्री फैसल सब्ज़वारी को भी पत्र भी लिखे हैं।

मॉस्को से गोवा आ रही फ्लाइट में बम की सूचना, उज्बेकिस्तान डायवर्ट की गई, 238 यात्री सवार

ताशकंत । रूस की राजधानी मॉस्को से गोवा आ रही एक चार्टर्ड फ्लाइट में बम की सूचना मिली है। विमान को इसके बाद उज्बेकिस्तान डायवर्ट किया गया। पुलिस के मुताबिक, विमान में 240 यात्री सवार हैं। बताया गया है कि यह फ्लाइट दक्षिण गोवा के दबोलिम एयरपोर्ट पर सुबह 4.15 बजे लैंड होने वाला था। बताया गया है कि विमान में यात्रियों के अलावा सात क्रू के सदस्य भी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फ्लाइट जिसका संचालन अजुर एयर की तरफ से किया जाता है, उसे भारतीय हवाई क्षेत्र में पहुंचने से पहले ही डायवर्ट कर दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, दबोलिम एयरपोर्ट निदेशक को रात करीब 12.30 बजे एक ईमेल के जरिए इस फ्लाइट में बम रखे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद ही इसे डायवर्ट कराया गया।

यूक्रेन को हथियार देने में खर्च किए दो लाख करोड़ रु.

अब अमेरिकी जनरल बोले– बातचीत से ही होगा युद्ध का हल

वॉशिंगटन ।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को करीब एक साल का समय बीत चुका है। इस बीच अमेरिका के एक टॉप जनरल का बड़ा बयान सामने आया है। अमेरिकी जनरल मार्क माइली ने अपने एक बयान में कहा है कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध बातचीत से ही हल होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर लड़ाई जारी रहती है तो इस साल रूस को यूक्रेन से पूरी तरह बाहर निकालना संभव नहीं है। जर्मनी में एक जॉइंट न्यूज कॉन्फ्रेंस को यूएस जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ मार्क माइली और अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने संबोधित किया। इससे पहले आठवीं यूक्रेन डिफेंस कॉन्टैक्ट ग्रुप की बैठक हुई, जिसमें 50 से ज्यादा देशों के नेता शामिल हुए। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मार्क माइली ने कहा कि सैन्य तौर पर कहें तो मुझे लगता है कि इस साल रूस को यूक्रेन की धरती से पूरी तरह बाहर करना बेहद मुश्किल है। हालांकि उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि यह कभी नहीं होगा लेकिन फिलहाल यह बेहद मुश्किल है। मार्क माइली ने कहा कि यह अमेरिकी हथियारों की डिलीवरी और यूक्रेन की सेना की ट्रेनिंग पर निर्भर करेगा। इसके बाद पता चलेगा कि चीजें किस तरफ जा रही हैं। अमेरिकी जनरल ने कहा कि पूर्व की कई अन्य लड़ाईयों की तरह इस लड़ाई का अंत भी बातचीत की टेबल पर ही होगा। व्लादिमीर पुतिन ने इसे शुरू किया है और वह चाहे तो इसे आज खत्म कर सकते हैं क्योंकि यह रूस के लिए ही तबाही का सबब बन रही है। अमेरिका ने गुरुवार को भी यूक्रेन को 2.5 बिलियन डॉलर की आर्थिक मदद का ऐलान किया है। इसके बाद अमेरिका द्वारा यूक्रेन को दी गई कुल मदद 27 बिलियन डॉलर पहुंच गई है। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि जैसे जैसे रूस की ज्यादती बढ़ रही है, वैसे ही कॉन्टैक्ट ग्रुप का संकल्प मजबूत हो रहा है। कई देश यूक्रेन की मदद के लिए आगे आए हैं। फ्रांस, जर्मनी और यूके ने यूक्रेन को एयर डिफेंस सिस्टम दान किए हैं और जर्मनी ने पैट्रियट बैट्रियां। व्हाइट हाउस के एनएससी कॉर्डिनेटर जॉन किर्बी ने आरोप लगाया कि रूस की निजी सेना वैगनर ग्रुप यूक्रेन में मानवाधिकारों का उल्लंघन और

लोगों पर अत्याचार कर रही है। जब रूस की सेना यूक्रेन में संघर्ष कर रही है तब पुतिन का मिलिट्री सपोर्ट के लिए वैगनर ग्रुप की तरफ झुकाव बढ़ रहा है, जिसका मालिक येवेगेनी प्रिगोझिन है। हमें खूफिया जानकारी मिल रही है कि रूस के रक्षा मंत्रालय और वैगनर ग्रुप के बीच तनाव बढ़ रहा है। वैगनर ग्रुप रूस की सेना के विरोध में ताकत का नया केंद्र बनकर उभर रहा है। प्रिगोझिन और उसके लड़ाके रूस की सेना और इसके जनरलों की आलोचना कर रहे हैं। किर्बी ने कहा कि वैगनर ग्रुप में अभी करीब 50 हजार लड़ाके हैं, जो कि यूक्रेन में लड़ रहे हैं। अमेरिकी सरकार ने वैगनर ग्रुप पर कई प्रतिबंध लगाए हैं और उसे संगठित अपराधी संगठन घोषित किया है।

सीट बेल्ट नहीं पहनने के चलते देश के प्रधानमंत्री पर लगा जुर्माना! पीएम ने भी मानी गलती

लंदन । पश्चिमी देश नियम कानूनों को लेकर कितने सख्त हैं, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वहां नियमों का पालन ना करने पर प्रधानमंत्री के खिलाफ कार्रवाई से नहीं भी चूकते। बता दें कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक पर कार में सीट बेल्ट ना पहनने के लिए जुर्माना लगाया गया है। ऋषि सुनक को चलती कार में सीट बेल्ट ना पहनने के लिए 100 पाउंड का जुर्माना लगाया गया है। गुरुवार को ऋषि सुनक ने अपनी गलती के लिए माफी मांगी और कहा कि एक वीडियो शूट करते समय उन्होंने सीट बेल्ट हटा ली थी, जो कि उनकी गलती थी। बता दें कि ब्रिटेन में अगर कोई यात्री कार में बिना सीटबेल्ट पहने मिलता है तो उस पर मौके पर ही 100-500 पाउंड तक का जुर्माना लगाया जाता है। हालांकि वैध मेडिकल आधार पर जुर्माने में छूट मिल सकती है। नियम के मुताबिक इंग्लैंड में 14 साल से ज्यादा उम्र के सभी यात्रियों को कार में सफर के दौरान सीट बेल्ट पहनना अनिवार्य है।

ताइवान को छेड़ोगे तो पूरी दुनिया होगी प्रभावित, अमेरिका ने दी चीन को चेतावनी

वाशिंगटन ।

ताइवान और चीन के बीच तनातनी बढ़ती ही जा रही है। चीन, ताइवान को लगातार धमकाने का काम कर रहा है लेकिन इस बीच अब अमेरिका ने ड्रैगन की तानाशाही को लेकर बड़ा बयान जारी किया है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने ताइवान की यथास्थिति को बदलने के खिलाफ चीन को आगाह किया है और कहा है कि ताइवान को छेड़ने की कोशिश मत करो नहीं तो इससे पूरी दुनिया प्रभावित होगी। चीन ताइवान पर सैन्य और आर्थिक दबाव बनाने की कोशिश कर रहा: ब्लिंकन ब्लिंकेन ने शुक्रवार को यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिक्स के संस्थापक निदेशक डेविड एक्सलरोड के साथ बातचीत के दौरान कहा कि पिछले कुछ वर्षों में चीन ताइवान पर सैन्य और आर्थिक दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि ताइवान पर, जो हमने पिछले कुछ वर्षों में देखा है, मुझे लगता है, चीन ने एक निर्णय लिया है कि वह इस यथास्थिति को बरकरार नहीं रहने देना चाहता है। यह यथास्थिति जो दशकों से चली आ रही थी और वास्तव में सफल रही है क्योंकि इससे दुनिया के अन्य देशों को भी मदद मिल रही है। क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए यथास्थिति बनाए रखना महत्वपूर्ण है। हर दिन दुनिया भर में चलने वाले पचास प्रतिशत कंटेनर जहाज ताइवान जलडमरूमध्य से गुजरते हैं, दुनिया में निर्मित कंप्यूटर चिप्स का 70 प्रतिशत या उससे अधिक हिस्सा ताइवान में निर्मित होता है। ब्लिंकेन ने कहा कि अगर यह बाधित होता है तो पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को नुकसान होगा। निया के हर देश को यह सुनिश्चित करने में रुचि है कि जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता बनी रहे और मतभेदों को शांतिपूर्वक हल किया जाए, न कि दबाव से, न ही जबरदस्ती से। हमने पिछले कुछ वर्षों में देखा है कि चीन दुनिया भर के देशों से ताइवान के संबंधों को काटने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के नजरिए से, यथास्थिति ने काम किया है और यह अमेरिका के लिए महत्वपूर्ण है, जो ताइवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता बनाए रख रहा है।

तालिबान के झंडे के साथ यूएन अधिकारियों ने ली तस्वीर, संयुक्त राष्ट्र को मांगनी पड़ी माफी

काबुल ।

संयुक्त राष्ट्र की डिप्टी सेक्रेटरी जनरल अमीना मोहम्मद ने बीते हफ्ते अफगानिस्तान का दौरा किया। इस दौरान संयुक्त राष्ट्र के कुछ अधिकारियों ने तालिबान के झंडे के साथ तस्वीरें लीं और उन्हें सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। जिसके बाद संयुक्त राष्ट्र की आलोचना होने लगी और लोगों ने संयुक्त राष्ट्र की निष्पक्षता और अखंडता पर सवाल उठा दिए। बता दें कि तालिबान के झंडे को अभी तक वैश्विक स्तर पर मान्यता नहीं मिली है। नेशनल रेजिस्टेंट फ्रंट ऑफ अफगानिस्तान के विदेश मामलों के प्रमुख अली मैजम नाजरी ने एक ट्वीट करते हुए लिखा कि यूएन के लोग काबुल में एक आतंकी संगठन के झंडे के साथ तस्वीर लेकर संयुक्त राष्ट्र की निष्पक्षता पर सवाल उठा रहे हैं। हम एंटोनियो गुटेरस से पूछना चाहते हैं कि वह इस मामले की जांच कराएं क्योंकि ऐसे असंवेदनशील कार्यों से संयुक्त राष्ट्र की प्रतिष्ठा को धूमिल कर सकता है। आलोचना के बाद संयुक्त राष्ट्र ने इस पर माफी मांगी है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरस के प्रवक्ता फरहान हक ने बताया कि यह तस्वीर नहीं ली जानी चाहिए थी. यह साफ तौर पर गलती है और हम इसके लिए माफी मांगते हैं। जिन कर्मचारियों ने यह तस्वीर

ली है, उनके अधिकारी इस बारे में उनसे बात करेंगे। उल्लेखनीय है कि तालिबान ने अफगानिस्तान की सत्ता कब्जाने के बाद इसके झंडे में भी बदलाव किया था। तालिबान का नया झंडा सफेद रंग का है और उस पर शहादा लिखा है। इससे पहले अफगानिस्तान का झंडा हरे और लाल रंग का था। दुनिया के कई देशों ने तालिबान के नए झंडे को मान्यता नहीं दी है। यही वजह है कि यूएन अधिकारियों की तालिबान के झंडे के साथ तस्वीरें सामने आने के बाद इस पर विवाद हो गया है। बता दें कि संयुक्त राष्ट्र की डिप्टी सेक्रेटरी जनरल अमीना मोहम्मद के साथ यूएन वूमन की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सीमा बाहौस और यूएन के राजनीति विभाग की असिस्टेंट सेक्रेटरी जनरल खालेद अमीरी ने अफगानिस्तान का चार दिवसीय दौरा किया।

क्रिस हिपकिंस बनेंगे न्यूजीलैंड के अगले प्रधानमंत्री: कोरोना में अच्छा काम कर पहचान बनाई, अब जैसिंडा अर्डर्न की जगह लेंगे

वेलिंगटन।

न्यूजीलैंड में जैसिंडा अर्डर्न के बाद लेबर पार्टी के सांसद क्रिस हिपकिंस नए प्रधानमंत्री बनेंगे। क्रिस हिपकिंस को साल 2020 में महामारी से निपटने के लिए कोविड मिनिस्टर बनाया गया था। उस दौरान क्रिस के काम की दुनिया भर में सराहना हुई थी। कोरोना महामारी के तीन साल में न्यूजीलैंड में केवल 2,437 मौतें दर्ज की गई हैं। फिलहाल क्रिस न्यूजीलैंड के पुलिस और एजुकेशन मिनिस्टर हैं। लेबर पार्टी के बीच उन्हें ट्रबल शूटर यानी मुसीबत खत्म करने वाला कहा जाता है। अक्टूबर में लेबर पार्टी को तीसरी बार देश की सत्ता में लाना उनके लिए बड़ी चुनौती होगी। क्रिस अर्डर्न को प्रधानमंत्री बनने के लिए रविवार को आधिकारिक तौर पर पार्टी का समर्थन हासिल करना होगा। वहीं जैसिंडा आधिकारिक तौर पर 7 फरवरी को अपना इस्तीफा गवर्नर जनरल को देंगी। जो किंग चार्ल्स 3 की ओर से उसे स्वीकार कर क्रिस

हिपकिंस को प्रधानमंत्री नियुक्त करेंगे। जैसिंडा अर्डर्न ने अपनी इस्तीफे की घोषणा में कहा था कि वो थक गई हैं। प्रधानमंत्री होने की जिम्मेदारी निभाने के लिए उनमें हिम्मत नहीं बची है। वहीं एक्सपर्ट का मानना है कि न्यूजीलैंड में लेबर पार्टी 2017 से सत्ता में है, ऐसे में एंटी इनकंबेंसी काफी ज्यादा है। न्यूजीलैंड फिलहाल महंगाई और सामाजिक समानता से जूझ रहा है। जिसके चलते वहां लेबर पार्टी की लोकप्रियता में काफी कमी आई है। इन सभी चुनौतियों के लिए अब क्रिस को तैयार रहना होगा। न्यूजीलैंड में इसी साल अक्टूबर में चुनाव होने हैं। जैसिंडा आर्डर्न का जन्म 26 जुलाई, 1980 को न्यूजीलैंड के शहर हैमिल्टन में हुआ था। उनके पिता रॉस आर्डर्न पुलिस अफसर थे और मां लॉरेल कुक थीं। जेसिंडा को हमेशा से राजनीति में दिलचस्पी थी। इसलिए उन्होंने साल 2001 में मात्र 18 की उम्र में वह न्यूजीलैंड की लेबर पार्टी से जुड़ गई थीं। वह तत्कालीन प्रधानमंत्री हेलेन क्लार्क के लिए रिसर्चर के तौर पर काम करती थीं। वो 2017 में 37 साल की उम्र में न्यूजीलैंड की सबसे कम उम्र की प्रधानमंत्री बनीं थीं। तब से लेकर अब तक कई संकटों का बेहतर तरीके से सामना करने के लिए कारण वह बहुत लोकप्रिय हुईं। मई 2021 में फॉर्च्यून मैगजीन ने प्रधानमंत्री जेसिंडा आर्डर्न को दुनिया के सबसे महान नेताओं की लिस्ट में पहली रैंक दी थी। यह खिताब उनको कोरोना महामारी को फैलने से रोकने में, क्राइस्ट चर्च घटना का संज्ञान लेने में और वाइट आइलैंड में ज्वालामुखी फटने की घटना में उनके काम के लिए मिला था।

आईएमएफ की प्रबंध निदेशक जॉर्जीवा ने कहा- यथार्थवादी बनें और आत्मतुषिसे बचें

दावोस।।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के समापन सत्र में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टलिना जॉर्जीवा ने कहा कि दुनिया के नेताओं को मेरा संदेश है कि यथार्थवादी बनें और आत्मतुष्टि से बचें।

आर्थिक विकास, मुद्रास्फीति के दबाव और यूक्रेन युद्ध जैसे कारक बताते हैं कि हमें बहुत ही सावधानी के साथ आगे बढ़ना है। इस समय वैश्विक स्तर पर नेताओं के व्यावहारिक और सहयोगी होने की जरूरत है। विखराव से वैश्विक अर्थव्यवस्था को 7 प्रतिशत तक की मार पड़ सकती है। उन्होंने पश्चिमी देशों की तरफ से जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए दी जा रही सब्सिडी पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इससे उभरते बाजारों और विकासशील दुनिया पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

वैश्विक सहयोग का आह्वान

डब्ल्यूईएफ की वार्षिक बैठक जलवायु, युद्ध और आर्थिक मुद्दों पर पांच दिनों तक गंभीर चर्चा के बाद शुक्रवार को और अधिक वैश्विक सहयोग के आह्वान के साथ खत्म हुई। डब्ल्यूईएफ के प्रेसिडेंट बोर्ग ब्रेंडे ने अपनी समापन टिप्पणी में कहा, जलवायु कार्रवाई और न्यायसंगत विकास लक्ष्यों पर महत्वपूर्ण प्रगति के साथ यह एक उल्लेखनीय सप्ताह रहा। आज भले ही दुनिया बंटी हो सकती है, लेकिन यहां से उम्मीदें उभरी हैं कि शायद कल ऐसा न हो।

भारतीय कंपनी दुनिया के शीर्ष 25 ब्रांड में शामिल

भारत की निजी क्षेत्र की प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी रिलायंस जियो दुनिया के शीर्ष 25 मजबूत ब्रांड में शामिल है। ब्रांड फाइनेंस की प्रकाशित नवीनतम 'ग्लोबल 500-2023' रिपोर्ट के अनुसार जियो भारत की सबसे मजबूत ब्रांड है और दुनिया के सबसे मजबूत 25 ब्रांडों में वह नौवें स्थान पर है। जियो से पहले ईवाई, कोकाल कोला, एसेंचर, पोर्श और गूगल जैसे ब्रांड हैं। मजबूत ब्रांड सूचकांक में जियो को 90.2 अंक हैं। यह सूचकांक मार्केटिंग पर खर्च, जागरूकता, विचार, भरोसा और बाजार हिस्सेदारी जैसे कुछ मानकों के आधार पर तैयार होता है।

पूनावाला बोले- भविष्य में महामारी से बचने के लिए सहयोग जरूरी

डब्ल्यूईएफ की बैठक में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला ने कहा कि भविष्य में किसी महामारी से निपटने के लिए विभिन्न संगठनों के बीच सहयोग आवश्यक है। उन्होंने इसके लिए वैश्विक सामंजस्य या नियामक मानकों का भी आह्वान किया। उन्होंने वैश्विक सहयोग को लेकर उम्मीद भी जताई। उन्होंने दुनियाभर के नेताओं से लोगों को वैक्सीन को लेकर जागरूक करने और उनके टीके प्रति उनकी भ्रांतियों को दूर करने भी अपील की।

जरदारी ने कहा-मौजूदा वैश्विक व्यवस्था पश्चिम के हित में

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि मौजूदा वैश्विक व्यवस्था पश्चिमी देशों के हितों को ध्यान में रखकर बनाई गई थी। दुनिया को अब एक नई व्यवस्था की जरूरत है, जिसमें दुनिया के दक्षिणी देशों (वैश्विक दक्षिण) की आवाज भी सुनी जाए। उन्होंने यूक्रेन संकट के समाधान के लिए शांति वार्ता का भी समर्थन किया। उन्होंने कहा कि विवादों को सुलझाने की पुरानी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था निश्चित रूप से विफल हो गई है, इसलिए ऐसे मुद्दों के समाधान के लिए नए नियमों की जरूरत है।

गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियां जोरों पर

सोनीपत (हि.स.)। पुलिस लाईन में होने वाले जिला स्तरीय गणतंत्र कार्यक्रम में विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा गोहाना में सांसद रमेश चंद्र कौशिक, गन्नौर में विधायक लीला राम गुज्जर तथा खरखौदा में जिला परिषद चेयरपर्सन मोनिका दहिया करेंगी ध्वजारोहण करेंगे। इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों में कार्यक्रमों की रिहर्सल की गई है। उपायुक्त ललित सिवाच ने बताया कि सभी क्षेत्रों में होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह के लिए तैयारी की जा रही है। जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी के अंतर्गत स्कूली छात्र-छात्राओं ने शनिवार को पुलिस लाइन में पुलिस के जवानों के साथ कदम से कदम मिलाते हुए मार्च पास्ट किया। परेड कमांडर आईपीएस दीप्ति गर्ग के नेतृत्व में हरियाणा पुलिस की महिलाओं और पुरुषों की टुकडियों सहित स्कूली विद्यार्थियों ने गोल्डन हरियर स्कूल के बैंड की जोशिली धुनों पर परेड का पूर्वाभ्यास किया। शिक्षा विभाग के एईओ (खेल) रामबीर तथा कार्यक्रम के जिला संयोजक (शिक्षा) शशि मेहता के नेतृत्व में मार्च पास्ट तथा पीटी-डंबल शो का पूर्वाभ्यास किया जा रहा है। मार्च पास्ट में हरियाणा पुलिस की महिलाओं की टुकड़ी ने किया, जिसकी कमान एएसआई रानी ने संभाली। एएसआई विकास के नेतृत्व में हरियाणा पुलिस की पुरूष टुकड़ी, अंडर ऑफिसर विशाल के नेतृत्व में एनसीसी (पुरूष) की सीनियर विंग तथा अंडर ऑफिसर तनू राठी के नेतृत्व में एनसीसी (महिला) की सीनियर विंग ने कदम से कदम मिलाए।

विधवा महिला ने जेठ व ननदोई पर लगाए यौन शोषण के आरोप

फतेहाबाद (हि.स.)। क्षेत्र के एक नजदीकी गांव में रिश्तों को तार-तार कर देने वाला मामला सामने आया है। गांव की एक विधवा महिला ने अपने ही जेठ व ननदोई पर दो वर्ष से ज्यादा समय तक उसका यौन शोषण करने के आरोप जड़े हैं। महिला थाना पुलिस ने महिला की शिकायत पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में महिला ने बताया कि कई वर्ष पहले उसकी शादी गांव में हुई थी। करीब 5 वर्ष पहले उसके पति का देहांत हो गया था और उसके तीन बच्चे हैं। उसने आरोप लगाया कि वर्ष 2020 के नवंबर में उसके जेठ भूप सिंह ने उससे दुष्कर्म किया और फिर उसका शारीरिक शोषण करता रहा। उसे धमकी भी दी गई। बाद में उसने इस घटना की जानकारी अपने ननदोई राजपाल को दी। महिला का आरोप है कि उसकी सहायत करने की बजाय ननदोई ने भी उसका शोषण करना शुरू कर दिया। महिला के अनुसार 10 नवंबर 2020 से 7 जनवरी 2023 तक उससे दुराचार किया जाता रहा है। उसे अश्लील मैसेज भी भेजे गए व मारपीट की गई।

पायलट को कोरोना-गद्दार कहने पर थरूर का तंज, कहा- सोचसमझकर बोलें

जयपुर (हि.स.)। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट को नाकारा-निकम्मा, गद्दार-कोरोना कहने पर सांसद शशि थरूर ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को नसीहत दी है। उन्होंने कहा कि जब हम अपने साथियों के बारे में बोल रहे हैं तो सोच समझकर बोलना चाहिए। मैंने विरोधियों को भी ऐसे शब्द नहीं कहे। थरूर शनिवार को जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में गहलोत की ओर से पायलट को गद्दार और कोरोना कहने को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि मुझे राजनीति में 14 साल का वक्त हो गया है। मैंने किसी के बारे में कभी भी ऐसा कुछ कहने या उकसाने की कोशिश नहीं की। मैं राजनीति में कभी भी कीचड़ कुश्ती नहीं करना चाहता। यही सोचकर मैंने काफी मुद्दों को अवॉइड किया। थरूर ने कहा कि मैं अपने साथियों से यही गुजारिश करता हूं कि अपने ही भाई-बहनों के बारे में ऐसा कहना अच्छा नहीं है। हमें अपने मतभेदों को मिटाने की कोशिश करनी चाहिए। लोगों के अलग-अलग विचार भी हो सकते हैं। इसे कहने के दूसरे तरीके भी हो सकते हैं। मैं भी चाहूंगा कि पार्टी के अंदर हमें एक-दूसरे से प्रेम से रहना चाहिए। मैंने अपने विरोधियों को भी ऐसे शब्द नहीं कहे। उन्होंने कहा कि हमारे देश में कोई भी पार्टी हो। उसके अंदर सबकी एक जैसी राय नहीं है। भाजपा में भी हर विषय पर हर व्यक्ति की एक ही राय नहीं है। मेरा मानना है कि लोकतंत्र में दो लोगों की राय में फर्क हो सकता है। अगर आपकी विचारधारा एक है और आप एक ही मकसद के लिए लड़ रहे हैं, तो अंत में कौन लीड करेगा। यह तो पार्टी को तय करना पड़ेगा। भाजपा में कौन-कौन नेतृत्व कर रहे हैं। कांग्रेस में कौन-कौन नेतृत्व कर रहे हैं। इसका मतलब ये नहीं है कि दूसरे लोग भी अपने आप को कामयाब नहीं मानते हैं। अभी वो लोग अधिकार में नहीं है। किसी भी पार्टी में अंदरूनी लड़ाई मेरे ख्याल में हकीकत है। कुछ न कुछ, कोई न कोई मतभेद सभी जगह होते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी में सभी की सोच अलग हो सकती है। सभी कांग्रेसी नेता बीजेपी के खिलाफ हैं। सांसद ने कहा कि मैंने पिछले 21 सालों से किताब नहीं लिखी है, क्योंकि मैं राजनीति और देश से जुड़े महत्वपूर्ण विषय में काम कर रहा हूं। यही कारण है कि मुझे रोमांस के बारे में भी लिखने का मौका नहीं मिल पाया। जब आप सभी मुझे राजनीति से बाहर भेज देंगे, तब रोमांस और दूसरे मुद्दों पर लिखने की कोशिश करूंगा। वैसे भी मुझे रोमांस पर लिखने और नोबेल को लेकर कई चिट्ठियां मिलती हैं। ऐसे में वक्त मिलने पर इस पर जरूर लिखूंगा। ज्यूडिशियरी पर उठ रहे सवालों पर थरूर ने कहा कि सवाल पूछना ज्यूडिशियरी को दबाने का संकेत नहीं है। मेरा मानना है कि संविधान ने ज्यूडिशियरी को स्वतंत्र और स्वायत्त स्टेटस दिया है। मुझे लगता है कि सत्ता में बैठे लोगों की ओर से यह सिद्धांत नहीं अपनाया जा रहा है। उनके पास वास्तव में ज्यूडिशियरी पर प्रेशर बनाने की क्षमता है। ऐसे में ज्यूडिशियरी को मजबूत करने की जरूरत है। जहां भी ज्यूडिशियरी के अधिकारों और संविधान की बात आएगी, हमें उसकी रक्षा के लिए बोलना चाहिए।

श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ को एफएम रेडियो की सौगात, पीएम मोदी 26 को करेंगे वर्चुअल शुभारंभ

श्रीगंगानगर (हि.स.)। श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ में आकाशवाणी का एफएम चैनल शुरू हो चुका है। राष्ट्रीय राजमार्ग 62 स्थित आकाशवाणी केंद्र से इसका इसका टेस्टिंग प्रसारण किया जा रहा है। 26 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका वर्चुअल शुभारंभ करेंगे। इससे पहले ट्रांसमिशन टेस्टिंग, आईपी एड्रेस, सिग्नल स्ट्रेंथ आदि के काम को अंतिम रूप दिया जा रहा है। जिसे लेकर हाल ही में दिल्ली से पहुंचे आला अधिकारियों ने भी सूरतगढ़ के साथ-साथ सीमा क्षेत्र के अनूपगढ़ में भी इसकी फ्रीक्वेंसी चेक की है। आकाशवाणी केंद्र सूरतगढ़ के उपनिदेशक (अभियांत्रिकी) धनीराम जाटव ने बताया कि सूरतगढ़ केंद्र में पूर्व में चल रहे दूरदर्शन रिले सेंटर को करीब 36 लाख रुपये की लागत से तब्दील करते हुए एफएम रिले सेंटर बनाया गया है। यह 100.1 मेगाहर्ट्स पर सुना जा सकता है। जाटव ने बताया कि फिलहाल इस पर विविध भारती और जयपुर आकाशवाणी के कार्यक्रम सुबह 5:55 बजे से लेकर रात 11:00 बजे तक प्रसारित किए जा रहे हैं। आने वाले समय में सूरतगढ़ के कार्यक्रमों को भी इस पर प्रसारित किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि यहां अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी युक्त ट्रांसमीटर लगाया गया है। जो कि आईपी एड्रेस पर काम करेगा। यानि दिल्ली में बैठे अधिकारी भी इसको मॉनिटर कर सकते है। यहां तक कि बिजली का व्यवधान भी इस पर कोई असर नहीं डालेगा। जाटव ने बताया कि सूरतगढ़ में इसके लिए 45 मीटर की पहले से लगी (मास्ट) एंटीना पर ही इसे स्थापित किया गया है। जिसके सिग्नल की टेस्टिंग इन दिनों की जा रही है और अभी तक की रिपोर्ट बिल्कुल स्पष्ट और क्वालिटी युक्त पाई गई है। जिस कंपनी का सेटअप लगाया गया है, उसके इंजीनियर अगले 3 साल तक इसका मेंटिनेंस करेंगे।

समाज कन्या भ्रूण हत्या को खत्म करने का संकल्प लें : गुप्तिसागर

सोनीपत (हि.स.)। जीटी रोड स्थित गुप्तिधाम तीर्थक्षेत्र गन्नौर में राष्ट्रसंत उपाध्याय गुप्तिसागर महाराज ने कहा कि समाज कन्या भ्रूण हत्या को खत्म करने का संकल्प ले। महाराज के सांनिध्य में पंचकल्याणक महोत्सव में सोनीपत के विधायक सुरेंद्र पंवार ने आशीर्वाद लिया। उनके दिव्य संदेश को आत्मसात करने का संकल्प लिया। विधायक सुरेंद्र पंवार ने कहा कि संत उपाध्याय गुप्ति सागर गुरूदेव का गन्नौर की धरती को स्वर्ग बनाया है। उनका परम सांनिध्य पाकर आतमा पवित्र हो गई है। शनिवार को प्रथम तीर्थकर ऋषभ देव भगवान की माता मरूदेवी की गोद भराई की रस्म के बारे में विस्तार से बताया गया। एसके जैन एडवोकेट, मुकेश, संजय जैन, मनोज जैन, अमित जैन, सुबोध जैन सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। पंचकल्याणक महोत्सव के दूसरे दिन गर्भ कल्याणक उत्तर क्रियाएं की गई। कार्यक्रम की शुरूआत नित्यमेह अभिषेक, वृहद शांतिधारा, जिनेंद्रार्चना, गर्भकल्याणक संबंधी अंतरंग संस्कार एवं गर्भ कल्याणक पूजन, विमान शुद्धि व मंदीर-वेदी, वास्तु विधान के साथ हुई। उपाध्याय गुप्तिसागर महाराज ने दिव्य संदेश में कहा कि धर्म ही सर्वोपरि है जो हमें हमें सुख, संपत्ति, वैभव व निर्मलता प्रदान करता है। धर्म के मार्ग पर चलकर मनुष्य हर कार्य कर सकता है। जब तक हम जीवन की महत्ता नहीं समझेंगे, तब तक मनुष्य जीवन को सार्थक नहीं कर पाएंगे। जिसकी आत्मा में धर्म हो, जिसका मन शुद्ध हो, जिसका हृदय सरल हो, ऋजुभूत हो उसे मोक्ष की प्राप्ति भी हो सकती है। आखिर में समीन्तन संस्कार, सीमान्तिनी क्रिया (माता की गोद भराई), महाआरती, शास्त्र प्रवचन, गर्भकल्याणक का उत्तर रूप, महाराज नाभीराय का दरबार, राज्य व्यवस्था, सोलह स्वप्न फल, अष्टकुमारियों द्वारा मातृसेवा व धर्मचर्चा सहित अन्य क्रियायें की गई।

80 लाख की शराब के 881 कर्टन बरामद, चालक गिरफ्तार

पाली (हि.स.)। पाली के ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस ने शनिवार अलसुबह पांच बजे शराब की 881 पेटियों से भरा कंटेनर जप्त किया है। जिसमें पंजाब निर्मित करीब 80-85 लाख रुपए की अंग्रेजी शराब जब्त की गई है। बरामद शराब की बाजार कीमत करीब 80 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने शराब जप्त कर आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी विक्रम सिंह सांदू ने बताया कि मुखबिर ने सिपाही रामनिवास जाट और जस्सा राम कुमावत को अवैध शराब की तस्करी की सूचना दी थी। साथ ही बताया गया था कि एक ट्रेलर ट्रांसपोर्ट नगर थाना के रास्ते अवैध शराब लेकर गुजरात की ओर जा रहा है। ऐसे में पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए ट्रांसपोर्ट नगर पुलिया के पास नाकाबंदी कर जांच शुरू की। इसी क्रम में जब ट्रेलर को रुकवाकर तलाशी शुरू की गई तो चालक ने आनाकानी की। साथ ही ट्रेलर में दूसरा सामान होने की बात कही।

शराब कारोबारी के ठिकानों पर आयकर विभाग की कार्रवाई

चूरू (हि.स.)। जिले की तारानगर तहसील में आयकर विभाग की संयुक्त टीम ने पुराने टेलीफोन एक्सचेंज के पास ठिकाने पर कार्रवाई की। चार जिलों के आयकर विभाग के अधिकारियों की टीम की संयुक्त कार्रवाई शनिवार को सुबह 6 बजे शुरू हुई, जो देर शाम तक जारी रही। टीम में जयपुर, सीकर, चूरू और झुंझुनू आयकर विभाग के अधिकारी शामिल है, जो दस्तावेज खंगाले जाकर अघोषित आय का पता लगाने में जुटे हुए हैं। वाइन, खनन और टोल कारोबारी नूर मोहम्मद के जोधपुर स्थित ठिकानों पर कार्रवाई के दौरान इनकम टैक्स विभाग को नूर मोहम्मद के पैतृक गांव चूरू जिले के तारानगर में भी अघोषित आय की सूचना मिली थी, जिसके बाद यहां नूर मोहम्मद के 2 रिश्तेदार चांद खान और शोयब नागरा के मकानों पर इनकम टैक्स विभाग की टीमें पहुंची। टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए न केवल यहां दस्तावेजों को खंगाला, बल्कि पूछताछ भी की।

पेड़ों के लगातार कटाई से जलवायु परिवर्तन : डॉ. मंजू

हिसार (हि.स.)। एचएयू के होम साइंस कॉलेज की अधिष्ठाता डा. मंजू मेहता ने कहा है कि पर्यावरण की रक्षा के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। इसके साथ ही उसकी देखभाल भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पौधों के लगातार कटान से जलवायु में परिवर्तन होता जा रहा है जिसके कारण दिन-प्रतिदिन वर्षा में कमी आ रही है। डा. मंजू मेहता एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा ग्रामीण गृह कार्य अनुभव कार्यक्रम के तहत डोभी गांव में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम के तहत उन्हें संबोधित कर रही थीं। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने ग्रामीणों को भी पौधारोपण के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम की मुख्य संयोजिका डा. बीना यादव ने बताया कि हमारे आसपास का परिवेश जितना साफ सुथरा होगा उतना ही हम स्वस्थ रहेंगे।

रोहतक : डेरा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह पैरोल मिलने के बाद बरनावा आश्रम पहुंचे

रोहतक (हि.स.)। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम को चालीस दिन की पैरोल मिलने के बाद यूपी के बरनावा आश्रम के लिए रवाना हो गए। माना जा रहा है कि गुरमीत राम रहीम पैरोल के दौरान बरनावा आश्रम में ही रहेंगे और इसी दौरान वह सिरसा भी जा सकते है। इससे पहले भी राम रहीम को 40 दिन की पेरोल मिली थी और उस वक्त भी वह बरवाना आश्रम में ही रहे थे। शनिवार को डेरा प्रमुख के परिजन सुनारिया जेल पहुंचे और दोपहर बाद जेल में कागजी कारवाई पूरी होने के बाद राम रहीम जेल से बाहर निकले और परिजनों के साथ गाड़ी में सवार होकर बरनावा आश्रम के लिए रवाना हुए। इस दौरान जेल प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे और जेल परिसर को आने वाले रास्ते पर पहले ही बेरिकटेस लगा दिए। किसी को भी जेल की तरफ आने-जाने नहीं दिया गया। राम रहीम के पैरोल पर आने से अनुयायियों में खुशी का माहौल है। बताया जा रहा है कि बरनावा आश्रम पहुंच कर राम रहीम वीडियों कांफ्रेसिंग के जरिए लाइव आए और साध संगत को अपने अपने घरों में रहकर पहले की तरह मानवता की भलाई के कार्यो में जुटे रहने का आह्वान किया। दरअसल सिरसा स्थित डेरे में 25 जनवरी को शाह सतनाम सिंह महाराज के पावन अवतार दिवस पर भव्य समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इसी के लिए डेरा प्रमुख राम रहीम ने 40 दिन की पैरोल मांगी थी, जिसे प्रशासन ने स्वीकार करते हुए शुक्रवार को ही पैरोल मंजूर कर ली थी, लेकिन कागजी कारवाई पूरी नहीं होने पर शनिवार दोपहर को राम रहीम सुनारिया जेल से बाहर आए। यह भी बताया जा रहा है कि डेरा प्रमुख 25 जनवरी को सिरसा में होने वाले समारोह में जा सकते है, लेकिन अभी यह पूरी तरह से साफ नहीं है। सिरसा डेरे पर भव्य आयोजन की तैयारियां जोरो से चल रही है और साध संगत में खुशी का माहौल है।

कैथल : भाजपा की कार्यकारिणी बैठक में संगठन को मजबूत करने पर मंथन

कैथल (हि.स.)। शनिवार को भाजपा की जिला कार्यकारिणी की बैठक भाजपा जिला कार्यालय कपिल कमल कैथल में संगठन से संबंधित गतिविधियों की समीक्षा के साथ आने वाले दिनों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। बैठक में मुख्यातिथि के रूप में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व चेयरमैन सुभाष बराला ने शिरकत की। राज्य मंत्री कमलेश ढांडा, सांसद नायब सिंह सैनी, विधायक लीला राम गुज्जर, जिला प्रभारी वेद फुलान ने वशिष्ठ अतिथि के रूप मे शिरकत की। पार्टी के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। मुख्यअतिथि सुभाष बराला को जिला अध्यक्ष अशोक गुर्जर ढांड ने पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण करके व दीप प्रज्ज्वलित करके की। बैठक में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बराला ने पार्टी के सभी नवनिर्वाचित सरपंच, पंच, पंचायत, ब्लॉक समिति के सदस्य व चेयरमैन जिला परिषद, पार्षदों को नगर परिषद के वायस चेयरमैन को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि कहा कि राष्ट्रीय और प्रदेश आलाकमान

द्वारा संगठन को लेकर दिए गए सभी कार्यक्रमों को लागू करने के लिए गंभीरता से काम करना है। फरवरी 2023 तक सभी पन्ना प्रमुख बना दिए जायेंगे और पार्टी के स्थापना दिवस तक सभी पन्ना प्रमुख का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिला से लेकर शक्ति केंद्र स्तर तक संगठन को सक्रिय करना है। संगठन का काम सामूहिक जिम्मेदारी का काम है। इसे किसी एक पदाधिकारी के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है। हम सबकों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। किसी भी चुनाव में जीत हासिल करने में बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। लोक सभा चुनाव की तैयारी पूरी करने के लिए कुछ माह का समय ही शेष रह गया है। इसलिए हम सबको बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने की दिशा में बहुत तेजी से काम करना होगा। जिलाध्यक्ष अशोक गुर्जर ने कहा कि चुनाव जीतने के लिए बूथ स्तर पर ठोस रणनीति तैयार करने की जरूरत होती है। 2019 के चुनाव का उल्लेख करते हुए उन्होनें कहा कि क्षेत्र में भाजपा ने बढ़त हासिल किया था। उन्होंने आगे कहा कि बूथ और मंडल स्तर पर होने वाले सभी कार्यक्रमों व बैठकों में कार्यकर्ताओं के साथ स्थानीय समाज प्रमुखों को आवश्यक रूप में शामिल करना चाहिए। इससे लोगों का पार्टी से जुड़ाव होगा।

TENDER NOTICE

Name of the work	**Annual Maintenance at State War Memorial, Dighalipukhuri.** Painting of Walls of Artefacts, Artefacts and Medals.
Location of the workplace	Dighalipukhuri, Guwahati.
Name of Authority	Directorate of Sainik welfare, Assam
Eligibility of Agency/ Sculptures/Painters	*An agency having experience in construction/maintenance of statue, denting/painting works A.*

1. Sealed Quotation is invited from Govt Contractor/Agency/Painters for execution of above maintenance works.
2. The sealed quotation must reach the undersigned by 5.00 pm on 31 Jan 2023.
3. Intending tenderer (s) shall submit Quotations in the Tender Box kept in the office of the Directorate of Sainik Welfare, House No.74, Sainik Bhawan, Lachit Nagar, Guwahati 07.
4. Agency / Sculptures/Painters can survey locations and details of works at War Memorial, Dighalipukhuri before submitting their quotations.
5. Date of opening of Quotations on 01 Feb 2023 at 1100 AM.

Sd/-
Director
Directorate of Sainik Welfare, Assam
Guwahati – 07.

-- Janasanyog /C/18806/22

एयर इंडिया के टॉप अफसरों को घटना के कुछ घंटों बाद ही दे दी गई थी जानकारी, आधिकारिक ईमेल से खुलासा

नई दिल्ली ।
एयर इंडिया के विमान में महिला यात्री पर पेशाब करने के मामले में नया मोड़ आ गया है। यह घटना 26 नवंबर 2022 की है। अब जो जानकारी सामने आ रही है उसके अनुसार न्यूयॉर्क-नई दिल्ली उड़ान के चालक दल में शामिल एक सदस्य ने दिल्ली में उड़ान की लैडिंग के कुछ घंटों के भीतर ही शीर्ष अधिकारियों को इसकी सूचना दे दी थी। इन अधिकारियों में एयरलाइन के सीईओ कैंपबेल विल्सन भी शामिल थे। मीडिया मे एक ई मेल की चर्चा जिसके अनुसार, एयर इंडिया केबिन क्रू सुपरवाइजर ने कथित तौर पर 27 नवंबर को दोपहर लगभग 1 बजे एयरलाइन के इनफ्लाइट सर्विस डिपार्टमेंट (आईएफएसडी), भारत में बेस ऑपरेशंस के प्रमुख, आईएफएसडी के लीड एचआर प्रमुख और आईएफएसडी के उत्तरी क्षेत्र के प्रमुख के साथ शिकायतों (ग्राहक सेवा) को ईमेल भेजकर घटना के बारे में बताया था। एयर इंडिया के शीर्ष प्रबंधन ने पहले दावा किया था कि विमान के उतरने के बाद उन्हें घटना के बारे में तत्काल सूचित नहीं किया गया था। जिसके कारण आरोपी शंकर मिश्रा बिना किसी कार्रवाई के बिना वहां से चला गया। एयर इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) कैंपबेल विल्सन ने कहा था कि एयरलाइन ने अपने चालक दल की खामियों की जांच करने और उन कमियों को दूर करने के लिए एक आंतरिक समिति का गठन किया है जिसके कारण उड़ान संख्या एआई-102 में यह वारदात हुई। घटना का संक्षिप्त सारांश वाले मेल को भी 3.47 बजे ओके, नोट के जवाब के साथ स्वीकार किया गया था। टेलीफोन पर हुई बातचीत के बाद शुरुआती ईमेल में से एक जिसकी मीडिया में चर्चा चल रही है वह दोपहर 3.46 बजे भेजा गया था, जिसे प्राप्तकर्ताओं ने पढ़ा और स्वीकार किया गया था। उसी दिन शाम 7.46 बजे ईमेल के एक विस्तृत थ्रेड में ग्राउंड हैंडलिंग विभाग के प्रमुख और ग्राहक सेवा और इनफ्लाइट सेवाओं के प्रमुखों को संबोधित मेल भी शामिल थे। इसके अलावा इस संचार से यह भी पता चलता है कि विल्सन को उसी शाम महिला यात्री के दामाद से एक ईमेल मिला था।

न्यूज ब्रीफ

डिजिटल स्वास्थ्य सेवा कंपनी मेडीबडी ने 200 कर्मचारियों को निकाला

नई दिल्ली। डिजिटल हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म मेडीबडी ने अपने 8 प्रतिशत कर्मचारियों, लगभग 200 लोगों को निकाल दिया। मेडीबडी के एक प्रवक्ता ने दिए एक बयान में कहा कि पुनर्गठन की पूरी प्रक्रिया में, हमें एक बार के पुनर्गठन अभ्यास के रूप में सभी विभागों में 8 प्रतिशत कार्यबल को निकालने का महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ा। हेल्थ टेक स्टार्टअप ने कहा, छंटनी कभी भी आसान नहीं होती है और यह अल्पावधि में दर्दनाक होती है, यह विकास के लिए हमारे मौजूदा व्यावसायिक लक्ष्यों को फिर से बनाने के लिए है। इंक42 सबसे पहले मेडीबडी में छंटनी के बारे में रिपोर्ट करने वाला था, जिसने पिछले साल की शुरुआत में अमिताभ बच्चन को अपना आधिकारिक ब्रांड एंबेसडर बनाया था। छंटनी ने ज्यादातर तकनीक, उत्पाद, बिक्री और संचालन टीमों को प्रभावित किया। स्टार्टअप ने कहा कि वह इस परिवर्तन के दौरान प्रभावित कर्मचारियों का समर्थन करेगा और उनकी सहायता के लिए कई तरह के संसाधनों को लागू किया है। एक एंड-टू-एंड डिजिटल हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म मेडीबडी ने पिछले साल फरवरी में क्वाड्रिया कैपिटल और लाइटरॉक इंडिया से सीरीज सी फंडिंग में 125 मिलियन डॉलर जुटाए थे। यह उपयोगकर्ताओं को वीडियो कॉल, घर पर दवा वितरण, घर पर प्रयोगशाला परीक्षण, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और अन्य एकीकृत स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से विशेषज्ञ डॉक्टरों तक 24 गुणा 7 पहुंच प्रदान करता है।

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स के लिए गाइडलाइन जारी: भ्रामक विज्ञापन दिखाने पर लगेगा 10 से 50 लाख रुपए तक का जुर्माना

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और सिलेब्रिटीज के लिए गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत वे उन्हीं प्रोडक्ट्स को एंडोर्स कर सकेंगे, जिनका उन्होंने खुद इस्तेमाल किया हो या कर रहे हैं। यानी इन्फ्लुएंसर्स हो या सिलेब्रिटीज वे किसी भी प्रोडक्ट्स को बढ़ा-चढ़ाकर कस्टमर्स को गुमराह नहीं कर सकते। उपभोक्ता मामले के मंत्रालय के मुताबिक, सरकार के इस नियम का पालन नहीं किया गया तो कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट 2019 के तहत जुर्माना देना पड़ सकता है। सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी मैन्युफैक्चरर्स, एडवर्टाइजर्स और एंडोर्सर्स पर 10 लाख रुपए तक का जुर्माना लगा सकती है। लगातार नियम का पालन नहीं करने पर 50 लाख तक जुर्माना देना होगा। साथ ही विज्ञापन करने वाले को 6 साल तक किसी भी एंडोर्समेंट से रोका जा सकता है। उपभोक्ता मामले के सचिव रोहित कुमार सिंह ने बताया कि इसके जरिए किसी भी प्रोडक्ट के बारे में गलत जानकारी देना या जानबूझकर कोई जानकारी छिपाई भी नहीं जा सकती है। हर सेलिब्रिटी, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और वर्चुअल इन्फ्लुएंसर को सोशल मीडिया अकाउंट पर प्रमुखता से बताना होगा की वे प्रचार के लिए पैसे लेते हैं या उनका कोई आर्थिक या अन्य हित है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने खारिज किया बैंक और आरबीआई का फैसला, निवेशकों को मिली राहत

मुंबई । यस बैंक के टियर-1 बॉन्ड में बैंक और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को जोरदार झटका लगा है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार को इन दोनों के राइट ऑफ के फैसले को खारिज किया। इससे निवेशकों को राहत मिली है। कोर्ट ने यस बैंक को 6 हफ्ते के अंदर आदेश लागू करने को कहा है। दरअसल, यस बैंक ने 2016-19 के बीच करीब 8,415 करोड़ रुपये का टियर-1 (एटी) बॉन्ड जारी किया था। इसे सुपर एफडी नाम दिया था। इस पर 9 से 9.50 फीसदी सालाना ब्याज मिल रहा था। इसमें 1,300 खुदरा निवेशकों के अलावा निप्पॉन, फ्रैंकलिन टेंपल्टन, यूटीआई और बड़ौदा एसेट जैसी म्यूचुअल फंड की 32 योजनाओं और संस्थागत निवेशक थे। 2020 में यस बैंक मुश्किल में फंसा तो इस बॉन्ड को बट्टे खाते में डाल दिया गया। इसके बाद निवेशकों ने आरबीआई से इसकी शिकायत की। हालांकि, यस बैंक ने पहले कहा था कि उसके नियम-शर्तों में लिखा था कि किसी असफल के मामले में यह निवेश राइट ऑफ हो जाएगा।

रिलायंस का नेट प्रॉफिट घटा, लेकिन रेवेन्यू बढ़ा

तीसरी तिमाही में प्रॉफिट 13.5प्रतिशत घटकर 17,806 करोड़ हुआ, रेवेन्यू 15प्रतिशत बढ़ा

मुंबई।
रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने दिसंबर 2022 को समाप्त तीसरी तिमाही के नतीजे घोषित किए। कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट साल-दर-साल 13.30प्रतिशत कम होकर 17,806 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने पिछले साल समान तिमाही में 20,539 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया था। ऑपरेशन से उसका रेवेन्यू 220,592 करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले के 191,271 करोड़ रुपए के मुकाबले 15.32प्रतिशत ज्यादा है। कंपनी के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी ने कहा- साल-दर-साल आधार पर मजबूत ग्रोथ में सभी सेगमेंट का योगदान रहा है। सभी बिजनेसेज में हमारी टीमों ने बेहतरीन काम किया है। कंपनी ने कहा कि उसका साल दर साल 13.5प्रतिशत बढ़कर 38,460 करोड़ रुपए (4.6 अरब डॉलर) हो गया। डिजिटल कारोबार में सब्सक्राइबर बेस बढ़ने, कंजम्पशन बास्केट में ग्रोथ समेत अन्य बिजनेस के अच्छे परफॉर्मेंस से बढ़ा है।

जियो के प्रॉफिट में 28.3प्रतिशत की बढ़ोतरी

रिलायंस की टेलिकॉम आर्म जियो के प्रॉफिट में 28.3प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कंपनी का नेट प्रॉफिट बढ़कर 4,638 करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले 3,615 करोड़ रुपए था। सितंबर 2022 को खत्म दूसरी तिमाही की तुलना में जियो का नेट प्रॉफिट 2.65प्रतिशत बढ़ा है। दूसरी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 4,518 करोड़ रुपए रहा था। जियो ग्राहकों के हिसाब से भारत की सबसे बड़ी टेलिकॉम कैरियर है।

रेवेन्यू 19प्रतिशत बढ़कर 22,998 करोड़ रु. हुआ

पिछले साल की समान तिमाही में 19,502 करोड़ रुपए की तुलना में ऑपरेशन से इसका रेवेन्यू में लगभग 19प्रतिशत बढ़कर 22,998 करोड़ रुपए हो गया। दिसंबर तिमाही के लिए कंपनी का ऑपरेटिंग प्रॉफिट मार्जिन बढ़कर 26.6प्रतिशत हो गया, जबकि सितंबर में यह 26.3प्रतिशत और एक साल पहले की तिमाही में 26.1प्रतिशत था। नेट प्रॉफिट मार्जिन सितंबर में 17प्रतिशत और पिछले साल इसी तिमाही में 26.1प्रतिशत के मुकाबले 17.1प्रतिशत पर आ गया।

ग्राहक बढ़कर 43.29 करोड़ हुए

रिलायंस जियो के ग्राहक तीसरी तिमाही में बढ़कर 43.29 करोड़ हो गए। पिछले क्वार्टर यानी में ये 42.76 करोड़ थे। एक साल पहले की समान तिमाही यानी में ये 42.10 करोड़ था। वहीं पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही में 177.2 रुपए से बढ़कर 178.2 रुपए हो गया।

20,000 करोड़ रुपए की फंड रेजिंग को मंजूरी

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने कहा कि उसके बोर्ड ने प्राइवेट प्लेसमेंट के आधार पर नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर के जरिए 20,000 करोड़ रुपए की फंड रेजिंग को मंजूरी दी है।

विप्रो ने खराब प्रदर्शन के चलते 400 से अधिक नए कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

बेंगलुरु। आईटी दिग्गज विप्रो ने आंतरिक मूल्यांकन परीक्षाओं में खराब प्रदर्शन के लिए 400 से अधिक नए कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। कंपनी ने सभी प्रभावित कर्मचारियों को टर्मिनेशन लेटर जारी किया है और कहा है कि पर्याप्त प्रशिक्षण के बावजूद वे प्रदर्शन करने में विफल रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि टर्मिनेशन लेटर में कहा गया था कि कर्मचारियों को प्रशिक्षण लागत के 75,000 रुपये का भुगतान करना होगा, जो कंपनी ने उन पर खर्च किया है। लेकिन राशि माफ की जा रही है। पत्र में लिखा है, हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि 75,000 रुपये की प्रशिक्षण लागत जो आप भुगतान करने के लिए उत्तरदायी हैं, उसे माफ कर दिया जाएगा। मामले में टिप्पणी करते हुए आईटी दिग्गज ने स्पष्ट किया कि वह खुद को उच्चतम मानकों पर रखने में गर्व महसूस करता है। प्रवेश स्तर के प्रत्येक कर्मचारी से उनके कार्य के निर्दिष्ट क्षेत्र में एक निश्चित स्तर की प्रवीणता की उम्मीद की जाती है। मूल्यांकन प्रक्रिया में ग्राहकों की आवश्यकताओं और संगठन के व्यावसायिक उद्देश्यों के साथ कर्मचारियों को संरेखित करना शामिल है।

कमाई के मामले में भारतीय रेलवे ने पकड़ी रफ्तार, नौ माह में ही तोड़ दिया पिछले साल का रिकॉर्ड

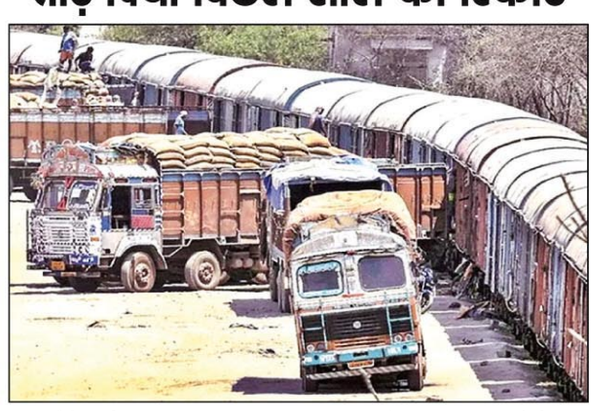

नई दिल्ली ।
भारतीय रेलवे की कमाई में बंपर बढ़ोतरी देखी गई है। कोरोना महामारी के दौरान ठप पड़ी रेलवे ने कमाई के मामले में अपनी रफ्तार फिर से पकड़ ली है। यात्रियों के सफर से लेकर माल ढुलाई मामले में रेलवे की आय में बढ़ोतरी हुई है। रेलवे ने इस वित्त वर्ष के 9 महीने में ही वर्ष 2021-22 की कुल कमाई के पार पहुंच गई है। जबकि अभी इस वित्त वर्ष को खत्म होने में तीन माह बचे हुए हैं। केंद्रीय बजट के दो सप्ताह पहले यह आंकड़े सामने आए हैं, जब रेलवे ने बजट आवंटन बढ़ाए जाने की मांग की है। रेल मंत्रालय का कहना है कि रेलवे ने इस वित्त वर्ष में अब तक 1.91 लाख करोड़ रुपये की कमाई की है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया पर ट्वीट किया कि रेल मंत्रालय की अब तक की कमाई पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 42,370 करोड़ रुपये ज्यादा है। रेलवे की यह उपलब्धि चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 के पूरा होने से 71 दिन पहले हासिल की गई है। हालांकि किस मद से कितनी कमाई भारतीय रेलवे को हुई है, इसके सही आंकड़े अभी सामने नहीं आए हैं। लेकिन यह अनुमान है कि माल ढुलाई से 1.3 लाख करोड़ रुपये की कमाई हुई है। वहीं यात्री किराये से करीब 55,000 करोड़ रुपये कमाई हुई है। शेष कमाई कोचिंग, पार्सल सेवाओं और अन्य प्राप्तियों से हुई है। रेल मंत्रालय ने 19 जनवरी तक 11,850 लाख टन कच्चे माल और वस्तुओं की ढुलाई की है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में आठ फीसदी ज्यादा है। बहरहाल ढुलाई की दूरी बढ़ने और नए बने ज्यादा क्षमता वाले विशेषीकृत वैगनों से सरकार को पिछले साल की समान अवधि की तुलना में राजस्व में 17 फीसदी वृद्धि करने में मदद मिली है, भले ही माल ढुलाई में मामूली वृद्धि हुई है। रेलवे के आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि शुद्ध टन किलोमीटर (एनटीकेएम), जिसका इस्तेमाल रेलगाड़ी द्वारा तय की गई दूरी की गणना में होता है, पिछले 12 महीनों में 12 फीसदी बढ़ा है। इसी के अनुरूप प्रति एमटी राजस्व भी 101 करोड़ रुपये बढ़कर 108 करोड़ रुपये हो गया है। रेलवे के माल ढुलाई बास्केट में कोयला प्रमुख बना हुआ है। रेलवे ने ढुलाई में विविधीकरण लाने की कवायद की है, इसके बावजूद यह स्थिति बनी हुई है।

डब्ल्यूईएफ प्रमुख श्वाब ने कहा- वैश्विक संकट के बीच भारत चमकता सितारा, मोदी का नेतृत्व अहम

नई दिल्ली ।
विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक जलवायु, युद्ध और आर्थिक मुद्दों पर पांच दिनों की गहन चर्चा के बाद शुक्रवार को समाप्त हुई। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के संस्थापक व कार्यकारी चेयरमैन क्लॉल श्वाब ने वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक संकट के बीच भारत को एक चमकता सितारा बताया है। उन्होंने कहा किभारत को जी-20 की अध्यक्षता ऐसे महत्वपूर्ण समय पर मिली है, जब इस बंटी हुई दुनिया के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व महत्वपूर्ण है। पांच दिवसीय बैठक में चार केंद्रीय मंत्रियों और एक मुख्यमंत्री सहित लगभग 100 भारतीय नेताओं व प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने भाग लिया। डब्ल्यूईएफ की ओर से जारी बयान के अनुसार श्वाब ने कहा कि भारत जी-20 की अध्यक्षता के दौरान सभी के लिए एक न्यायसंगत और समान विकास को बढ़ावा देने के साथ घरेलू चुनौतियों के मोर्चे पर भी महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। डब्ल्यूईएफ की वार्षिक बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब कई संकटों ने विभाजन को गहरा कर दिया है। मंच भारत के साथ अपने 38 वर्ष के सहयोगी इतिहास को महत्व देता है और उम्मीद करता है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में जी-20 की भारत की अध्यक्षता में मददगार साबित होगी। डब्ल्यूईएफ के अध्यक्ष बोर्गे ब्रेंडे ने अपने समापन संबोधन

में कहा कि जलवायु कार्रवाई और विकास के समान लक्ष्यों पर उल्लेखनीय प्रगति के साथ यह आयोजन संपन्न हुआ। सोमवार को शुरू हुई इस बैठक में कई राष्ट्राध्यक्षों ने विशेष संबोधन दिया। इस दौरान राजनीति, व्यापार, शिक्षा जगत और सिविल सोसाइटी के लीडर पैनल में शामिल हुए चर्चा की। बैठक का विषय एक खंडित दुनिया में सहयोग था। ब्रेंडे ने कहा कि आज दुनिया भले ही खंडित हो लेकिन यहां उम्मीदें उभरी हैं। क्लॉल श्वाब ने कहा कि मुझे भारतीय मंत्रिस्तरीय प्रतिनिधिमंडल और उसके कई शीर्ष उद्योग प्रमुखों से मिलने का मौका मिला। मैं नवीकरणीय ऊर्जा के लिए भारत की निर्णायक कार्रवाई, वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल में उसके योगदान, महिलाओं के नेतृत्व वाली वृद्धि पर जोर और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के लिए भारत के नेतृत्व की सराहना करता हूं।

यात्रियों को छोड़ समय से पहले उड़ान भरने के मामले में डीजीसीए ने दिया बड़ा बयान, 18 जनवरी का है वाकया

नई दिल्ली ।
नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने शनिवार को कहा कि 18 जनवरी को अमृतसर-सिंगापुर उड़ान के समय में बदलाव कर यात्रियों को छोड़कर चले जाने के मामले में स्कूट की ओर से प्रतिक्रिया मिली है। नियामक के अनुसार अमृतसर हवाई अड्डे पर कोहरे की स्थिति को देखते हुए उड़ान के समय में बदलाव किया गया था। डीजीसीए ने एक बयान में कहा कि उसने स्कूट से 18 जनवरी को अमृतसर से सिंगापुर के लिए उड़ान भरने वाली उड़ान के संबंध में रिपोर्ट मांगी थी। इस वाकये में 17 यात्री प्रभावित हुए थे। दरअसल उनके ट्रैवल एजेंट ने उन्हें समय में बदलाव के बारे में सूचित नहीं किया था। दरअसल, अमृतसर के श्री गुरु रामदास इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बुधवार (18 जनवरी) को स्कूट एयरलाइन का एक विमान अपने पूर्व निर्धारित समय से पांच घंटे पहले रवाना हो गया था। इससे 35

यात्री एयरपोर्ट पर ही छूट गए थे। सिंगापुर और ऑस्ट्रेलिया जाने के लिए जब यात्री एयरपोर्ट पहुंचे उनका विमान उड़ान भर चुका था। उस दौरान 35 यात्रियों ने जमकर हंगामा किया था। वहीं, उड़ान के समय में बदलाव करने की वजह से यात्रियों को हुई परेशानी के लिए एयरलाइन ने माफी मांगी थी। प्रभावित यात्रियों को एयरलाइन की ओर से उपलब्ध कराए गए विकल्पों का हवाला देते हुए उड्डयन क्षेत्र की नियामक संस्था डीजीसीए ने कहा कि मामले में यात्रियों का ध्यान रखा गया। नियामक ने एयरलाइन की त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना की। डीजीसी ने अपने बयान में कहा- प्रभावित यात्रियों को 14 दिनों के भीतर दूसरी उड़ान में मुफ्त में बुकिंग करने, वाउचर के रूप में 120 प्रतिशत रिफंड या भुगतान के माध्यम से 100 प्रतिशत रिफंड करने का विकल्प दिया गया था। स्कूट सिंगापुर एयरलाइंस की कम लागत वाली सहायक कंपनी है।

पब्लिशर्स के साथ सही रेवेन्यू शेयर नहीं करती टेक कंपनियां : केंद्र सरकार ने कहा-

गूगल जैसी टेक कंपनियों को पब्लिशर्स को रेवेन्यू का उचित हिस्सा देना चाहिए

नई दिल्ली ।
भारत सरकार ने कहा कि बड़ी टेक कंपनियां जो अपने सर्च रिजल्ट और फीड में न्यूज को दिखाकर (फ्नल) प्रॉफिट कमाती हैं, उन्हें पब्लिशर्स को रेवेन्यू का उचित हिस्सा देना चाहिए। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर और सूचना और प्रसारण सचिव अपूर्वा चंद्रा दोनों ने पत्रकारिता के भविष्य और न्यूज इंडस्ट्री की फाइनेंशियल हेल्थ के लिए इस मुद्दे के महत्व पर जोर दिया। दोनों ने प्रमुख भारतीय समाचार प्रकाशकों के संगठन डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स एसोसिएशन (डीएनपीए) की आयोजित एक कॉन्फ्रेंस में ये बात कही। चंद्रशेखर ने कहा, डिजिटल मीडिया में एडवर्टाइजमेंट की ताकत बढ़ी है। इससे होने वाली आमदनी ने पूरे तंत्र में असंतुलन पैदा किया है। छोटे ग्रुप और डिजिटल कंटेंट बनाने वाले लाखों लोगों को इससे नुकसान हो रहा है। अभी डिजिटल कंटेंट बनाने वालों का कंटेंट मॉनेटाइजेशन पर कंट्रोल नहीं है। कंटेंट से होने वाली कमाई को लेकर उनकी जरूरतों और बड़ी टेक कंपनियों के पास जो ताकत है, उसे लेकर असंतुलन है।

हमें उम्मीद है कि डिजिटल इंडिया कानून इस समस्या को हल करेगा। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में दो साल पहले पारित कानून का जिक्र किया जहां फेसबुक और गूगल जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्मों को मीडिया आउटलेट के कंटेंट का इस्तेमाल करने के लिए सही रेवेन्यू शेयर करना पड़ता है। भारत और दुनिया के कई हिस्सों में पारंपरिक न्यूज इंडस्ट्री की डिजिटल ब्रांच बड़ी टेक कंपनियों की एंटीट्रस्ट मोनोपोलिस्टिक प्रैक्टिसेस पर सवाल उठाती आई हैं।

डिजिटल मीडिया पूरी तरह से बदल जाएगा

चंद्रशेकर ने ये भी कहा कि उन्होंने तीन दशक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में गुजारे हैं, लेकिन अभी सबसे दिलचस्प दौर में जी रहे हैं। चैट जीपीटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी चीजें कई मायनों में डिजिटल मीडिया को बदलकर रख देंगी। आज भारत में 80 करोड़

लोग इंटरनेट से जुड़े हुए हैं। यह दुनिया का सबसे बड़ा इंटरनेट जमावड़ा है। 2025-26 तक हो सकता है कि देश में 100 करोड़ लोग इंटरनेट जुड़े जाएंगे। इंटरनेट भी अब बदल चुका है। यह 10 साल पहले जैसा इंटरनेट नहीं है। भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड, डिजिटल इकोनॉमी से इंटरनेट का विकास होगा।

कनाडा के बार्गेनिंग कोड जैसे कानून बनने चाहिए

बीते दिनों पब्लिशर-प्लेटफॉर्म रिलेशनशिप को डिकोड करने के तरीकों पर मंथन के लिए डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स एसोसिएशन के दूसरे डायलॉग का आयोजन भी किया गया था। इसमें कनाडा और अमेरिका के लीडिंग एक्सपर्ट्स ने कहा था कि भारत सहित दुनिया भर के देशों को कनाडा के बार्गेनिंग कोड जैसे कानून अपने यहां भी बनाना चाहिए। दरअसल, गुगल, फेसबुक जैसी बिग टेक कंपनियों को दुनिया के कई हिस्सों में मीडिया हाउस उनके कंटेंट के इस्तेमाल को लेकर चुनौती दे रहे हैं। मीडिया हाउसेज चाहते हैं कि उन्हें उनके कंटेंट के बदले बिग टेक कंपनियां सही रेवेन्यू दें।

कानून बनाना ही एकमात्र तरीका

कनाडा के एक्सपर्ट टेलर ओवेन, पॉल डेगन और अमेरिका के डॉ. कर्टनी रैड्श इस बात पर सहमत हुए थे कि टेक कंपनियां जो वॉलंटरी डील्स मीडिया आउटलेट्स के साथ करती हैं वो काफी नहीं है। बिग टेक कंपनियों के साथ सही डीलिंग के लिए कानून बनाना ही एकमात्र तरीका है। ओवेन, रैडश, और डीगन ने भारत को उन देशों में गिना, जिसे बाकी दुनिया को दिखाना चाहिए कि रेवेन्यू शेयरिंग ट्रांसपिरेंसी और जवाबदेही को लेकर पब्लिशर-प्लेटफॉर्म रिलेशन को कैसे रिबैलेंस किया जाए। कनाडा के ऑनलाइन न्यूज एक्ट का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि गूगल, फेसबुक जैसे बिग टेक डिजिटल न्यूज मीडिया के कंटेंट से जनरेट रेवेन्यू की सही शेयरिंग करें। यह एक्ट टेलीकॉम कमीशन को यह निगरानी करने का अधिकार देता है कि बिग टेक कंपनियां न्यूज आउटलेट्स के साथ कैसे डील करती हैं। मसौदा कानून, जिसे बिल सी-18 कहा जाता है, को 2022 की शुरुआत में संसद में पेश किया गया था।

अब महंगी घड़ी को लेकर ट्रोल हो रहे शाहरुख खान

– 4.74 करोड़ रुपए कीमत की पहन रखी थी घड़ी

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में शाहरुख एक इंटरनेशनल क्रिकेट लीग की ओपनिंग सेरेमनी में पहुंचे थे। इस दौरान जैसे ही उन्होंने अपने फैंस को वेव किया लोगों का ध्यान उनकी घड़ी पर गया और यहीं से उनके फोटो वायरल होना शुरू हो गए। दरअसल शाहरुख खान ने आ-डेमार्स पीगूएट नामक कंपनी की घड़ी पहन रखी थी। अब चौंकाने वाली बात ये नहीं है कि शाहरुख की घड़ी को लेकर वे वायरल हो रहे हैं बल्कि है इस घड़ी की कीमत। दरअसल शाहरुख की इस घड़ी की कीमत 4.74 करोड़ रुपये है। सेरेमिक एपी परपेचूअल कैलेंडर नामक ये घड़ी सिरेमिक के केस में आती है इसमें ग्लेयर प्रूफ सफायर क्रिस्टल्स लगे होते हैं। साथ ही इसके स्क्रू लॉक पर डायमंड होता है। इस घड़ी को स्पेशली सेलिब्रिटीज के लिए डिजाइन किया जाता है और ये ऑन ऑर्डर मेक होती है यानि इस घड़ी को बनवाने के लिए ऑर्डर देना पड़ता है। इस घड़ी का डाया 41 एमएम का है वहीं इसकी मोटाई 9.5 एमएम की है ये 20 मीटर वाटर रजिस्टेंस के साथ आती है. वहीं शाहरुख के घड़ी के साथ फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों के कुछ फनी कमेंट्स भी आ रहे हैं। ट्वीटर पर एक यूजर ने लिखा कि इस घड़ी की 40वीं कॉपी खरीद कर लाउंगी सरोजनी से 400 रुपये वाली। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा कि फिल्म का वीकेंड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन ही एसआरके ने हाथ में पहन लिया है। एक अन्य यूजर ने लिखा कि समय तो वही दिखता है या कुछ अलग है। क्या ये घड़ी भविष्य बताती है. शाहरुख खान अपनी महंगी गाड़ियों और एक्सेसरीज के लिए फेमस हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार शाहरुख के पास करीब 11 करोड़ से भी ज्यादा की घड़ियों का कलेक्शन है जिसमें दुनिया भर के महंगे ब्रांड्स की घड़ियां शामिल हैं। वहीं शाहरुख की वेल्थ की बात की जाए तो कुछ दिनों पहले ही किंग खान को दुनिया के सबसे अमीर एक्टर्स की लिस्ट में चौथे नंबर पर रखा गया था। इस मामले में उन्होंने हॉलीवुड एक्टर ब्रैड पिट को भी पछाड़ दिया था. किंग खान फिल्मी पर्दे पर 4 साल बाद पठान फिल्म से वापसी कर रहे हैं। ये फिल्म 25 जनवरी को रिलीज हो रही है। इस फिल्म में उनके साथ दीपिका पादुकोण भी है।

अभिनेता अक्षय की फिल्म पैडमैन देख सफल उद्यमी बने रवि कुमार

कोसी सेनेटरी पैड बनने की कंपनी शुरू कर दी 7 लोगों को रोजगार दे रहे

पटना (ईएमएस)। अभिनेता अक्षय कुमार की फिल्म पैडमैन आपने देखी होगी। फिल्म में अक्षय ने महिलाओं को गंदे कपड़े इस्तेमाल करते हुए देख पैड बनानी की सोची थी। इसी फिल्म को देखकर खगड़िया के रवि कुमार को प्रेरणा मिली। आज सिर्फ रवि सफल उद्यमी ही नहीं है बल्कि उन्होंने दूसरे लोगों को भी रोजगार दिया है। खगड़िया जिले के नीरपुर पंचायत के लक्ष्मीपुर निवासी रवि कुमार आज सफल उद्यमी हैं। रवि ह्यकोसी सेनेटरी पैड नाम से पैड बनाते हैं। पैड बनाने का उद्योग उन्होंने अपने गांव लक्ष्मीपुर में ही लगा रखा है जहां रोजाना आठ से 10 हजार पैड का निर्माण किया जा रहा है। प्रति माह दो से ढाई लाख पैड का निर्माण किया जा रहा है। कोसी सेनेटरी पैड की सात पीस के एक पैकेट की कीमत 40 रुपये है। लक्ष्मीपुर से पैड खगड़िया सहित बेगूसराय समस्तीपुर मुजफ्फरपुर पूर्वी चंपारण भागलपुर सहरसा सुपौल और मधेपुरा ब्रिकी के लिए जाते हैं। वहीं रवि की पैड बनाने की इकाई से सात लोगों को सीधे तौर पर रोजगार मिला है। पैड निर्माण का उद्योग लगाने के विचार पर रवि कहते हैं कि 2020 में वे दिल्ली में रहते थे। लॉकडाउन के दौरान वे बेरोजगार हो गए। हालात इसतरह के बने की उन्हें घर लौटना पड़ा। घर पर भी रोजी-रोटी को लाले पड़ रहे थे। इसी दौरान अक्षय कुमार की फिल्म पैडमैन देखी। फिल्म ह्यपैडमेन ने रवि की किस्मत ही बदल दी। इस फिल्म से प्रेरणा लेकर बिजनेस शुरू किया। आज वे सफल उद्यमियों में शुमार हैं। रवि अपनी भविष्य की योजना के बारे में बताते हैं कि उनका लक्ष्य है कि उनके बनाए गए पैड राज्य के कोने-कोने में भेजे जाए। इतना ही नहीं रवि महिलाओं को स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक भी करते हैं। वे उन्हें पैड के महत्व से अवगत कराते हैं। वे ग्रामीण इलाकों में महिलाओं को बताते हैं कि कैसे पैड का उपयोग कर बीमारियों से दूर रहा जा सकता है। रवि का कहना है कि इस साल मार्च से डायपर का भी निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। इससे रोजी-रोजगार का दायरा बढ़ेगा और नए-नए लोगों को काम मिलेगा। रवि कहते हैं कि सरकार की योजनाओं का लाभ लेकर अगर ईमानदारी से काम किया जाए तब खुद के साथ-साथ समाज को भी लाभ मिल सकता है। उद्योग सिर्फ शहर में ही नहीं बल्कि सुदूर देहात में भी पुष्पित-पल्लवित हो सकता है।

कंगना ने इंस्टा स्टोरी में शेयर की फैशन की क्लिप बताया तब नहीं जानती थी क्या होता है स्वैग का अर्थ

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म इमरजेंसी की शूटिंग में व्यस्त हैं। सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग को लेकर फोटोज-वीडियो शेयर करती रहती हैं। इसी बीच कंगना ने अपनी फिल्म फैशन का एक वीडियो क्लिप शेयर की है जिसमें वह ड्रिंक करते और रैंप पर कैटवॉक करती नजर आ रही हैं। मधुर भंडा-रकर की इस फिल्म में कंगना का रोल छोटा था लेकिन दमदार था। कंगना रनौत ने फैशन की एक वीडियो क्लिप इंस्टा स्टोरी पर शेयर की है और स्वैग के बारे में बताया। कंगना इस फिल्म के क्लिप में बैक स्टेज ड्रिंक करती नजर आ रही हैं। शो से जुड़ी लड़की उन्हें स्टेज पर जाने के लिए कहती है और कंगना स्वैग में कैटवॉक करती हुई नजर आ रही हैं। इस वीडियो में प्रियंका चोपड़ा मुग्धा गोडसे भी दिख रही हैं। कंगना ने इस वीडियो को शेयर कर कैप्शन में लिखा जब मैं 18 साल की टीनएजर थी तो स्वैग नाम का एक शब्द भी होता है ये पता नहीं था मेरे पास था हाहाहा इसके साथ ही पैदा होते हैं कोई सिखा नहीं सकता। उन्होंने इसके साथ विंक इमोजी शेयर की है। बता दें कि मधुर भंडारकर ने ग्लैमर वर्ल्ड की चमकीली दुनिया से प्रभावित होकर मॉडल बनने की कहानी को प्रियंका चोपड़ा और कंगना रनौत के जरिए दिखाया था। फैशन फिल्म में कंगना भले ही लीड रोल में नहीं थी लेकिन जब फिल्म रिलीज हुई तो कंगना चर्चा में आ गईं थीं। कंगना की एक्टिंग ही थी कि उन्हें छोटे से रोल के लिए अवॉर्ड मिल गया था। कंगना के लिए प्रियंका के साथ काम करना बड़ी बात थी। शानदार परफॉर्मेंस के लिए प्रियंका को जहां बेस्ट एक्ट्रेस तो कंगना को बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला था।

करीना ने किया एक्शन से भरपूर वीडिया पोस्ट

एक्ट्रेस करीना कपूर खान ने कुछ नया करने की ओर इशारा करते हुए इंस्टाग्राम पर एक छोटा वीडियो पोस्ट किया है। करीना कपूर खान ने इंस्टाग्राम पर एक एक्शन से भरपूर वीडिया पोस्ट साझा किया है। वीडियो में देखा जा सकता है करीना काले रंग की ड्रेस पहने हुए हैं और एक्शन मोड में जमीन पर बिजली की तरह गिरती हैं। वीडियो ने कई फैंस को सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ करीना की लोकप्रिय सुपरहीरो फिल्म रावन की याद दिला दी। करीना कपूर हंसल मेहता की अनटाइटल्ड फिल्म और सुजॉय घोष के जापानी उपन्यास द डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स पर आधारित फिल्म में नजर आएंगी। करीना क्रू में भी नजर आएंगी जिसमें तब्बू और कृति सेनन भी हैं। करीना ने वीडियो केकैप्शन में लिखा कि यह इतना बड़ा रहस्य नहीं है आपको बस इतना करना है कि अच्छी तरह से पूछें। वह 27 जनवरी को इसकी घोषणा करेंगी।

मुंबई के लॉन्च इवेंट में पहुंचे रणबीर व आलिया

बॉलीवुड कपल आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने गत दिवस बुधवार को मुंबई में एक इवेंट में शामिल होने के लिए अपनी पारिवारिक कार्य से कुछ समय निकाला। कपल मुंबई प्रेस क्लब में आयोजित मुंबई मोमेंट्स 2023 लॉन्च इवेंट में मेहमान बनकर पहुंचा जहां दोनों सितारों उनके परिवार की ढेर सारी तस्वीरों के साथ किया गया। इवेंट से कपल की ये तस्वीरें अब इंटरनेट पर खूब चर्चा बटोर रही हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि लॉन्च इवेंट के लिए आलिया भट्ट कैजुअल लुक में नजर आईं। ग्रे क्रॉप टॉप के साथ ब्लेजर और मैचिंग पैंट में एक्ट्रेस ने अपने लुक को कंप्लीट किया। नो मेकअप लुक और खुले बालों में आलिया का अंदाज देखते ही बन रहा है। वहीं रणबीर कपूर व्हाइट टी-शर्ट के साथ मैचिंग जैकेट और ब्लू डेनिम में डैपर लग रहे हैं। जैसे ही आलिया-रणबीर ने इवेंट में शिरकत की दीवारों पर अपनी अलग-अलग अंदाज की फोटोज देख दोनों हैरान रह गए। कपल अपनी और पि-रवार की फोटोज को ध्यान से देखता नजर आया। इस दौरान रणबीर-आलिया ने मीडिया के लिए भी जबरदस्त पोज दिए।

किम कार्दशियां ने 2 लाख डॉलर में खरीदा राजकुमारी डायना का नेकलेस

रियलिटी टीवी स्टार किम कार्दशियां ने राजकुमारी डायना का एक नेकलेस करीब दो लाख डॉलर में खरीदा है। 42 वर्षीय रियलिटी सुपरस्टार ने कथित तौर पर सोथबी के वार्षिक रॉयल निकॉल नीलामी में 197453 डॉलर में दिवंगत राजकुमारी द्वारा पहना गया हीरे से जड़ा नीलम अट्टाल्लाह क्रॉस नेकलेस खरीदा। राजकुमारी डायना की मृत्यु 1997 में 36 वर्ष की आयु में एक कार दुर्घटना में हो गई थी। एक बयान में सोथबी लंदन के आभूषण प्रमुख क्रिस्टियन स्पोफोर्थ ने कहा यह अपने आकार रंग और शैली से गहनों का एक बोल्ड पीस है। चाहे वह विश्वास के लिए हो या फैशन के लिए या वास्तव में दोनों। हमें खुशी है कि इसको विश्व स्तर पर प्रसिद्ध नाम के हाथों में जाने का मौका मिला है।

शिव और निमृत भिड़ेंगे एक-दूसरे से

बिग बॉस 16 के अगले एपिसोड में टिकट टू फिनाले वीक में कैप्टेंसी पोजिशन हासिल करने के लिए शिव और निमृत को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा किया जाएगा। आगामी एपिसोड में शालीन भनोट और सौंदर्या शर्मा निमृत कौर अहलूवालिया को उनके दोस्त शिव ठाकरे के खिलाफ भड़काने की पूरी कोशिश करेंगी। साझा किए गए एक प्रोमो में सौंदर्या निमृत से यह सोचने के लिए कह रही है कि कैसे शिव ने कप्तान के लिए योग्य उम्मी-दवारों के रूप में प्रियंका चौधरी और एमसी स्टेन के नाम लिए। शालिन भी निमृत से ऐसा ही कहते हैं। और उससे कहते हैं कि देखें कि वास्तव में उसकी तरफ कौन है। निमृत ने शिव से कहा तुमने प्रियंका का नाम लिया। वह प्रियंका और टीना जो हमारे समूह को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। निमृत बाद में सौंदर्या से कहती हैं सब कुछ सिर्फ 150 कैमरों के लिए है। असल में क्या है। अगर मैं स्टेन के शब्दों में कहूं अल्लाह उनको कामयाबी दे। शिव स्टैन से अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहते हैं कि निमृत परेशान और भावुक है लेकिन शालिन के साथ बंधन बना रही है।

माधुरी को याद आई गुरु के गीत नानारे... बरसो रे की

नब्बे के दशक में करोड़ों दिलों पर राज करने वाली बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित इन दिनों सोशल मीडिया पर खासी सक्रिय हैं। न्यू मीडिया माध्यमों का वे जमकर उपयोग करती हुई देखी जा सकती हैं। अभी उनके सोशल मीडिया पर फिल्म कला के गाने घोड़े पे सवार पर थिरकते हुए डाले वीडियो की चचाएँ जोरों पर हैं। तभी उन्होंने एक ओर नया वीडियो डांस करते हुए जारी कर किया है। इस बार उन्होंने कलाकार। संगीत निमार्ता और नर्तक प्रीटो द्वारा रेनिक्स ए.आर. रहमान के रचित फिल्म गुरु के गीत "नानारे"/"बरसो रे" मूल रूप से जिसे श्रेया घोषाल द्वारा गाया गया था, को लोगों के बीच साझा किया है। दरअसल इस गीत को एश्वर्या राय पर फिल्माया गया था। बता दें कि 'गुरु' 2007 की एक बॉलीवुड ड्रामा है, जो भारत के बिजनेस टाइकून धीरूभाई अंबानी पर आधारित है, जिन्होंने रिलायंस इंडस्ट्रीज की स्थापना की थी। मणिरत्नम द्वारा निर्देशित, फिल्म में अभिषेक बच्चन, ऐश्वर्या राय मुख्य भूमिका में हैं और आर माधवन, विद्या बालन, आर्य बब्बर, मिथुन चक्रवर्ती सहायक भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का संगीत ए.आर. रहमान गुलजार के बोल के साथ सभी के सामने आया था। 'बरसो रे' को श्रेया घोषाल ने गाया है और इसमें हमेशा तेजस्वी ऐश्वर्या राय बच्चन को बारिश में खुशी से नाचते हुए दिखाया गया है! 'गुरु' के साउंडट्रैक ने ए.आर. के लिए सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन के लिए फिल्मफेयर, आईफा, जी सिने और स्टारस्क्रीन पु-रस्कार सहित कई पुरस्कार जीते। रहमान। श्रेया घोषाल ने इस गाने के लिए बेस्ट प्लेबैक सिंगर फीमेल के वही चार अवॉर्ड जीते थे। इसके पहले माधुरी ने जो वीडियो इंस्टाग्राम अकाउंट पर डांस करते हुए शेयर किया है उसके कैप्शन में लिखा, 'बलमा घोड़े पे क्यों सवार हैं?' माधुरी के इस डांस वीडियो को फैंस बेहद पसंद कर रहे हैं, लेकिन जब उन्होंन गुरु की धुन नए अंदाज में शेयर की तो लोग उसे भी देखने और सुनने उतावले दिखाई दिए हैं। वीडियों को पसंद करनेवालों की संख्या कुछ ही घंटे में हजारों पार गई अब वह एक लाख की संख्या पार करने को है।

पारिवारिक कलह के बावजूद गहरे दोस्त हैं रामचरण और जूनियर एनटीआर, साथ में किया अभिनय

मुंबई, (हि.स.)। हम सभी जानते हैं कि हर फिल्म इंडस्ट्री में बड़े परिवारों से कुछ अभिनेता होते हैं। तमिल फिल्म इंडस्ट्री की बात करें तो एनटी-ोआर और चिरंजीवी की पारिवारिक परंपराएं कई दशकों से तेलुगु फिल्म जगत में बेहद लोकप्रिय हैं। कई बार ये खबर भी आ चुकी है कि इन दोनों परिवारों के बीच चीजें ठीक नहीं हैं। पुरानी रंजिश के बाद भी दोनों परिवारों के बच्चों ने न केवल एक ही फिल्म में अभिनय किया है, बल्कि हाथ पकड़ कर एक लोकप्रिय गीत में साथ निभाया, जिसे हाल ही में गोल्डन ग्लोब पुरस्कार मिला है। अब तो आप समझ ही गए होंगे कि हम यहां किन अभिनेताओं की बात कर रहे हैं। जी हाँ, हम बात कर रहे हैं तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के अभिनेता जूनियर एनटीआर और रामचरण की। जूनियर एनटीआर और रामचरण को एक नए इंटरव्यू में अपने परिवारों के 3 दशक लंबे झगड़े के बारे में बात करते हुए देखा है। इसमें कुछ छिपा नहीं है कि जूनियर एनटीआर और रामचरण ऐसे परिवारों से हैं जिनकी लंबी विरासत है। जूनियर एनटीआर को तेलुगु फिल्म जगत में तारक के नाम से जाना जाता है, जो अभिनेता-राजनेता एनटी रामा-राव की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं, वहीं रामचरण तेलुगु सुपरस्टार चिरंजीवी के इकलौते बेटे हैं। इन दोनों परिवारों के बीच प्रतिद्वंद्विता के बावजूद, यह कहना झूठ नहीं है कि आरआरआर स्टार्स के प्रशंसक इन दोनों अभिनेताओं की दोस्ती से बहुत हैरान हैं। आज, अभिनेता न केवल स्क्रीन पर एक महान बंधन साझा करते हैं बल्कि कैमरे के पीछे भी करीबी दोस्त हैं।

अपने परिवार की दुश्मनी को दोस्ती में बदलने के बारे में बात करते हुए रामचरण ने कहा कि वह और जूनियर एनटीआर दुश्मनी की खबरों से बहुत थक चुके हैं और अब दोस्त बनना चाहते हैं। रामचरण ने कहा, "प्रतिद्वंद्विता की पूरी अवधारणा ने हमें एक साथ ला दिया।

सूडोकु नवताल- 6320

सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6319 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

अंकजाल - 7076

	15	22	40	43			15	21	
26		5		7	3	6		5	15
22	4		2		5		7		20
		8		7		4		6	35
			7		3		2		33
38		2		7		9	2	3	
40	5		5		3		7		8
19		8		4		8		3	24
18	5		7		3		7		17
	22	18			26	48	21	16	

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

अंकजाल 7075 का हल

	18	20	23		26	16	14	15	
12	2	7	3	4	5	4	9	2	20
20	7	5	8		7	5	3	8	23
15	2	6	7	9	3	7	2	5	17
29	7	2	5	7	8				
				7	3	6	4	5	25
16	2	5	6	3	4	7	8	8	23
23	5	8	6	4		6	8	7	21
21	3	5	6	7		3	2	7	12
	10	18	18	28		22	22	27	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6020

7	6		4			
2	28	4	33	7	35	4
	2	5				
5	28	3	38	6	34	1
	2		3		1	
3	31	2	31	1	30	6
			4		5	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6019 का हल

5	1	6	3	7	2	4
1	30	2	37	6	31	3
3	5	7	4	2	1	6
6	30	3	27	1	33	5
2	3	1	4	5	6	7
7	33	4	32	4	30	2
4	7	5	6	3	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

विमेंस आईपीएल टीमों की होड़ में 30 कंपनियां: अडाणी ग्रुप से लेकर हल्दीराम तक ने खरीदे टेंडर, नाम का ऐलान 25 जनवरी को

नई दिल्ली।

विमेंस आईपीएल टीमें खरीदने के लिए करीब 30 से ज्यादा कंपनियों ने टेंडर डॉक्यूमेंट खरीदे हैं। इन्हीं में से किन्हीं 5 कंपनियों को 25 जनवरी को टीमें मिलेंगी। डॉक्यूमेंट खरीदने वाली 30 कंपनियों में कई नई कंपनियां भी शामिल हैं। इनमें चेन्नई का श्रीराम ग्रुप, नीलगिरी ग्रुप काटकुरी ग्रुप समेत अपोलो और नमकीन बनाने वाली कंपनी हल्दीराम शामिल है।

सीमेंट कंपनियों का भी इंटरेस्ट – चेट्टीनाद सीमेंट और जेके सीमेंट ने भी डॉक्यूमेंट खरीदे। इंडिया सीमेंट्स कंपनी पहले से आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की टीम खरीदे हुए हैं। ऐसे में इस फ्रेंचाइजी लीग में एक और सीमेंट कंपनी की एंट्री हो सकती है। लीग में शारजाह वॉरियर्स टीम की मालिक काप्री ग्लोबल और अडाणी ग्रुप ने भी टेंडर डॉक्यूमेंट्स खरीद रखे हैं। पुरुष आईपीएल में शामिल सभी 10 टीमों के मालिकाना हक वाली कंपनियों ने महिला आईपीएल के टेंडर डॉक्यूमेंट भी खरीदे हैं। महिला आईपीएल टीमों का ऑक्शन 25 जनवरी को मुंबई में होगा। दिल्ली कैपिटल्स टीम की कंपनियां ने 2 अलग-अलग महिला आईपीएल टीम खरीदने में इंटरेस्ट दिखाया है। दोनों ने साथ मिलकर टीम खरीदने के लिए भी अलग से डॉक्यूमेंट खरीदे हैं। बीसीसीआई के टेंडर डॉक्यूमेंट की कीमत करीब 5 लाख रुपए थी। जिन भी 30 कंपनियों ने डॉक्यूमेंट खरीदे। जरूरी नहीं कि उन सभी कंपनियों ने महिला आईपीएल टीम खरीदने के लिए बोली लगाई हो। साथ ही टेंडर डॉक्यूमेंट में लिखा था कि महिला आईपीएल टीम खरीदने के लिए कंपनी की नेटवर्थ 1000 करोड़ रुपए होनी चाहिए। ऐसे में कई कंपनियों ने अपने नाम वापस ले लिए होंगे। टेंडर डॉक्यूमेंट 21 जनवरी को बिकना बंद हो जाएंगे।

मीडिया राइट्स से होगी बीसीसीआई की कमाई – बीसीसीआई ने महिला आईपीएल को लेकर बताया कि पहले साल में मीडिया राइट्स की बिक्री से उन्हें करीब 125 करोड़ रुपए मिलेंगे। वहीं, 2024 में उन्हें करीब 162 करोड़ रुपए मिलेंगे। 950 करोड़ रुपए (7.09 करोड़ प्रति मैच) में मीडिया राइट्स खरीदने वाली कंपनी वायकॉम 18 पर पहले साल में कम नुकसान होने की संभावना है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, महिला आईपीएल जीतने वाली टीम को बीसीसीआई के रेवेन्यू शेयर से 28.08 करोड़ रुपए मिलेंगे। दूसरे नंबर पर रहने वाली टीम को 27.20 करोड़, तीसरे नंबर की टीम को 26.33 करोड़, चौथे नंबर पर रहने वाली टीम को 25.45 करोड़ और आखिरी नंबर पर रहने वाली टीम के मालिकाना हक वाली कंपनी को 24.57 करोड़ रुपए मिलेंगे। 2027 तक हर साल ये रेवेन्यू शेयर भी बढ़ता जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

ब्राजीलियन फुटबॉलर डेनी अल्वेस रेप के आरोप में गिरफ्तार: स्पेनिश महिला ने लगाया आरोप, टीम को टोक्यो ओलिंपिक का गोल्ड जिताया था

स्पेन। ब्राजील को टोक्यो ओलिंपिक का गोल्ड जिताने वाले कप्तान डेनी अल्वेस को रेप केस में अरेस्ट किया गया हैं। उन्हें स्पेन से गिरफ्तार किया गया। 39 वर्षीय अल्वेस पर एक स्पेनिश महिला ने रेप के आरोप लगाए हैं। बताया कि कथित घटना 31 दिसंबर को बार्सिलोना के एक नाइट क्लब में हुई। अब अल्वेस को जज के सामने पेश किया जाएगा, जो आरोपों पर फैसला करेंगे। पुलिस ने मामले की ज्यादा जानकारी देने से इनकार किया है। वे मैक्सिकन क्लब पुमास से प्रोफेशनल्स फुटबॉल खेलते हैं। अल्वेस ने बार्सिलोना, युवेंटस और पेरिस सेंट-जर्मन जैसे बड़े क्लबों के लिए कई मेजर टाइटल जीते हैं।अल्वेस की कप्तानी में ब्राजील ने टोक्यो ओलिंपिक का गोल्ड मेडल जीता था। दानी अल्वेस ने महिला के आरोपों का खंडन किया है। फुटबॉलर ने कहा- हां, मैं उस जगह पर था और बाकी लोगों की तरह मस्ती कर रहा था, जो मुझे जानते हैं, उन्हें मालूम है कि मुझे डांस करना बहुत पसंद है। मैं दूसरों को डिस्टर्ब किए बिना डांस कर रहा था। मैं नहीं जानता कि वह महिला कौन है। आप एक बाथरूम में पहुंचें और आपको यह पूछने की जरूरत नहीं है कि वहां कौन है। मैं एक महिला या लड़की के साथ ऐसा कैसे कर सकता हूं। अल्वेस फुटबॉल के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्होंने अपने लंबे करियर में बार्सिलोना, युवेंटस और पेरिस सेंट-जर्मेन सहित कई एलीट क्लबों के साथ प्रमुख खिताब जीते हैं। वे बार्सिलोना के लिए डिफेंडर लियोनेल मेसी के साथ दाहिने फ्लैंक पर खेलते थे। दोनों ने 2008-2016 के बीच बार्सिलोना के लिए कई खिताब जीते।

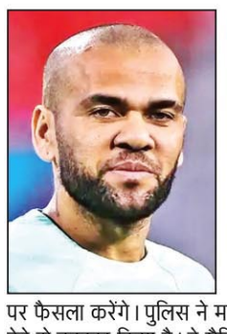

भारतीय महिला हॉकी टीम की लगातार तीसरी जीत: साउथ अफ्रीका को तीसरे मैच में 4-0 से हराया, आखिरी मैच रविवार को

केप टाउन। भारतीय महिला हॉकी टीम ने साउथ अफ्रीका को लगातार तीसरी बार उनके ही घर हराया। साउथ अफ्रीका दौरे के तीसरे मैच में भारत ने मेजबान को 4-0 से हराया। वंदना कटारिया ने 20वें, दीप ग्रेस एक्का ने 18वें, रानी रामपाल ने दूसरे और संगीता कुमारी ने 46वें मिनट में गोल दागे। भारत चार मैच की सीरीज में 3-0 से लीड बना ली है। अब सीरीज का आखिरी मैच रविवार को होगा। सीरीज में साउथ अफ्रीका अब तक एक ही गोल मार सका है। वहीं भारत ने अब तक तीन मैचों में मेजबान के खिलाफ 16 गोल स्कोर कर दिए है। भारत ने पिछले दो मैचों में दक्षिण अफ्रीका पर 5-1 और 7-0 से जीत दर्ज की थी। टीम ने पहले दो मैचों में काफी प्रभावशाली तरीके से खेला। टीम बेसिक्स पर टिकी रही और अनुशासित तरीके से गेम खेला। मैच की शुरुआत तेजी से हुई और भारत ने सर्कल में बेहतरीन मौके बनाए। मैच के दूसरे ही मिनट में रानी रामपाल ने बढ़त दिला दी। इससे टीम को फायदा हुआ, उन्हें खेल में जमने का समय मिल गया। टीम ने दूसरे क्वार्टर में विपक्षी टीम के बॉक्स में नए सिरे से शुरुआत की। 18वें मिनट में, दीप ग्रेस एक्का ने पेनल्टी कार्नर पर मिले चांस को अच्छी तरह कन्वर्ट किया। इसी तरह भारत ने 2-0 की बढ़त बना ली। तीसरा गोल इंडिया टीम की फॉरवर्ड प्लेयर वंदना कटारिया ने किया। उन्होंने 20वें मिनट में शानदार फिल्ड गोल दागा। वहीं 46वें मिनट में संगीता कुमारी ने मैच का आखिरी गोल दागा। भारतीय विमेंस हॉकी टीम की अगली सीरीज नीदरलैंड के खिलाफ होगी।

भारत विश्व कप जीतने का दावेदार : अश्विन

मुम्बई। बांग्लादेश और श्रीलंका के खिलाफ हाल की वनडे सीरीज जीतने ने भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को भारत को इस साल होने वाले वनडे विश्व कप को जीतने के लिए प्रबल दावेदार बताने के लिए प्रेरित किया है लेकिन अनुभवी ऑफ स्पिनर ने साथ ही रोहित शर्मा की टीम को चेताया है कि वह अपनी तैयारी में थोड़ी हलकी रह जायेगी क्योंकि उसने हाल में अपने वनडे ज्यादा संख्या में स्थलों पर खेले हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी टीमों ने अपने अंतर्राष्ट्रीय मैचों के लिए 4-5 ग्राउंड ही चुने हैं। अश्विन ने कहा कि 2011 विश्व कप के बाद से सभी टीमें घरेलू विश्व कप (2015 में ऑस्ट्रेलिया और 2019 में इंग्लैंड) जीतने में सफल रही हैं और 14-4 के जीत/हार रिकॉर्ड के साथ भारत खिताब जीतने का प्रबल दावेदार है। अश्विन ने यू ट्यूब चैनल पर एक वीडियो में कहा, भारत का 2019 विश्व कप के बाद से रिकॉर्ड प्रभावशाली है। भारत ने इस दौरान हर उस टीम के खिलाफ जीत हासिल की है जिसने इस दौरान भारत का दौरा किया है। इन टीमों में वेस्ट इंडीज, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका शामिल हैं।

भारत ने न्यूजीलैंड को 8 विकेट से हराया

सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाई, घर में लगातार 7वीं वनडे सीरीज अपने नाम की

रायपुर।

गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन और रोहित शर्मा की अर्धशतकीय पारी के दम पर भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला 8 विकेट से जीत लिया है। इस जीत के साथ ही भारत ने अपने घर में लगातार 7वीं वनडे सीरीज जीत ली है। टीम पिछले चार साल से होम वनडे सीरीज नहीं हारी है। यह वनडे में भारत की लगातार छठी जीत भी है।

रायपुर के शहीर वीर नरायण सिंह स्टेडियम पर भारत ने टॉस जीतकर बॉलिंग करने का फैसला लिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की टीम 34.3 ओवर में 108 रन ऑलआउट हो गई। उसकी ओर से ग्लेन फिलिप्स ने सबसे ज्यादा 36 रन बनाए। मिचेल सैंटनर ने 27 और पिछले मैच के शतकवीर माइकल ब्रेसवेल ने 22 रन बनाए। कीवी टीम के 8 बल्लेबाज 10 रन का आंकड़ा भी नहीं छू पाए।

भारत के लिए शमी ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। हार्दिक पंड्या और वॉशिंगटन सुंदर को 2-2 विकेट लिए। मोहम्मद सिराज, शार्दूल ठाकुर और कुलदीप यादव को एक-एक विकेट मिला। जवाब में भारत ने 20 ओवर में 2 विकेट पर जीत के लिए जरूरी रन बना डाले। कप्तान रोहित शर्मा (51 रन) अपना 48वां वनडे शतक बनाकर आउट हुए। रोहित ने शुभमन गिल के साथ 86 गेंद पर 72 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। पिछली 5 पारियों में दोनों ने चौथी बार 50+ की साझेदारी की।

108 रन पर सिमटी कीवी टीम

रायपुर में टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड 108 रन पर ऑलआउट हो गई। कीवी टीम के 8 बल्लेबाज दहाई 10 रन का आंकड़ा भी नहीं छू पाए। ग्लेन फिलिप्स ने सबसे ज्यादा 36 रन बनाए। मिचेल सैंटनर ने 27 और पिछले मैच के शतकवीर माइकल ब्रेसवेल ने 22 रन बनाए। भारत के लिए शमी ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। हार्दिक पंड्या और वॉशिंगटन सुंदर को 2-2 विकेट लिए। मोहम्मद सिराज, शार्दूल ठाकुर और कुलदीप यादव को एक-एक विकेट मिला।

भारतीय टीम पहला मैच जीतकर सीरीज में 1-0 से आगे है। इस मुकाबले में जीत मिलने पर सीरीज भारत के नाम हो जाएगी।

ऐसे गिरे न्यूजीलैंड के विकेट

पहला: मोहम्मद शमी ने पहले ओवर की 5वीं बॉल पर फिन एलेन को बोल्ड कर दिया। दूसरा : छठे ओवर की तीसरी बॉल पर मोहम्मद सिराज ने हेनरी निकोलस को स्लिप पर खड़े शुभमन गिल के हाथों कैच कराया। तीसरा : मोहम्मद शमी ने 7वें ओवर की पहली बॉल पर डेरिल मिचेल को कैच एंड बोल्ड किया। चौथा : 10वें ओवर की चौथी बॉल पर हार्दिक पंड्या ने कॉन्वे को कैच एंड बोल्ड किया। पांचवां : लॉथम को शुभमन गिल ने शार्दूल ठाकुर की बॉल पर कैच किया। छठा : मोहम्मद शमी ने 19वें ओवर की तीसरी बॉल पर ब्रेसवेल को ईशान किशन के हाथों कैच कराया। सातवां : 31वें ओवर में पंड्या ने सेंटनर को बोल्ड कर दिया। आठवां : 32वें ओवर की पहली बॉल पर वॉशिंगटन सुंदर ने ग्लेन फिलिप्स को डीप मिडविकेट पर कुलदीप यादव के हाथों कैच कराया। नौवां : 34वें ओवर की पहली बॉल पर सुंदर ने फर्ग्युसन को कुलदीप के हाथों कैच कराया। दसवां : कुलदीप यादव ने टेकनर को आउट करा दिया। टॉस जीतकर फैसला भूले रोहित, कॉल लेने में 20 सेकेंड लगे टॉस के दौरान एक मजेदार वाकया हुआ। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा टॉस जीतकर फैसला लेना भूल गए। दरअसल, टॉस जीतने के बाद रवि शास्त्री ने उनसे पूछा कि वे क्या कहना चाहते हैं। ऐसे में रोहित भूल गए कि वे क्या करना चाहते हैं। उन्हें कॉल लेने में 20 सेकेंड से ज्यादा समय लगा।

दोनों देशों की प्लेइंग-11

रोहित शर्मा ने पिछले मैच की प्लेइंग 11 में कोई बदलाव नहीं किया।

भारत : रोहित शर्मा, शुभमन गिल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन, हार्दिक पंड्या, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज।

न्यूजीलैंड : फिन एलेन, ड्वेन कॉन्वे, हैनरी निकोलस, डेरिल मिचेल, टॉम लॉथम (कप्तान), ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रेसवेल, मिचेल सेंटनर, हेनरी शिप्ले, लोकी फर्ग्युसन, ब्लेयर टेकनर।

पूर्व नंबर-1 खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव ऑस्ट्रेलियन ओपन से बाहर, जेसिका पेगुला और कोको गॉफ जीतीं

मेलबर्न।

दुनिया के पूर्व नंबर-1 खिलाड़ी रूस के दानिल मेदवेदेव ऑस्ट्रेलियन ओपन से बाहर हो गए। उन्हें तीसरे राउंड में हार का सामना करना पड़ा। टूर्नामेंट में सातवीं वरीयता प्राप्त मेदवेदेव को 29वीं वरीयता प्राप्त अमेरिका के सेबेस्टियन कोर्डा ने हरा दिया। कोर्डा ने इस मैच को 7-6 (9/7), 6-3, 7-6 (7/4) से अपने नाम किया। कोर्डा 1998 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने वाले पीटर कोर्डा के बेटे हैं। चौथे दौर में उनका मुकाबला पोलैंड के ह्यूबर्ट हरकच से होगा। महिलाओं में खिताब की दावेदार अमेरिका की जेसिका पेगुला ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए चौथे दौर में जगह बनाई। तीसरी वरीय अमेरिकी खिलाड़ी पेगुला लगातार तीसरी बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के चौथे दौर में पहुंची हैं। वह दमदार फॉर्म में चल रही हैं। उन्होंने यहां तीन मैच खेलते हुए छह सेटों में केवल 11 गेम गंवाए हैं। पेगुला ने महिला एकल में सिर्फ 65 मिनट में मार्टा कोस्तयुक को सीधे सेट में 6-0, 6-2 से हराया। अन्य अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ ने भी आसानी अगले दौर में प्रवेश किया। सातवीं वरीय गॉफ ने बर्नार्डा पेरा को 6-3, 6-2 से हराकर चौथे दौर में प्रवेश किया। अन्य मैचों में बारबरा क्रेसिकोवा महिला एकल में एनहेलिना कलिनिना को हराकर इस साल चौथे दौर में जगह बनाने वाली पहली खिलाड़ी बनीं। चेक गणराज्य की 20वीं वरीय खिलाड़ी क्रेसिकोवा ने यूक्रेन की खिलाड़ी के खिलाफ शुरुआती पांच गेम जीतकर दबदबा बनाया और फिर मुकाबला 6-2 6-3 से अपने नाम किया। क्रेसिकोवा ने अब तक तीन दौर में एक भी सेट नहीं गंवाया है। शीर्ष वरीय इगा स्विटेक ने स्पेन की क्रिस्टीना बुक्सा को सिर्फ 55 मिनट में 6-0, 6-1 से हराकर बाहर कर दिया। स्विटेक ने सीधे सेटों में यह मैच जीता। वहीं, विंबलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना ने पिछले साल फाइनल में जगह बनाने वाली अमेरिका की डेनियली कोलिंस को 6-2, 5-7, 6-2 से शिकस्त देकर उनका सफर समाप्त किया। स्टेफानोस सितसिपास और यानिक सिनर ने पुरुष एकल के चौथे दौर में जगह बनाई जहां वे आमने-सामने होंगे। सितसिपास और सिनर ने पांच बार एक-दूसरे का आमना-सामना किया है। इसमें सितसिपास ने चार बार जीत दर्ज की जबकि एक बार उन्हें हार मिली।

भारतीय हॉकी टीम के स्टार मिडफील्डर हार्दिक वर्ल्ड कप से बाहर: इंग्लैंड के खिलाफ मैच में हुई थी हैमस्ट्रिंग इंजरी; राज कुमार पाल टीम में शामिल

भुवनेश्वर।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के महत्वपूर्ण क्रॉसओवर मैच से पहले स्टार मिडफील्डर हार्दिक सिंह मेंस हॉकी वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ मैच के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग इंजरी हुई थी। हार्दिक को वेल्स के खिलाफ भारत के पूल के आखरी गेम के लिए आराम दिया गया था। हॉकी इंडिया ने इसकी जानकारी दी। हार्दिक की जगह राज कुमार पाल को टीम में शामिल किया जाएगा।

शुरुआत में चोट गंभीर नहीं लग रही थी – रैड – भारतीय हॉकी टीम के कोच ग्रैहम रैड ने कहा कि, शुरुआत में चोट इतनी गंभीर नहीं लग रही थी। रिहैबिलिटेशन और ऑन फील्ड अस्सेस्मेंट के बाद हमने फैसला लिया है कि, हम हार्दिक की जगह राज कुमार पाल को रेप्लस करेंगे। हार्दिक का वर्ल्ड कप अच्छा जा रहा था। वे इंजरी को लेकर दुखी है।

स्पेन के खिलाफ दागा था दूसरा गोल – पहले मैच में हार्दिक ने दूसरे क्वार्टर में फुल टाइम से पहले 26वें मिनट ने शानदार मैदानी गोल दागते हुए भारत को स्पेन के खिलाफ 2-0 की बढ़त दिलाई थी।

हार्दिक का यह दूसरा वर्ल्ड कप था – 24 साल के हार्दिक सिंह का यह दूसरा वर्ल्ड कप था। इससे पहले 2018 में भी वे टीम का हिस्सा थे। हार्दिक के दादा इंडियन नेवी में हॉकी के कोच रह चुके है।

ओलिंपिक और कॉमनवेल्थ गेम्स में जीता मेडल – हार्दिक सिंह ने 2020 टोक्यो ओलंपिक्स में टीम के

साथ ब्रॉन्ज मैडल जीता था। वहीं पिछले साल 2022 में कामनवेल्थ गेम्स में हार्दिक सिल्वर मेडल जीतने वाली टीम के भी हिस्सा थे। इसके अलावा उन्होंने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में एक बार गोल्ड और एक ब्रॉन्ज जीता हुआ है। हार्दिक सिंह 2021 में अर्जुन अवार्ड से नवाजे गए थे।

वेल्स को 4-2 से हराया – भारत ने हॉकी वर्ल्ड कप के अपने आखिरी पूल मैच में वेल्स को 4-2 से हराया था। भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में गुरुवार को भारत की ओर से आकाशदीप सिंह ने 2 गोल किए। जबकि शमशेर सिंह और हरमनप्रीत सिंह की स्टिक से एक-एक गोल आया। इस जीत के बावजूद भारतीय टीम सीधे क्वार्टर फाइनल में नहीं पहुंच सकी। भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ क्रॉसओवर मुकाबला खेलना होगा। उसमें जीत मिलने की स्थिति में टीम क्वार्टर फाइनल में जाएगी। भारत को डायरेक्ट क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए वेल्स के खिलाफ 8-0 से जीत की जरूरत थी।

रोनाल्डो को नए रसोइये की तलाश, 4.5 लाख रुपये होगी सैलरी

नई दिल्ली ।

पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने फीफा विश्व कप के बाद अपने पहले मैच में कमाल का खेल दिखाया। उन्होंने दोस्ताना मैच में दो गोल किए और प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। हालांकि, रोनाल्डो अपने निजी जीवन में परेशानी झेल रहे हैं। अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुके रोनाल्डो अपने पुर्तगाल में स्थायी रूप से रहने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन उन्हें कोई रसोइया नहीं मिला रहा है। रोनाल्डो को रसोइया न मिलने की वजह उनकी मांग है। रोनाल्डो और जॉर्जिना अपने बच्चों के साथ पुर्तगाल में नए घर में रहने के लिए तैयार हैं। इसके लिए उन्हें एक ऐसा शेफ चाहिए, जिसे पुर्तगाली खाने के साथ अन्य अंतरराष्ट्रीय डिश बनानी भी आती हों। शूशी भी इनमें से एक है। रोनाल्डो की इसी मांग की वजह से कोई शेफ उन्हें नहीं मिल रहा है। क्योंकि ऐसे लोग बहुत कम हैं, जिन्हें पुर्तगाल के सभी तरह के व्यंजन के साथ विदेशी डिश बनानी भी आती हो। रोनाल्डो अपने शेफ को 4500 पाउंड (4.5 लाख रुपये) हर महीने देने को तैयार हैं, लेकिन उन्हें कोई शेफ नहीं मिल रहा है। पांच बार के बैलन डीओर विजेता अपने शानदार करियर के अंतिम चरण का आनंद ले रहे हैं और पुर्तगाल के क्विंटा दा मारिन्हा में

अपने परिवार के लिए एक हवेली बना रहे हैं। कहा जाता है कि 38 वर्षीय रोनाल्डो ने सितंबर 2021 में जमीन खरीदी थी और उनका सपनों का घर जून 2023 तक पूरा होने वाला है। इसकी कीमत 17 मिलियन पाउंड (170 करोड़ रुपये) के करीब बताई जा रही है। रोनाल्डो पिछले महीने सऊदी अरब पहुंचे, जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। वह 2.5 साल के अनुबंध पर सऊदी अरब के क्लब अल नस्र में शामिल हुए थे। उनके साथ उनकी गर्लफ्रेंड जॉर्जीना रोड्रिग्ज और उनके बच्चे भी थे। रोनाल्डो को स्थायी निवास की तलाश है और फिलहाल उनका परिवार रियाद के फोर सीजन्स होटल में एक सुइट में रह रहा है।

रोनाल्डो ने अल नस्र के साथ करार करने के बाद रोनाल्डो ने अपना पहला मैच रियाद 11 के लिए खेला। पीएसजी के खिलाफ इस दोस्ताना मैच में रोनाल्डो ने दो गोल किए और प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। हालांकि, उनकी टीम को 4-5 के अंतर से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में पीएसजी के लिए लियोनल मेसी के अलावा किलियन एम्बाप्पे और नेमार जैसे सितारे भी खेल रहे थे।

आखिर बृजभूषण पर गिरी गाज, जांच होने तक पद से हटेंगे, बजरंग बोले- विरोध ले रहे हैं वापस

नई दिल्ली।

भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धरने पर बैठे पहलवानों ने केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से बातचीत के बाद विरोध प्रदर्शन खत्म कर दिया। सरकार ने पूरे मामले की जांच के लिए एक निरीक्षण समिति बनाने का एलान किया है। इस समिति को चार हफ्ते में जांच पूरी कर रिपोर्ट सौंपनी होगी। इस रिपोर्ट के आधार पर सरकार अंतिम फैसला लेगी। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रदर्शन कर रहे पहलवानों के साथ बैठक की। बैठक के बाद केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि बैठक के दौरान खिलाड़ियों ने अपनी मांगें रखीं और हमने इस पर चर्चा की। हमने रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) को नोटिस जारी किया था, जब आरोप लगाए गए थे और उन्हें 72 घंटे के भीतर जवाब देने के लिए कहा था।

जांच पूरी होने तक पद से हटेंगे बृजभूषण – केंद्रीय खेल मंत्री ने कहा कि यह निर्णय लिया गया है कि एक निरीक्षण समिति का गठन किया जाएगा और उसके लिए नामों की घोषणा की जाएगी। समिति चार सप्ताह में अपनी जांच पूरी करेगी और डब्ल्यूएफआई और उसके प्रमुख के खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों की गहन जांच करेगी। अनुराग ठाकुर ने कहा कि कुश्ती महासंघ के प्रमुख बृजभूषण सिंह निरीक्षण समिति द्वारा जांच पूरी होने तक चार सप्ताह के लिए भारतीय कुश्ती संघ से अलग हो जाएंगे और वह जांच में शामिल होंगे। जांच पूरी होने तक डब्ल्यूएफआई की दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों पर एक समिति नजर रखेगी। निगरानी समिति उनके खिलाफ लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच करेगी।

समिति देखेगी संघ का कामकाज – मामले की जांच होने तक न सिर्फ बृजभूषण बल्कि अन्य पदाधिकारी भी

कुश्ती संघ के कार्य से दूर ही रहेंगे। तब तक यह समिति ही संघ का कामकाज देखेगी। इससे पहले, खेल मंत्री लगातार तीन दिनों से अपनी मांग पर अड़े पहलवानों को पांच घंटे की दूसरे दौर की बैठक के बाद मनाने में सफल रहे। शिकायतों के निवारण के आश्वासन पर पहलवानों ने धरना खत्म करने का फैसला किया। बैठक के बाद खेल मंत्री ठाकुर, विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक समेत कई पहलवानों ने साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। पहलवानों ने बृजभूषण पर यौन उत्पीड़न, वित्तीय अनियमिता व प्रशासनिक लापरवाही समेत कई आरोप लगाए हैं। इससे पहले दिन में बृजभूषण ने इस्तीफा देने से इनकार करते हुए कहा था कि उन्होंने मुंह खोला तो सुनामी आ जाएगी।

पूनिया ने विरोध वापस लेने का किया एलान – पहलवान बजरंग पुनिया ने कहा कि केंद्रीय खेल मंत्री ने हमारी मांगों को सुना और उचित जांच का आश्वासन दिया। मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं और हमें उम्मीद है कि निष्पक्ष जांच होगी और सच सामने आएगा, इसलिए हम विरोध वापस ले रहे हैं।

ओलंपिक संघ ने भी बनाई समिति – पहलवानों के शिकायती पत्र पर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने भी बैठक बुलाकर मामले की जांच के लिए सात सदस्यीय समिति बनाई है। यह समिति एथलीट कमीशन की अध्यक्ष एमसी मैरीकॉम के नेतृत्व में बनाई गई है। यह समिति बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच करेगी। जांच समिति में मैरीकॉम के अलावा सहदेव यादव, अलकनंदा अशोक, तीरंदाज डोला बनर्जी, पहलवान योगेश्वर दत्त के अलावा वकील तलिश राय व श्लोक चंद्रा शामिल हैं। समिति पहलवानों से मिलकर आरोपों के साक्ष्यों पर बात करेगी।

किसी की दया पर नहीं, चुना हुआ अध्यक्ष हूं: बृजभूषण – भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष और कैसरगंज से सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने आरोपों को मनगढ़ंत बताया। यौन शोषण के आरोपों पर कहा, सब झूठ बोल रहे हैं और लोग जान भी रहे हैं। मैंने मुंह खोला तो सुनामी आ जाएगी। इस्तीफे पर कहा कि मुझे इस्तीफा देने के लिए नहीं कहा गया है। 24 घंटे में जवाब देने को कहा गया है। जवाब भेज दूंगा।

दिमाग तेज करने के लिए चाहिए केवल 40 सेकेंड

हमारा दिमाग

कभी-कभी यह ख्याल आता है कि दिमाग भी कितने काम की चीज़ है, इतना छोटा-सा होकर भी हमारे पूरे शरीर पर नियंत्रण रखता है दिमाग। दिमाग की शिक्तयों का अंदाजा भी हम नहीं लगा सकते, यह हरदम हमारे लिए काम करता है। जब हमें दिमाग की जरूरत हो यह हाजिर रहता है, हर बेशक थक जाएं लेकिन दिमाग चलता रहता है।

दिमाग कभी थकता नहीं

वो बात अलग है कि जब हम दिमागी रूप से थक चुके होते हैं तो खुद से यही कहते हैं कि आज दिमाग काम नहीं कर रहा, लेकिन हम गलत हैं। उस समय भी दिमाग चल रहा है, वह हजार तरह के ख्याल बुन रहा है। उस समय भी दिमाग में वह सभी चिंताएं, वह सभी ख्याल चल रहे हैं जिसे हम पूरा करना चाहते हैं लेकिन थकान के चलते दोष अपने दिमाग को देते हैं।

साइंस के तथ्य

क्या आप जानते हैं कि साइंस के मुताबिक इस सृष्टि में हर मनुष्य को एक जैसा दिमाग मिलता है, बस उसे कैसे इस्तेमाल किया जाए और सक्षम बनाया जाए यह भिन्न-भिन्न लोगों पर निर्भर करता है। शायद आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन यह सत्य है कि दिमाग के पास बातों को याद रखने की कोई सीमा नहीं होती।

अनिगनत बातें याद रखता है दिमाग

जी हां.... आप चाहे तो हजारों बातें, लाखों या करोडो बातें भी अपने दिमाग में भर सकते हैं। दिमाग कभी भी यह नहीं कहेगा कि मैं भर गया हूं और अब और बातें याद नहीं रख सकता। यह केवल हमारी मानिसक आवस्था है कि हम समय-समय पर जब बातों को दोबारा दोहराते नहीं हैं तो उन्हें भूलते जाते हैं।

सक्षम है

हमार दिमाग अनिगनत बातों को याद रख सकने में सक्षम होता है तो फिर हम बातों को भूलते क्यों जाते हैं? कुछ समय बाद नहीं, बल्कि कुछ ही पलों के बाद कई बार हम बातों को सही से याद नहीं कर पाते।

आंखों देखी बातें

साइंस का मानना है कि सुनने की तुलना में जो चीज़ें देखी गई हों वह और भी अच्छे से याद रहती हैं, लेकिन कई बार ऐसा होता है कि आंखों देखी बातें भी हम कुछ ही पलों में भूल जाते हैं। पूरी तरह से नहीं तो कम से कम उन्हें उसी रूप में याद रख सकना हमारे लिए असंभव-सा हो जाता है।

याद रखने की क्षमता

आज इन बातों को सामने रखने के पीछे हमारा एक कारण है, कुछ समय पहले ही बीबीसी ऑनलाइन में प्रकाशित एक रिपोर्ट पढी जिसमें यह लिखा था कि कैसे हम एक आसान तरकीब से लंबे समय तक बातों को याद रख सकते हैं। आज वही रिपोर्ट आपके साथ यहां साझा करने जा रहे हैं

एक शोध

बीबीसी ऑनलाइन में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक शोधकर्ता क्रिस बर्ड्स ने दिमागी ताकतों पर शोध किया है। उनकी रिपोर्ट में यह सवाल उठाया गया है कि आखिरकार वह क्या कारण है जिससे हम बातों को लंबे समय तक याद नहीं रख पाते।

भूलने क्यों लगते हैं

बर्ड्स का कहना है कि कई बार हम आंखों से कोई दृश्य देखते हैं, लेकिन जब दोबारा से हमसे कोई उस दृश्य की व्याख्या मांगता है तो हम उसे टूटे-फूटे अंदाज़ में बताते हैं। असल में किस घटना के बाद कौन सा पल आया हम ठीक से याद नहीं कर पाते हैं, ऐसा क्यों!

दृश्य देखने के तुरंत बाद

इसका उत्तर और साथ ही इसका समाधान निकालने के लिए भी बर्ड्स ने कुछ लोगों पर शोध किया। इस शोध के अंतर्गत उसने कुछ लोगों को ब्रेन स्कैनर के भीतर रहते हुए यूट्यूब पर कुछ वीडियो देखने को कहा। वीडियो देखने के तुरंत बाद ही कम से कम 40 सेकेंड के लिए दोबारा से उस वीडियो के दृश्यों को दिमाग में याद करने को कहा।

बडे काम का है ये नुस्खा

इससे बर्ड्स को यह हासिल हुआ कि वीडियो देखने के तुरंत बाद ही जब लोगों ने खुद के दिमाग को ही उस वीडियो के दृश्यों को समझाया तो वे उसे और भी अच्छे से याद रखने में सफल हुए। जब उनसे थोडी देर बाद वीडियो के बार में पूछा गया तो बिना किसी गलती के उन्होंने वीडियो को बिल्कुल सही तरीके से समझाया।

वरदान है अवसाद...

> शुरुआत में अवसाद श्राप लग सकता है लेकिन अंत में अवसाद वरदान साबित होता है। असल में, अवसाद जीवन का एक अस्थाई दौर होता है। अप्रिय अनुभव दर्दनाक होते हैं लेकिन वे उन्नत बौद्धिक विकास को आवश्यक योगदान देते हैं। इस तरह के अनुभव को महसूस किए बिना कोई भी महान नहीं बन सकता।

एक हालिया रिसर्च ने पाया है कि उदासी और निराशावाद जैसे लक्षण अवसाद को परिभाषित करते हैं लेकिन इसका सकारात्मक पहलू भी है। यह रिसर्च जो कि बेसल विश्वविद्यालय, स्विट्जरलैंड द्वारा कराई गई है कहती है कि निर्णय लेने वाले कार्यों में अवसाद ग्रस्त व्यक्ति सामान्य लोगों से अच्छा प्रदर्शन करते हैं। अवसाद क्या है? अवसाद मानसिक अशांति का संकेत होता है। इस तरह की अशांति बौद्धिकता बढ़ाती है। अवसाद क्यों होता है? अवसाद अभाव के कष्ट का लक्षण होता है। जब आप यह सोचते हैं कि आप किसी ऐसी चीज में बहुत पिछड़ रहे हैं, जिसकी आपको बहुत ख्वाहिश है, यह विचार आपको अवसाद की तरफ ले जाता है। अवसाद शारीरिक घटना नहीं है। यह मानसिक प्रकृति से संबंधित होता है। यदि आप महसूस करते हैं कि आपने वह पा लिया है जो आप पाने चाहते थे तो वह आपको संतुष्टि की भावना देता है। लेकिन जब आपको लगता है कि आप अपने लक्ष्य को पाने में असफल हो गए हैं तो इससे अवसाद होता है। पहले मामले में, आपकी जिंदगी में जल्द पूर्णविराम की स्थिति आ जाएगी, लेकिन दूसरे मामले में, आपका जीवन अल्पविरामों के साथ आगे बढ़ता रहेगा।

बौद्धिक विकास में योगदान

अप्रिय अनुभव दर्दनाक होते हैं लेकिन वह उन्नत बौद्धिक विकास को आवश्यक योगदान देते हैं। इस तरह के अनुभव को महसूस किए बिना, कोई भी महान प्राप्तकर्ता नहीं बन सकता। रिसर्च में में सौ सफल लोगों की जिंदगी के बारे में अध्ययन किया गया, ताकि उनके समान तत्व निकाले जा सकें। उन्होंने यह पाया कि सभी महान सफल लोगों में एक समान लक्षण असंतोष की भावना थी। यह असंतोष न केवल अपने लक्ष्यों को पाने के लिए जुनूनी बनाता है बल्कि यह अधिक से अधिक हासिल कर लेने की इच्छा को भी पैदा करता है। तब यह सफलता के उच्च स्तर के लिए महत्वपूर्ण कुंजी बन जाता है, चाहे वह किसी भी प्रकार का काम हो।

संतुष्टि है पूर्ण विराम

जहां संतुष्टि सब चीजों के आगे पूर्ण विराम लगा देती है, असंतोष आपको कभी न रुकने वाली यात्रा की ओर ले जाता है। अवसाद का यह सबसे बड़ा फायदा है। इतिहास ने हमेशा दिखाया है कि जो लोग आराम में रहते हैं वे निराशा का शिकार नहीं होते। ऐसे इंसान किसी बड़ी सफलता को पाने में आमतौर पर नाकाम साबित होते हैं, लेकिन इससे उलट, जो विपरीत स्थितियों के कारण अवसाद का शिकार हो जाते हैं वही महान सफल इंसान के रूप में उभरकर आते हैं। आप ऐसा महसूस कर सकते हैं कि अवसाद एक ऐसी चीज है जिसे आप महसूस नहीं करना चाहते, लेकिन यह घटना प्रकृति के नियम द्वारा तैयार होती है। जब प्रकृति के नियम की बात आती है, तो आपके पास उसे स्वीकार करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं होता। यदि प्रकृति के नियम के अनुसार, महान सफलता की यात्रा एक दर्दभरा अहसास कराती है, तो आपको वह अहसास प्राप्त करना पड़ेगा। इस तरह से, आपके पास केवल दो विकल्प हैं-या तो आप प्राकृतिक कीमत चुकाकर बड़ी सफलता हासिल करें, या महान सफलता को जाने बिना मर जाएं।

प्रकृति के आभारी

यदि आपको सेब के जूस का एक ग्लास चाहिए, तो आपको एक सेब को घिसना पड़ेगा। सेब को बिना घिसे, आपको वह जूस नहीं मिल सकता। यह उन सब पर लागू होता है जो महान सफल इंसान बनना चाहते हैं। वे प्रकृति के कांटेदार पथ पर चलकर आभारी है क्योंकि इस शर्त को पूरा करे बिना कोई भी इच्छित लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकता। यह जीवन का एक सत्य है कि जो अपने मुंह में चांदी का चम्मच लिए पैदा होता है वह एक सामान्य इंसान की तरह जीता है जबकि जो बिना चांदी का चम्मच लिए पैदा होते हैं वह महान सफलता पाते हैं। शुरुआत में, अवसाद श्राप लग सकता है लेकिन अंत में, अवसाद वरदान साबित होता है। असल में, अवसाद जीवन का एक अस्थाई दौर होता है।

आध्यात्मिक आपातकाल...

वे लोग जो समझते हैं कि वे अपने जीवन का मतलब और उसके ध्येय को ढूंढने के उद्देश्य तक पहुंच जाएंगे, उन्हें उन लोगों पर बहुत जल्दी भरोसा हो जाता है जिनकी सोच उनसे मिलती जुलती है। जैसे कि मौत का बहुत ही करीब से अनुभव, उनकी नई सुबह उत्साह से भरी नहीं होती, इसके बजाय कभी-कभी वे सारे आध्यात्मिक आपातकाल की घटनाओं को एक साथ जोड़ने की कोशिश करते हैं। धार्मिक संकट के संकेत दुनिया के आध्यात्मिक परंपराओं में बताए गए हैं। देखा गया है कि जब जीवन में आगे बढ़ने और बदलाव लाने में सब कुछ अस्त-व्यस्त हो जाता है। पूर्व जीवन व अभी के शुरुआती जीवन के बीच दिमाग तकलीफदेह स्थिति में पहुंच जाता है। यह आतंरिक अस्थिरता का कारण बन सकता है, वह इंसान की पहचान, अनिश्चितता, भ्रम और अकथ निराशा के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकता है।

निरीक्षण के स्तर

आध्यात्मिक आपातकाल को मदर टेरेसा ने लगभग 1948 से लेकर अपने जीवन के अंतिम क्षणों तक झेला। जो राहत की अपने आप में एक ही ऐसी कहानी है जो आज भी याद आती है। बुद्ध के विपासना ध्यान में भी बताया गया है कि साधक को निरीक्षण के 16 स्तरों से होकर गुजरना पड़ता है। तब जाकर 10 मुश्किल और केंद्रित कदम बढ़ाकर ही दु:ख का ज्ञान, विघटन का ज्ञान और भयानकता, दुख और घृणा का ज्ञान प्राप्त होता है। विपासना में स्पष्ट रूप से चेताया गया है कि इन सारे कदमों को जरा भी आसान नहीं समझना चाहिए। खासकर तब जब ध्यान अकेले में या बिना गुरु के ज्ञान के केंद्रित किया जा रहा हो।

डाइग्नोस्टिक श्रेणी

बहुत साल तक, व्यवहारवादी विशेषज्ञ आध्यात्मिक आपातकाल जैसी स्थिति को भ्रमित करने वाला, स्वयं का पतन या खात्मे की तरफ बढ़ने वाला, सबसे बदतर मानसिक बीमारी जिसे ठीक करने के लिए दवाइयों से उपचार करने तक की नौबत आ जाती है कहते रहे। वे लोग जो आध्यात्मिक संकट से जूझ रहे थे या फिर जो दिमागी अस्थिरता और पागलपन से जूझ रहे थे उन्हें कभी-कभी अस्पताल में भर्ती कराया गया और उन्हें ठीक करने के लिए दवाइयों की मदद ली गई। सौभाग्य से पिछले कुछ सालों में इसमें बदलाव आया है, जैसा कि अमेरिका के एक मनोरोग असोसिएशन के द डाइग्नोस्टिक एंड स्टैटिस्टिकल मेनुअल में बताया गया है। इसके नवीनतम अंक में धार्मिक और आध्यात्मिक परेशानी में पहली बार आम लोगों के तजुर्बे को तवज्जो दी गई है। लेखकों के मुताबिक, नई डाइग्नोस्टिक श्रेणी ऐसे मसलों को हल करने में कहीं ज्यादा सक्षम है जिसमें आध्यात्मिक मामले शामिल हों। नई तकनीक और प्रणाली दिमागी बीमारी और आध्यात्मिक चिंताओं के गलत इलाज होने और उससे होने वाले नुकसान से भी बचाती है; इतना ही नहीं बल्कि इन परेशानियों को सही तरीके से मरीज को सही अस्पताल में सही इलाज से और सही शिक्षा से इसके प्रबंधन करने और अनुशासनात्मक ढंग से जीने के लिए भी प्रेरित करती है।

मिस्टिकल एक्सपेरिएंस

तो वह क्या है जो प्राप्त ज्ञान में अचानक बदलाव का कारण है? इसका सटीक उत्तर है मनोविज्ञान। मनोविज्ञान जिसका केंद्र विलियम जेम्स और कार्ल जंग के काम में नजर आता है। इसे लोगों ने सराहा। मनोविश्लेषण, आचरण और मानवता मनोविज्ञान- जो इंसान के आध्यात्मिक जरूरतों को ध्यान में रखकर उन्हें समझने की कोशिश करता हैं। मनोचिकित्सकों का मुख्य ध्येय और उनकी रूचि मनुष्यों के हर तरह से अनुभवों को ध्यान में रखकर उनके अवचेतन का पूर्वी और पश्चिमी विचार के साथ संश्लेषण करना है। वे हर इंसान के जीवन को समझने की कोशिश करते हैं जिसमें हर व्यक्ति के भीतर की उच्च या गहरी स्वयं की वास्तविकता रहती है। नया चिकित्सकीय वर्ग जिसका नाम है मिस्टिकल एक्सपेरिएंस विथ सायकोटिक फीचर्स यानी मानसिक विशेषताओं के साथ रहस्यमय अनुभव को चिकित्सा क्षेत्र में शामिल करने का प्रस्ताव एक मनोविज्ञान के जर्नल द्वारा दिया गया है। अधिक संवेदनशील आध्यात्मिक मुद्दों और आध्यात्मिक उन्मुख आख्यान के अलावा। इसमें कोई शक नहीं है कि यह भविष्य में विज्ञान और धर्म के बीच के ज्ञान को बढ़ाएगा।

वैज्ञानिक नजरिये से भगवत गीता...

भगवत गीता के अनुसार, मन आपका दोस्त या दुश्मन हो सकता है। यह आप पर निर्भर करता है कि आप इसे कैसे नियंत्रित करते हो। श्रीकृष्ण ने कहा था कि मन जिद्दी और मजबूत होने के बावजूद चंचल और बैचेन होता है। हवाओं पर काबू पाने से ज्यादा मन पर काबू पाना कठिन है। यहां मन, तत्व और हवा की तुलना की जा रही है। तत्व एक भौतिक विषय है। यह मन का कार्यक्षेत्र नहीं है। मन की जांच करने का कोई भी भौतिक तरीका नहीं है। फिर भी कृष्ण के मन के द्वारा विज्ञान के आधार पर हम इस पर रोशनी डालने की कोशिश करते हैं। सबसे पहले हम मन की चंचलता और बैचेनी की बात करते हैं। यह आपकी दुविधा के कारण उतार-चढ़ाव को दर्शाता है। यदि व्यक्ति का आत्मविश्वास मजबूत होगा तो वह मन पर काबू कर सकता है। यही बात पूरी तरह से भौतिक शरीर पर भी लागू होती है। यह देखना दिलचस्प है कि आदेशित घटनाएं मजबूत आतंरिक ऊर्जा से प्रेरित होती हैं। दिलचस्प रूप से भौतिक गुणों में चुंबकत्व और सुपरकंडक्टिविटी के उदाहरण मिलते हैं।

लहरें और कण

मजबूती और हठ की दो अन्य विशेषताएं उनके विरोध को दर्शाती हैं। मन की मजबूती हमेशा से ही सकारात्मक होती है, जबकि हठ एक अनचाही या अवांछित विशेषता है। भौतिक ऊर्जा स्त्रोतों द्वारा आपके मजबूत मन की उपलब्धियां छाया बनकर रहती है। शेक्सपियर और कालीदास ने जो ज्ञान दिया

है, वह दुनिया के बड़े सुपर कंप्यूटर का समूह भी नहीं दे सकता। आईंस्टीन ने मन के कारण ही उपलब्धियां हासिल की हैं, किसी कंप्यूटर के कारण नहीं। इसे ही मन की शक्ति कहते हैं। भौतिकी में हर तत्व से तरंगें आती हैं। प्रकाश भी एक तरंग है, लेकिन इसकी प्रकृति कण है। दोनों घटनाएं एक-दूसरे की पूरक होती हैं। जिस तरह अणु एक कण है, लेकिन उसमें तरंग भी होती है। यह विज्ञान का तथ्य है। कण और तरंग का यह द्वंद्व सिर्फ बीती सदी में जाकर समझ में आ पाया।

मानसिक तरंगें

आध्यात्मिकता के क्षेत्र में, कई बार संदर्भ को मानसिक तरंगों के समान बनाया जाता है। हम नहीं कह सकते हैं कि इनका अस्तित्व है या नहीं। यदि यह वाकई अस्तित्व रखता है तो इसकी पहचान क्या है? कई बार हम ऐसे व्यक्ति के लिए तीव्र भावना महसूस करते हैं, जो हमें सबसे ज्यादा प्रिय होता है। यह एक अप्रत्यक्ष संबंध है। यदि आपके दिल से प्रभावित होकर आपके मन में चंचलता आती है तो धड़कन में भी बदलाव आएगा। इसका पता इलेक्ट्रॉनिक एनालॉग सर्किट द्वारा लगाया जा सकता है।

दिमाग की शक्ति

हम अक्सर मन की शक्ति की बात करते हैं। शक्ति क्या होती है? क्या इसका वैज्ञानिक आधार है? यह शक्ति किस तरह के नियमों का अनुसरण करती है। क्या यह सार्वभौमिक है? किसी काम का करना भी शक्ति कहलाता है। हमारा किसी काम का करना या उसमें निष्क्रियता दिखाना पूरी तरह से हमारे दिमाग से प्रेरित होता है। इसलिए मन भी निश्चित रूप से शक्ति है, लेकिन इस पर भौतिकी के नियम लागू नहीं होते। तत्व और ऊर्जा की समानता पूरी तरह से स्थापित है। कई संतों और उनके समर्थकों का दावा है कि मन की शक्ति के कारण तत्व को बाहर से कुछ नहीं किया जा सकता। यदि यह सच है कि निष्क्रियता अंदर से खालीपन की तरह होती है तो यह भी संभव है कि इसमें ऊर्जा शून्य होगी। यदि क्वांटम सिद्धांत दिमाग को विकसित कर सकता है तो ऊपर दी गई संभावनाओं के सार्थक जवाबों का पता लगाया जा सकता है। इस विषय पर कुछ सिद्धांतकारों ने कब्जा कर लिया है। इंतजार करते हैं और देखते हैं कि दिमाग और तत्व में किसी तरह की एकता हो सकती है। हालांकि अब तक इस बारे में कोई नहीं जान सका है।

एक भौतिक तुलना

मन की विशेषता होती है कि वह आसानी से भौतिक वस्तुओं की विशेषताओं से तुलना कर लेता है। पी-एन जंक्शन डायोड के एक उदाहरण से समझते हैं। इसका इस्तेमाल एसी करेंट को डीसी करेंट में बदलने की प्रक्रिया में किया जाता है। एसी करेंट में उतार-चढ़ाव होते हैं। जबकि, डीसी करेंट में स्थिरता होती है। मजबूत दिमाग भी ऐसा ही होता है। यह जीवन के सुख-दुख को शांति और सद्भाव में बदल देता है। एक होशियार दिमाग सजग होता है। यह बाहरी उत्तेजनाओं को समझ कर शरीर को उचित व्यवहार करने का आदेश देता है। इस तरह से यह एक सेंसर यानी संवेदक की तरह कार्य करता है। इसमें कठोर अवस्था में थरथराने वाली विशेषता भी है। यह थरथराहट इलेक्ट्रॉनिक तरंगों को जन्म देती हैं। इसका पता भी अन्य उपकरण से लगाया लगाया जाता है। यदि इस डिटेक्टर की फ्रीक्वेंसी को मिलाएं तो इन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की प्रकृति और अनुसरण क्वांटम के नियम की तरह हो जाएगा। इसके बाद शायद क्वांटम सिद्धांत को समझना और दिमाग का विश्लेषण करना संभव हो जाएगा।

नजरिये को पास से दूर ले जाएं...

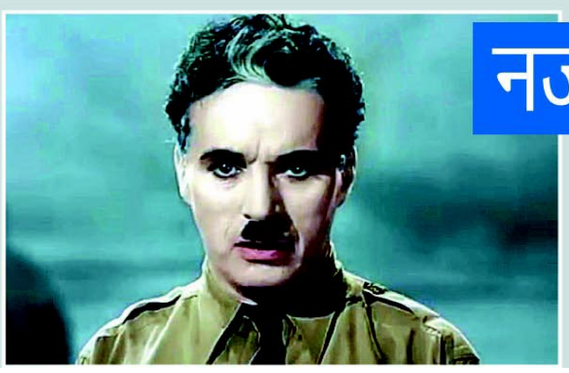

यदि नजदीक से देखा जाए तो जीवन दुखद घटना लगता है लेकिन यदि दूर से देखा जाए तो सुखी लगता है। कॉमेडी के चैंपियन चार्ली चैपलिन द्वारा कही गई यह प्यारी बात हमें जिंदगी के सबसे बड़े विरोधाभासों में से एक का सामना करवाती है। इस बात को यदि हम अपनी याददाश्त में बिठा लें तो यह हर समय हमारा संतुलन बनाए रखने में हमारी मदद कर सकती है। चैपलिन कह रहे हैं कि नजरिये को पास से दूर ले जाने पर दर्द कम हो जाता है। अक्सर जब हम जिंदगी के किसी मुश्किल दौर से गुजर रहे होते हैं, तो हमारी समस्याएं दुर्गम लगने लगती हैं और ऐसा लगता है कि कभी कुछ ठीक नहीं होगा। जिस अंधेरे से हम घिरे हुए होते हैं वह अनंत लगने लगता है। फिर भी सूरज दोबारा उगता है, बिना अपवाद के। कुछ समय बाद जब हम पीछे मुड़कर उस स्थिति को देखते हैं तो हमें महसूस होता है कि ये उतनी बुरी नहीं थी जितनी हमें शुरू में लगी थी।

कभी कभी हम अपनी अति-प्रतिक्रिया पर हंसते भी हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि पास से सब कुछ बड़ा दिखता है, लेकिन जब हम दूर जाते हैं, तो वो छोटा होता जाता है। यही चार्ली चैपलिन हमसे कह रहे हैं कि हमारी समस्याओं का आकार और भार हमेशा ज्यादा लगता है जब हम उसके करीब होते हैं। लेकिन जब हममें और समस्या में कुछ दूरी होती है, तो हमें पता चलता है कि वह इतनी गंभीर नहीं थी। इसलिए जब भी आप किसी समस्या का सामना करें, अनचाहे परिणाम या घटना के बारे में सोचें। कल्पना समय से आगे जाएगी, एक

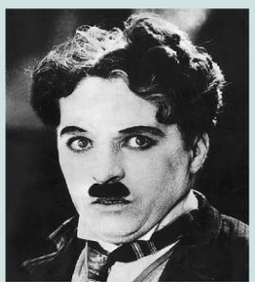

हफ्ता, एक महीना, फिर एक साल, दो साल, पांच साल और इसी तरह। आपको महसूस होगा कि कुछ भी हो, जीवन चलता रहता है और जो आपको बड़ी समस्या लगती है, कुछ समय बाद किसी और संभाले जा सकने वाले वाकये की तरह लगेगी। आपके और आपकी चुनौतीपूर्ण समस्या के बीच में दूरी बनाने का एक और रास्ता ये है कि इसे तीसरे व्यक्ति के नजरिये से देखें। ये आपको समस्या से तटस्थ रखने में मदद करता है। अगर आप चीजों को देखने का नजरिया बदल लें, तो वो चीजें जिन्हें आप देखते हैं, बदल जाएंगी।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**